राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक**: 3** सोलहवीं विधान सभा के तृतीय सत्र का आठवां दिवस संख्या: **5**

शुक्रवार,

7 फरवरी 2025

(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।)

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

तारांकित प्रश्नोत्तर

श्री अध्यक्ष: राम-राम, राम-राम। विराजें। प्रश्न काल।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय अध्यक्ष महोदय।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल है, प्रश्न काल के बाद उठा लेना।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सरकार के कैबिनेट मंत्री का फोन टेप हो रहा है और मुख्य मंत्री पर आरोप लगा रहा है।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल के बाद ...(व्यवधान)...

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): मुख्य मंत्री पर आरोप लगा रहा है ...(व्यवधान)... मुख्य मंत्री का इस्तीफा होना चाहिए ...(व्यवधान)...

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): आपको जो करना है वह कर लेना। अभी प्रश्न काल चलने दीजिये ...(व्यवधान)...

प्रश्न संख्या 70

श्री अध्यक्ष: श्री संदीप शर्मा।

(अनुपस्थित। कृपया आगे देखें)

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): प्रश्न काल से गंभीर कुछ नहीं होता है।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल को बाधित ना करें।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): सदस्यों के अधिकार का हनन मत करिये ...(व्यवधान)... पहले प्रश्न काल चलने दीजिये। फिर जो करना है कर लेना।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): फोन टेप हो रहा है ...(व्यवधान)...

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): चोरों की जमात ...(व्यवधान)...

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): कर लेना, हम भी जवाब दे देंगे।

श्री अध्यक्ष: नो, नोट एट ऑल ...(व्यवधान)...प्रश्न काल है। प्रश्न काल के साथ आज तक नहीं हुआ। बैठिये, बैठिये ...(व्यवधान)...बैठिये सब लोग। इधर भी बैठिये। सब बैठिये। प्रश्न काल है। नो ...(व्यवधान)... माननीय विपक्ष के नेता, बैठिये। डोटासरा जी बैठिये ...(व्यवधान)...

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): यह है ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न काल के पहले कोई मुद्दा नहीं उठता। प्रश्न काल के पहले नहीं उठता। बैठिये ...(व्यवधान)... सब लोग बैठिये।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): पहले भी मुख्य मंत्री पर आरोप लगा था और उप मुख्य मंत्री ने लगाया था ...(व्यवधान)... तब कहां थे आप? आपके मुख्य मंत्री पर आपके उप मुख्य मंत्री ने फोन टेपिंग का आरोप लगाया था ...(व्यवधान)... आपके कार्यकाल में हुआ है। सारी दुनिया को पता है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप करवा रहे हो ...(व्यवधान)...

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): आप बोलने लायक नहीं हो ...(व्यवधान)...इस मुद्दे पर आप बोलने लायक नहीं हो।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप इसलिए फोन टेप करवा रहे हो कि हमारे समय में टेप हुए? यह गंभीर विषय है। मुख्य मंत्री पर आरोप लगाया है कैबिनेट मंत्री ने। अध्यक्ष महोदय, एक साल से आप लोगों ने ...(व्यवधान)... जिस कैबिनेट मंत्री ने बीमारी से विधान सभा से छुट्टी ली ...(व्यवधान)... बीमारी नहीं है, वह दबाव में है ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: वैल में नहीं ...(व्यवधान)...

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): आपने 5 साल तक फोन टेप किये अपने विधायकों के ...(व्यवधान)... 100 चूहे खाकर के बिल्ली हज को जा रही है ...(व्यवधान)...

सदन कूप में

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व नारे)

प्रश्न संख्या 71

श्री अध्यक्ष: श्री शंकर लाल डेचा। क्वेश्चन नंबर बोलो। क्वेश्चन नंबर बोलो। श्री शंकर लाल डेचा।

(अनुपस्थित। कृपया आगे देखें)

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): प्रश्न होने दो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्री चन्द्रभान सिंह चौहान।

चित्तौड़गढ़ के विद्यालयों में रिक्त पद

72. श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में व्याख्याता व वरिष्ठ अध्यापकों के कितने पद रिक्त हैं? विद्यालयवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार रिक्त पदों को भरने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं,

तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

शिक्षा मंत्री (श्री मदन दिलावर): (1) विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ में व्याख्याता एवं वरिष्ठ अध्यापकों के पदों की स्थिति निम्नांकित प्रकार हैः-

पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
व्याख्याता	328	212	116
वरिष्ठ अध्यापक	433	315	118

उपरोक्त व्याख्याता एवं वरिष्ठ अध्यापकों के विद्यालयवार स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण परिशिष्ट 'क' पर संलग्न है।

(2) जी हां। विभागीय पदोन्नति समिति अथवा राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से चयनित आशार्थी उपलब्ध होने पर रिक्त पदों को प्राथमिकता से भरा जा सकेगा।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी। उत्तर दीजिये ...(व्यवधान)... मेरी सभी सदस्यों से अपील है कि अपनी सीटों पर जाएं ...(व्यवधान)...अभिभाषण का आज अंतिम दिन है। आप भी बहस में भाग लें और मुख्य मंत्री का जवाब भी सुनें। सरकार का जवाब भी सुनें। पूरक प्रश्न।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, इतने पद खाली क्यों हैं? मेरी विधान सभा में और चित्तौड़गढ़ जिले में क्या सरकार इनको भरना चाहती है या नहीं चाहती है? अगर चाहती है तो कब तक और नहीं चाहती है तो क्यों? नंबर एक।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने कई विद्यालय ऐसे खोल दिये जिनकी जरूरत नहीं थी और ना ही डिमांड थी। लेकिन 4 हजार के आसपास विद्यालय हैं जिनमें ना तो पद स्वीकृत किये हैं और ना ही जो स्वीकृत हैं उनको भरा है। इसके कारण से अधिकांश पद खाली हैं। सस्ती लोकप्रियता के कारण राजस्थान के बालकों का भविष्य अंधकारमय करने के लिए इन्होंने अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों का बोर्ड हिन्दी माध्यम विद्यालय पर लटका दिया। इसके कारण से हिन्दी माध्यम में पढ़ने वाले बच्चे भी परेशान रहे। अंग्रेजी माध्यम से पढने वाले बच्चे भी परेशान रहे।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

श्री अध्यक्ष: अपनी सीटों पर जायें ...(व्यवधान)... बीच में कोई व्यवधान ना करें।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): इससे लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया। इन्होंने जो बालिका विद्यालय थे, उनको अंग्रेजी माध्यम का घोषित कर दिया। उसके कारण से बालिकाओं ने पढ़ाई छोड़ दी। उनको पढने के लिए दूरदराज जाना पडा। उनके मां-बाप उनको दूरदराज भेजने के लिए तैयार नहीं थे। इसके कारण से लाखों बच्चियों का भविष्य इन्होंने अंधकारमय किया है। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान के छात्र, छात्राओं का भविष्य अंधकारमय कर दिया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, यही नहीं जो बच्चे थे, वह भी वहां इसलिए नहीं पढ़ पाये कि

वहां बच्चों को विद्यालय रहा ही नहीं। जब बच्चों का विद्यालय नहीं रहा तो उनको भी दूरदराज जाना पडा। इन्होंने कई सब्जेक्ट नहीं खोले। एक ही सब्जेक्ट का विद्यालय खोल दिया तो दूसरा सब्जेक्ट कहां पढने जायेगा? इसलिए मैं निवेदन यह कर रहा हूं कि कांग्रेस शिक्षा की विरोधी है। गांव के बच्चे जो पढ़ते हैं उनकी विरोधी है। गांव के बच्चों को अनपढ़ रखना चाहती है। इनको पढ़े-लिखे लोग इसलिए पसंद नहीं हैं क्योंकि वह इनके घोटालों को खोलते हैं। इन्होंने शिक्षा विभाग में जितना भ्रष्टाचार किया है उनकी जानकारियां लाकर के सबको उजागर कर सकते हैं। इसलिए यह पढ़े-लिखे लोग नहीं चाहते हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन यह भी करना चाहता हूं कि यह भ्रष्टाचार में आकंठ रूप से डूबे हुए हैं। शिक्षा विभाग में जो इन्होंने खेल सामग्री की खरीद की है, उसमें जब मैंने विद्यालय में जाकर के देखा तो क्रिकेट के बैट प्लास्टिक के मिले। यानी प्लास्टिक के बैट खरीदकर के इन्होंने लकड़ी के बैट का पैसा उठाया। इस प्रकार से करोड़ों रुपये गोविन्द सिंह डोटासरा जी ने उसमें खाये हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि मिड डे मील के नाम पर करोड़ों का घोटाला यह लोग कर गये। गोविन्द सिंह डोटासरा जी मिड डे मील में सैकड़ों करोड़ का घोटाला कर गये हैं। मेरे पास सीएजी की रिपोर्ट है। उस रिपोर्ट के आधार पर मैं यह कह रहा हूं कि बच्चों को मिड डे मील मिला ही नहीं क्योंकि उस समय कोरोना काल चल रहा था। यह कहते हैं कि हमने पहुंचा दिया था। कौनसे ट्रक से इन्होंने पहुंचाया था? कौनसे टोल टैक्स से वह पास हुआ? उसका टोल टैक्स इन्होंने कहां चुकाया था? वह सारे सबूत इनके पास नहीं हैं और ना ही फाइल पर हैं। इसलिए यह सारा का सारा पैसा खाकर के, इस प्रकार से करके यह सरकार पर हावी होना चाहते हैं। डोटासरा जी, डोटासरा जी जैसे लोगों को सरकार के ऊपर हावी नहीं होने देंगे क्योंकि यह भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। इन्होंने शिक्षा का बंटाधार कर दिया है।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, जब 2020 के बाद जितने भी विद्यालय, उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रमोन्नत हुए हैं उनमें तो अभी तक व्याख्याताओं के पद स्वीकृत नहीं हुए हैं। इसलिए देखा जाये तो विद्यालयों में व्याख्याताओं के पद बहुत ज्यादा रिक्त हैं।

मेरा प्रश्न है कि सरकार इन विद्यालयों में व्याख्याताओं के पद कब तक स्वीकृत करेगी? उसके बाद उनको भरने की क्या कार्ययोजना रहेगी?

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

श्री अध्यक्ष: सीटों पर जाओ। सीटों पर जाओ।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): अभी जो व्याख्याताओं की भर्ती निकाली है, वह बहुत ही कम संख्या है। इसलिए सरकार हजारों की तादाद में व्याख्याताओं की भर्ती निकाले। मंत्री महोदय, मेरी आपसे विनती है कि जो अंग्रेजी विद्यालय हैं उनको आप हिन्दी माध्यम

करना चाह रहे हैं कि नहीं करना चाह रहे हैं? अगर करना चाह रहे हैं तो कब तक और नहीं करना चाह रहे हैं तो क्यों?

spp/rtm/07.02.2025/11:10/1b

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी)

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): हो गया न। हो गया। ..(व्यवधान)..

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): हिन्दी वाला नहीं हुआ। आप इन हिन्दी माध्यम स्कूलों को अंग्रेजी में कन्वर्ट करेंगे या नहीं?

श्री अध्यक्ष: आप उत्तर सुनिये। ..(व्यवधान)...

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री महोदय से यह कहना है कि आपने जो अंग्रेजी माध्यम स्कूल कर रखे हैं, वहां पर व्याख्याता नहीं हैं। वहां बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं और जो बालिका विद्यालय थे, उनमें आपने अंग्रेजी स्कूलों को शिफ्टिंग कर दिया और वहां हमारी बच्चियां दु:ख पा रही हैं। क्या आप उन अंग्रेजी स्कूलों को हिन्दी माध्यम करेंगे कि नहीं करेंगे? यह मंत्री महोदय बताएं। ..(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, प्रश्न पूछो। पूरक प्रश्न पूछो।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि जो इन्होंने अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय बना दिये और स्कूलों पर जो बोर्ड लटकाये थे, उसके कारण से छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। अब यह पूछना चाहते हैं क्या उनको वापस हिन्दी में कन्वर्ट करोगे या नहीं करोगे? माननीय अध्यक्ष महोदय, हम जो भी करेंगे, वह छात्रों के हित में करेंग, क्योंकि एक-एक विद्यालय के बारे में हम जानकारी ले रहे हैं। इससे कितने बच्चों को लाभ हुआ और कितने बच्चों को नुकसान हुआ? अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार छात्रों को नुकसान हुआ है और इसीलिए माननीय मुख्य मंत्रीजी ने एक कमेटी का गठन कर दिया है। वह कमेटी निर्णय करेगी और सबको सुनेगी, सारी बातों पर विचार होगा और जो भी छात्रों के हित में होगा और राजस्थान के हित में होगा, वह निर्णय वह कमेटी करेगी।

श्री अध्यक्ष: नैक्स्ट क्वेश्चन। डॉ.ऋतु बनावत।

जनता जल योजना के अन्तर्गत पम्प चालकों का स्थाईकरण

73. डा. ऋतु बनावत (बयाना): क्या जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

क्या सरकार जनता जल योजना अंतर्गत कार्यरत सहायक पम्प चालकों को स्थाई करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री (श्री कन्हैयालाल): जनता जल योजना अंतर्गत कार्यरत सहायक पम्प चालकों को स्थाई करने का प्रावधान नहीं होने के कारण इन्हें स्थाई करने बाबत् कोई भी प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, जनता जल योजना माननीय स्व. भैरोंसिंह जी शेखावत के समय में शुरू की गयी। 10 से 20 वर्ष तक कार्य करने के बाद भी वहां पर ना तो पम्प चालक हैं, ना कोई संविदाकर्मी हैं, ना स्थाई कर्मचारी हैं। कांग्रेस के शासनकाल में भेदभाव करके कुछ को स्थाई कर दिया गया और बाकी लोगों को छोड़ दिया गया। क्या सरकार उनके साथ संवेदनशीलता रखते हुए उन्हें स्थाई करने या उन्हें नई भर्ती में अनुभव के आधार पर प्रायोरिटी देने का विचार रखती है अथवा नहीं? मेरा पहला प्रश्न यह है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी एवं शोरगुल)

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी। ..(व्यवधान)..

श्री कन्हैयालाल (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण जल योजनाओं के सरकारीकरण को कम करने, उपभोक्ताओं की योजनाओं के संचालन में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश में जनता जल योजना का प्रारंभ वर्ष 1994 से किया गया था। जनता जल योजनाओं के दिशा-निर्देशों के लिये एक परिपत्र दिनांक 28.01.1994 को जारी किया गया था। विभाग की नीति-निर्धारण समिति की 115वीं बैठक दिनांक 26.07.1994 में निम्नलिखित प्रावधान किये गये थे:-

(1) कुओं पर लगी मोटर आदि को चलाने के लिये कोई भी विभागीय कर्मचारी नहीं होगा।

(2) स्थानीय समिति को जिसके लिये अंशकालीन व्यवस्था करनी होगी। इसके लिये अंशाकालिक श्रमिकों को रुपये 500 प्रतिमाह का मानदेय सम्बन्धित ग्राम पंचायत को अंशकालीन श्रमिकों को भुगतान करने हेतु पुर्नभरण किये जाने का प्रावधान किया गया था।

अभी श्रम विभाग की अधिसूचना दिनांक 13 दिसम्बर, 2024 द्वारा जारी दरों के अनुसार वर्तमान में जनता जल योजनाओं के कार्मिकों को मानदेय भुगतान, कुशल श्रमिक हेतु निर्धारित न्यूनतम दैनिक मजदूरी दर राशि रुपये 7,410 के अनुसार विभाग द्वारा किया जा रहा है।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्रीजी से प्रश्न था कि 10 से 20 साल उनको काम करते हुए हो गये, लेकिन फिर भी उनका मानदेय नहीं बढ़ा, जबकि अकुशल श्रेणी के श्रमिक 30-31 दिन वह काम करते हैं फिर भी उनको जो वेतन मिल रहा है, वह 26 दिन का ही मिल रहा है। 5.4.2003 की पालना में पदनाम चेंज करने का जो उनका काम था, वह भी नहीं हो पाया है। इतने लम्बे कार्यकाल में काम करने के बाद भी न तो उनको कोई पी.एफ. मिलता है, न कोई उनके लिये सेवा नियम है। ..(व्यवधान)..

श्री अध्यक्ष: प्रश्न पूछें।

डा. ऋतु बनावत (बयाना): इनके बारे में मंत्रीजी का क्या विचार है, मैं यह जानना चाहती हूं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी एवं शोरगुल)

श्री कन्हैयालाल (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, जनता जल योजना के सर्वे के द्वारा स्थाई किये जाने के सम्बन्ध में राज्य सरकार में विभिन्न स्तरों पर प्रस्तुत अभ्यावेदनों पर किये गये निवेदन एवं अभ्यावेदनों पर कार्मिक विभाग द्वारा जनता जल योजना के श्रमिकों को राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग रूल्स, 2022 के अधीन संविदा पर लिये जाने के सम्बन्ध में दी गयी राय नियमानुसार है। संविदा नियम 2022 के नियम 3 एवं वित्त विभाग के दिशा-निर्देश 10.03.2022 के अनुसार उक्त कार्मिकों को लोक विभागों के माध्यम से नहीं लिये जाने के कारण संविदा नियम 2022 के अन्तर्गत नहीं लिया जा सकता है। यदि उक्त कार्मिकों को संविदा श्रमिकों की श्रेणी में माना जाएगा तो ठेकाकर्मी प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को संविदा नियम में लिये जाने की मांग की जा सकती है। साथ ही न्याय विवाद उत्पन्न होने की संभावना है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारे एवं शोरगुल)

प्रश्न संख्या : 74

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री अर्जुनसिंह बामणिया।

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

श्री गणेश घोघरा।

प्रश्न संख्या : 75

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

माननीय मंत्रीजी। आप सीट पर रहोगे तो प्रश्न का उत्तर आयेगा। आपको नहीं पूछना? नैक्स्ट क्वेश्चन। श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से लाभान्वित किसान

76. श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): क्या सहकारिता राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख/डेयरी/ मात्स्यिकी सहकारी समितियों से लाभान्वित किसानों का जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) वर्ष 2021 से 2024 तक कितनी नई बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों की स्थापना की गई है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) प्राथमिक सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय, बहुआयामी तथा पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं? विवरण सदन की मेज पर रखें।

राज्य मंत्री, सहकारिता (श्री गोतम कुमार): (1) प्रदेश में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख/डेयरी /मात्स्यिकी सहकारी समितियों से लाभान्वित किसानों का जिलेवार संख्यात्मक विवरण परिशिष्ट 1 पर संलग्न है।

(2) वर्ष 2021 से 2024 तक 5378 नई बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियां गठित की गई है।

(3) प्राथमिक सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय, बहुआयामी तथा पारदर्शी बनाने के लिए

सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि के अन्तर्गत विभिन्न पहलों के माध्यम से समितियों को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्राथमिक सहकारी साख समितियों को पारदर्शी बनाये जाने हेतु इनका कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्रीजी से जानना चाहूंगी कि राज्य सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि योजना के अन्तर्गत प्राथमिक सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय और बहु-आयामी बनाने के लिये कौन-कौनसी पहल की गयी है? इन पहलुओं पर कितना परिव्यय किया गया है?

श्री गोतम कुमार (राज्य मंत्री, सहकारिता): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने सहकार से समृद्धि योजना के अन्तर्गत प्राथमिक सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय और बहु-आयामी बनाने के लिये कई नवाचार प्रारंभ किये हैं, जिनसे सहकारिता आन्दोलन को मजबूती मिलेगी एवं प्रमुख नवाचार एवं पहलुओं में पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में स्थापित किया गया है। लगभग राजस्थान में 5 हजार 96 कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित किये गये हैं। पैक्स में जन औषधि केन्द्र स्थापित किये गये हैं। लगभग 30 पैक्स का हम कम्प्यूटराइजेशन करके उनमें पारदर्शिता लाना चाहते हैं। लगभग 2,576 में यह कार्य हो चुका है। प्रधान मंत्री किसान सम्बन्धी केन्द्र के रूप में कार्य कर रही है और इसमें हमारी लगभग 4 हजार पैक्स काम कर रही हैं। पैक्स को हम किसान उत्पादक संगठन के रूप में भी विकसित करने का काम कर रहे है और राजस्थान में हमने ऐसे 18 सहकारी समितियों का निर्माण किया है। समितियों को डीजल, पेट्रोल पम्प आउटलेट्स के आवंटन हेतु भी प्राथमिकता दी जाती है। समितियों को राष्ट्रीय स्तर पर, यह तीन समितियों को राष्ट्रीय कोऑपरेटिव आर्गनिक सोसायटी, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात सोसायटी तथा भारतीय बीज सहकारी समिति की सदस्यता दिलायी जा रही है ताकि प्रदेश की समितियों को उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके। उक्त पहलुओं के अन्तर्गत अब तक 110 करोड़ रुपये व्यय किये जा चुके हैं।

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्रीजी से जानना चाहूंगी कि वर्तमान एवं विगत चार वर्षों में राजसमन्द में कितनी प्राथमिक समितियों को बहुउद्देशीय समितियों में परिवर्तित किया गया है? इसके साथ ही पंचायत स्तर पर कितनी समितियां परिवर्तित करना शेष है और क्या उनको जल्द से जल्द परिवर्तित करने की वे मंशा रखते हैं?

श्री गोतम कुमार (राज्य मंत्री, सहकारिता): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजमसंद विधान सभा में 50 ग्राम पंचायतें हैं तथा इन ग्राम पंचायतों में से 42 ग्राम पंचायतों में बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समिति संचालित हैं। शेष 8 ग्राम पंचायतों में प्रस्ताव प्राप्त होने पर नवीन बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों का निर्माण प्रस्ताव प्राप्त होने पर कर दिया जायेगा।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारे)

श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से

मैं यह पूछना चाहती हूं...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्षः आपके दो पूरक प्रश्न हो गये, बिराजें।

श्री देवीसिंह शेखावत।

नारायणपुर (बानसूर) की नवगठित नगरपालिका हेतु बजट की स्वीकृति

77. श्री देवी सिंह शेखावत (बानसूर): क्या स्वायत्त शासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र बानसूर की नवगठित नगरपालिका नारायणपुर हेतु स्वीकृत बजट कब तक जारी कर दिया जाएगा? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) नवगठित नगरपालिकाओं के संचालन हेतु कार्मिकों की व्यवस्था कब तक कर दी जाएगी? विवरण सदन की मेज पर रखें।

राज्य मंत्री, स्वायत्त शासन (श्री झाबर सिंह खर्रा) (1) राज्य वित्त आयोग एवं केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान राशि समस्त नगरीय निकायों को नियमानुसार हस्तान्तरित की जाती है।

नगर पालिका नारायणपुर का गठन वित्तीय वर्ष 2024-25 में दि. 09.10.24 को हुआ है। इस अवधि में गठित नगरीय निकायों के निजी निक्षेप खाते खोले जाने की स्वीकृति वित्त विभाग में प्रक्रियाधीन है। वित्त विभाग से स्वीकृति उपरान्त राज्य वित्त आयोग की अनुदान राशि में से निकाय की हिस्सा राशि उनके निजी निक्षेप खाते में हस्तान्तरित कर दी जावेगी।

(2) नवगठित नगर पालिका नारायणपुर के संचालन हेतु अधिशासी अधिकारी पद पर कार्य करने के लिये अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बानसूर को अधिकृत किया जा चुका है।

अन्य नवगठित नगर पालिकाओं में पदों के सृजन हेतु वित्त विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किये जाने पर वित्त विभाग द्वारा समीक्षा के सुझाव हेतु टिप्पणी कर प्रस्ताव पुनः प्रेषित किये जायेंगे। वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त होने पर पद सृजन की कार्यवाही की जा सकेगी।

इसके अतिरिक्त रिक्त पदों पर कार्मिकों की उपलब्धता के आधार पर स्थानांतरण के माध्यम से पदस्थापन किया जायेगा।

jyg/rtm/07.02.25/11.20/1c

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य?

श्री देवी सिंह शेखावत (बानसूर): ठीक है।

श्री अध्यक्षः श्री बालमुकुन्दाचार्य।

जयपुर शहर में अवैध वाहनों के संचालन पर कार्यवाही

78. श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि जयपुर शहर में अवैध वाहनों के संचालन से जाम की स्थिति बनी रहती है? यदि हां, तो कहां-कहां पर? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या सरकार उक्त अवैध वाहनों पर कार्यवाही करने का विचार रखती है? यदि हां, तो क्या व कब तक व नहीं, तो क्यों ? विवरण सदन की मेज पर रखें।

परिवहन मंत्री (डॉ. प्रेम चन्द बैरवा): माननीय अध्यक्ष महोदय, उप शासन सचिव गृह (ग्रुप-5) विभाग से प्राप्त जवाब के अनुसार जयपुर शहर में विशेष आयोजनों व पीक ऑवर्स के दौरान यातायात का दबाव बढ़ जाता है, यातायात दबाव वाले स्थानों पर यातायात पुलिस द्वारा अतिरिक्त जाप्ता लगाया जा कर यातायात व्यवस्था करवायी जाती है। जयपुर शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार एम.वी. एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

(2) जी हां। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा नियमित रूप से मोटर यान अधिनियम, 1988 एवं सपठित नियमों के उल्लंघन करने पर ऐसे वाहनों के विरुद्ध सुसंगत प्रावधानानुसार कार्यवाही की जा रही है। अवैध वाहनों पर वर्ष 2024 में की गई कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.स.	विभाग का नाम	चालानों की संख्या
1.	परिवहन विभाग	7183
2.	यातायात पुलिस	255129

श्री अध्यक्षः पूरक प्रश्न पूछें।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि जयपुर शहर में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में जो कोंट्रेक्ट बेस पर जो जीपें लगी हुई हैं और उन्होंने बड़ी-बड़ी नेम प्लेट लगा रखी है, उड़न दस्ता जेडीए, उड़न दस्ता आरटीओ, उड़न दस्ता विद्युत निगम आदि लिखा रहता है। कइयों में नीली बत्ती भी लगी रहती है, लाल बत्ती भी लगी रहती है, ये बत्तियां लगाकर घूम रहे हैं। ये सब गाड़ियां जो अवैध रूप से आवागमन कर रही है या सवारियां ढो रही हैं उनकी भी कभी क्या कोई जांच की गयी है?

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा निवेदन है कि जोबनेर रोड, अजमेर रोड, फुलेरा इत्यादि से मजदूर काफी संख्या में जयपुर आते हैं और जिन प्राइवेट वाहनों पर वो आते हैं वो लटकते हुए आते हैं, गिरते-पड़ते आते हैं, दुर्घटनाएं भी घट जाती हैं। क्या परिवहन विभाग ने इस पर विचार किया है कि वो जो ग्रामीण क्षेत्रों से जिस प्रकार से भारी तादाद में मजदूर आते हैं उनके लिए क्या व्यवस्था की जाये कि सुबह-शाम में वो मजदूर आदमी सुरक्षित आ जा सकें, अपने घर-व्यापार में।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्रीजी।

डॉ. प्रेम चन्द बैरवा (उप मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, यातायात पुलिस के द्वारा जाब्ता लगाया जाकर व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है लेकिन जयपुर शहर में हमारे ई-रिक्शा की बहुत ज्यादा दिक्कत है, इसके लिए हमने जिला कलेक्टर द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने एवं जाम की स्थिति को रोकने हेतु निम्न कदम उठाये हैं।

ई-रिक्शा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु जयपुर को छह जोन में थाना क्षेत्रानुसार एवं क्लस्टर कोड अनुसार विभाजित किया जा चुका है। प्रत्येक जोन में ई-रिक्शा की संख्या भी निर्धारित की जा चुकी है जिसकी अधिसूचना दिनांक 15.10.2024 को जारी की जा चुकी है। ई-रिक्शा के छह जोन विभाजन के नवीन प्रस्ताव के अनुसार पार्किंग एवं चार्जिंग के स्थान को चिंह्ति किया जा चुका है, जिसकी अधिसूचना 16.01.2025 को जारी की जा चुकी है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, ई-रिक्शा को जोनवार आवंटित करने हेतु जिला कलेक्टर के माध्यम से शासन सचिव एवं आयुक्त, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा एप बनाने हेतु दिनांक 28.01.2025 को पत्र भिजवाया जा चुका है। वर्तमान में आदिनांक तक प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर प्रथम एवं द्वितीय में कुल 45500 ई-रिक्शा पंजीकृत है। विभाग द्वारा ऐसे अवैध वाहनों पर दिनांक 01.04.2023 से 31.12.2024 तक की गयी कार्यवाही का विवरण भी मेरे सामने है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, निश्चित रूप से माननीय सदस्य का जो प्रश्न है, वो जाम को लेकर स्थितियां बनी रहती हैं लेकिन सम्बन्धित डिपार्टमेंट्स द्वारा संयुक्त कार्यवाही करके व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने की कार्यवाही कर रहे हैं।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न है। इसके अलावा क्या सरकार शहरी एंट्री पोइंटों पर सुबह-शाम जो जाम रहता है उसके लिए कोई विशेष व्यवस्था है? मैंने सवाल किया था अभी कि जो फुलेरा-जोबनेर और आसपास के गांवों से प्रतिदिन जो मजदूर आते हैं उनके लिए सरकारी कोई बसों की व्यवस्था नहीं है, मैंने इसके लिये भी निवेदन किया है। इनकी व्यवस्था कब तक और कैसे हो पायेगी। मेरा सवाल यह भी था।

श्री अध्यक्ष: हो गया।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): अजमेर रोड पर जो भी दुर्घटना घटी, उस दुर्घटना में जिन लोगों का नुकसान हुआ है, जिन परिवारों का नुकसान हुआ है उन परिवारों को अभी तक कोई मुआवजा या लाभ प्रोपर अभी तक मिल नहीं पाया है। काफी लोग इसके लिये आज भी परेशान हैं।

श्री अध्यक्ष: यह प्रश्न में नहीं है। प्रश्न में जो है वो पूछो।

डॉ. प्रेम चन्द बैरवा (उप मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, बसों की व्यवस्था के लिए हमारे ...(व्यवधान)... शासन विभाग से बसें लगी हुई हैं और वहां से मजदूर आते जाते हैं। दुर्घटना में जिन व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। निश्चित रूप से हमारे यशस्वी मुख्य मंत्रीजी ने इसको गम्भीरता से लेते हुए इस पर कार्यवाही करके निश्चित रूप से मुआवजा दिया जायेगा।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री कालूराम।

डग में मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्य

79. श्री कालूराम (डग): क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे?

(1) विधान सभा क्षेत्र डग में दिनांक 01 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक मनरेगा के सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत श्रेणी के कितने कार्य स्वीकृत किये गये? विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्रीजी, ग्रामीण विकास।

श्री ओटा राम देवासी (राज्य मंत्री, पंचायती राज) (ग्रामीण विकास मंत्री के स्थान पर): विधानसभा क्षेत्र डग में 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत सार्वजनिक श्रेणी के 524 एवं व्यक्तिगत श्रेणी के 490 कार्य स्वीकृत किये गये हैं। विवरण परिशिष्ट-1 एवं 2 पर संलग्न है।

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न।

श्री कालूराम (डग): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहता हूं कि किसी पंचायत में मात्र एक काम स्वीकृत है, किसी पंचायत में मात्र 2 काम स्वीकृत है तो क्या साल भर में एक काम पर पूरी लेबर लग सकती है क्या? किसी गांव में 20 काम स्वीकृत हैं, किसी पंचायत में 2 तो क्या साल भर में पूरी लेबर लग सकती है?

आपने व्यक्तिगत कार्य मात्र 6 पंचायतों में स्वीकृत किये हैं, उनमें से अधिकतर वाटर शेड के 20-20 हजार के काम हैं। व्यक्तिगत काम सारी पंचायतों में 500-500, 400-400 आये हुए हैं, ये क्यों स्वीकृत नहीं किये? किस कर्मचारी, किस अधिकारी की गलती से स्वीकृत नहीं किये गये, इसका जवाब दें, माननीय मंत्रीजी।

श्री ओटा राम देवासी (राज्य मंत्री, पंचायती राज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आज्ञा से यह कहना चाहता हूं कि महात्मा गांधी नरेगा योजना एक ऐसा कानून है जिसमें श्रम रोजगार की गारंटी दी जाती है। इस अधिनियम के कारण और उद्देश्य मजदूरी और रोजगार को बढ़ाना है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपको मैंने बताया कि पहले जैसे भवानीमण्डी और भवानीमण्डी में और पंचायत समिति डग, दोनों पंचायत समितियों में जिस तरह के काम किये गये हैं उसमें मैं विशेष तौर से यह कहना चाहता हूं कि आज की तारीख में सबसे अच्छा काम यदि हो रहा है तो डग विधान सभा क्षेत्र में हो रहा है, इसके लिए मैं माननीय सदस्य को बधाई देना चाहता हूं। सार्वजनिक श्रेणी के 524 काम और व्यक्तिगत श्रेणी के 290 काम जो हो रहे है उसके लिए और इसी तरह आज पूरे जिले में मैं समझता हूं कि 84.79 लाख जॉब कार्ड हैं जिनमें एक्टिव होकर मजदूरी दी जा रही है उसके लिए मैं इनको धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष: श्री हरिसिंह रावत। पूछिये।

देवगढ़ पंचायत समिति के राजकीय विद्यालयों हेतु पुस्तिकाओं की खरीद

80. श्री हरिसिंह रावत (भीम): क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या विधान सभा क्षेत्र भीम की पंचायत समिति देवगढ में राजकीय विद्यालयों हेतु पुस्तिकाएँ खरीदी गयी हैं? यदि हां, तो कब व किन आदेशों एवं नियमों के अन्तर्गत? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त पुस्तकें खरीदने का क्या उद्देश्य था तथा पुस्तकें किस मद से एवं कितनी-कितनी राशि की क्रय की गयी? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या उक्त पुस्तकों के क्रय हेतु पंचायत समिति की साधारण सभा में वित्त समिति द्वारा अनुमोदन किया गया था? यदि हां, तो कब व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार उक्त पुस्तकों को बिना किसी मांग के खरीदने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

पंचायती राज मंत्री (श्री मदन दिलावर): (1) जी हां। दिनांक 16.08.2024 को पुस्तके क्रय की गयी। इस कार्यालय पंचायत समिति देवगढ़ के पत्रांक 680 दिनांक 14.08.2024 के आधार पर राजस्थान लोकउपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2013 के नियम 32 के साथ पठित राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 21) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुस्तके क्रय की गयी।

(2) पंचायत समिति के राजकीय विद्यालयों हेतु नन्हे बच्चों को मोबाईल के दुष्प्रभावों से दूर करने तथा पुस्तकों के प्रति अभिरूचि विकसित करने के लिए एवं नन्हे बच्चों के ज्ञान व मनोरंजन हेतु चित्रात्मक पुस्तके क्रय की गयी। पुस्तके निजी आय से 499590/- रुपये की क्रय की गयी।

(3) जी हां, प्रशासन एवं स्थापना स्थायी समिति की बैठक दिनांक 24.06.2024 के प्रस्ताव संख्या 05 पर अनुमोदन किया गया। वित्त एवं कराधान स्थायी समिति की बैठक दिनांक 20.09.2024 के प्रस्ताव संख्या 101 पर अनुमोदन किया गया है। पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक दिनांक 03.09.2024 के प्रस्ताव संख्या 01 पर अनुमोदन किया गया है।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): माननीय अध्यक्ष महोदय, क्वेश्चन का आंसर आ चुका है। मैं पूरक प्रश्न पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न का उत्तर देना है। ...(व्यवधान)... वो पूछ रहे हैं।

MLS/RTM/07.02.2025/11:30/1d

श्री हरिसिंह रावत (भीम): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं। बताया गया कि साधारण सभा एवं वित्तीय समिति से अनुमोदन किया गया, जबकि उक्त समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर बैठक कार्यवाही के साइड में करवाये गये, जिससे स्पष्ट है कि प्रश्नगत पुस्तकों का विषय सदस्यों के समक्ष रखा ही नहीं गया।

दूसरा, विभाग का आदेश पत्र क्र. दिनांक 23.01.2024 व 29.10.2024 के अनुसार सदस्यों के हस्ताक्षर बैठक कार्यवाही के अन्त में करवाने होते हैं, जो नहीं कराये जाने चाहिये। इसके लिए आप क्या कहना चाहेंगे?

बताया गया कि पुस्तकालय हेतु पुस्तकें खरीदने का प्रावधान है, जबकि जिन विद्यालयों में पुस्तकें उपलब्ध करायी गईं, उन विद्यालयों में ज्यादातर विद्यालयों में पुस्तकालय हैं ही नहीं। फिर स्वीकृति कैसे हुई, कैसे पुस्तकों की आपूर्ति की गयी? साथ ही साथ, आप जिस नियम का हवाला दे रहे हैं, उसमें यह भी आवश्यक है कि क्रय कमेटी का गठन करके विभिन्न एजेंसियों से कोटेशन लेकर ही पुस्तकें क्रय की जा सकती हैं, जबकि इसमें बिना क्रय कमेटी के गठन के पुस्तकें क्रय की गयी हैं और नियमानुसार क्रय की जाने वाली पुस्तकें किसी राज्य अथवा राज्य स्तर से पुरस्कृत होने पर क्रय की जा सकती हैं। उन पुस्तकों में एक भी पुस्तक पुरस्कृत नहीं है।

श्री अध्यक्ष: सब एक साथ मत पूछें, दो-दो करके पूछें।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, मेरे पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मैं कह सकता हूं कि इसमें कोई अनियमितता नहीं हुई है और जिस प्रकार से नियमों में प्रावधान था, उस हिसाब से पुस्तकों को क्रय किया गया है और नियमानुसार क्रय की जा सकती थीं।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे।)

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री गोपीचन्द मीणा।

भू-जल स्तर बढ़ाने की कार्ययोजना

81. श्री गोपीचन्द मीणा (जहाजपुर): क्या भू-जल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) प्रदेश के ग्राउंड वॉटर एसेसमेन्ट की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भू-जल की वर्तमान में क्या स्थिति है? जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) जिला भीलवाड़ा में माह जनवरी, 2019 से 31 दिसम्बर, 2023 में भू-जल स्तर बढ़ाने व वर्षा जल संरक्षण करने के लिये किन-किन योजनाओं के तहत, कितनी-कितनी राशि के, क्या-क्या कार्य, कहां-कहां, किन एजेंसियों के माध्यम से व किन संवेदकों द्वारा कराये गये? उक्त कार्यों के परिणामस्वरूप भू-जल स्तर में कहां-कहां, कितनी-कितनी वृद्धि हुई? विधान सभा क्षेत्रवार विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र जहाजपुर में विगत तीन वर्षो में उक्त योजनाओं के तहत कार्य नहीं कराये गये हैं? यदि हां तो क्यों?

(4) क्या प्रदेश में भू-जल स्तर को बढाने के लिये प्रभावी कार्यवाही एवं मॉनिटरिंग करते

हुए कराये गये कार्यों का सत्यापन कराने की व्यवस्था कायम है? यदि हां तो विवरण सदन की मेज पर रखें।

भू-जल मंत्री (श्री कन्हैयालाल): (1) माननीय अध्यक्ष महोदय, राज्य के भू-जल संसाधनों की नवीनतम आकलन रिपोर्ट वर्ष 2024 के अनुसार राज्य के 295 पंचायत समितियों तथा 7 शहरी क्षेत्रों, कुल 302 इकाइयों का आकलन किया गया था, जिसमें 214 इकाइयां अतिदोहित, 27 इकाईयां संवेदनशील, 21 इकाइयां अर्द्धसंवेदनशील, 37 इकाइयां सुरक्षित तथा 3 इकाइयां लवणीय श्रेणी के अन्तर्गत वर्गीकृत किये गये हैं एवं राज्य की भू-जल दोहन दर 149.86 प्रतिशत रही है। जिलेवार विवरण परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

(2) जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2023 के दौरान जिला भीलवाड़ा में भू-जल स्तर बढाने व वर्षा जल संरक्षण करने के लिए जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से राजीव गांधी जल संचय योजना, मुख्य मंत्री जल स्वावलम्बन योजना, जल शक्ति अभियान व वर्षा जल संग्रहण के तहत फार्म पॉण्ड, जल संरक्षण संरचनाएं, परकोलेशन टैंक, संकन टैक, एनिकट इत्यादि का निर्माण/पुनरुद्धार में विधान सभा क्षेत्रवार व्यय की गयी राशि का विवरण निम्न प्रकार है:-

(i) विधान सभा क्षेत्र आसीन्द में 32.52 लाख रु. की लागत से 31 कार्य,

(ii) विधान सभा क्षेत्र जहाजपुर में 166.24 लाख रु. की लागत से 117 कार्य,

(iii) विधान सभा क्षेत्र माण्डल में 71.12 लाख रु. की लागत से 49 कार्य,

(iv) विधान सभा क्षेत्र माण्डलगढ़ में 60.13 लाख रु. की लागत से 27 कार्य,

(v) विधान सभा क्षेत्र सहाड़ा में 198.06 लाख रु. की लागत से 194 कार्य एवं

(vi) विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा में 158.17 लाख रु. की लागत से 149 कार्य

उक्त योजनाओं के तहत कुल राशि रु. 686.24 लाख के कुल 567 कार्य 40 संवेदकों द्वारा सम्पादित कराये गये हैं। विधान सभा क्षेत्रवार व्यय की गयी राशि का विस्तृत विवरण परिशिष्ट-2 पर संलग्न है।

राज्य में अटल भू-जल योजना 1 अप्रैल 2020 से लागू की गयी है एवं अप्रैल 2020 से 31 दिसम्बर 2023 के दौरान भीलवाड़ा जिले में भू-जल स्तर बढ़ने व वर्षा जल संरक्षण करने के लिए अटल भू-जल योजना के अन्तर्गत चिह्नित शाहपुरा पंचायत समिति के 39 ग्राम पंचायतो में विभिन्न विभागों यथा- कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग पंचायतीराज विभाग, जल संसाधन विभाग एवं जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा फार्म पॉण्ड, जल संरक्षण संरचनाएं, परकोलेशन टैंक इत्यादि का निर्माण जल आपूर्ति आधारित कार्यों के अन्तर्गत तथा मांग आधारित कार्यों के तहत पाइप लाइन बिछवाने एवं मिनीकिटो (कम पानी की आवश्यकता वाले बीजों का किट) के वितरण में वर्षवार करवाये कार्यों में व्यय की गयी राशि का विस्तृत विवरण परिशिष्ट-3 पर संलग्न है तथा व्यय की गयी राशि का वर्षवार विवरण निम्न प्रकार हैः-

वर्ष 2021-22 में 161.77 लाख रुपये

वर्ष 2022-23 में 138.85 लाख रुपये एवं

वर्ष 2023-24 में 1045.35 लाख रुपये।

अटल भू-जल योजना के तहत भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा ब्लॉक में कुल राशि रु. 1345.97 लाख के कार्य सम्पादित करवाये गये हैं।

जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2023 के दौरान भीलवाड़ा जिले के भू-जल परिदृश्य में सुधार को दृष्टिगत रखते हुए वर्षा जल संरक्षण हेतु भू-जल पुनर्भरण के द्वारा प्रचलित तकनीकी उपायों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की कृत्रिम भू-जल संरचनाओं का निर्माण राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जल संचयन योजना, मुख्य मंत्री जल स्वावलम्बन योजना, अटल भू-जल योजनाओं के अन्तर्गत क्रियान्वयन करवाया गया है।

उक्त कार्यों के परिणामस्वरूप जिले की 12 पंचायत समितियों में से 7 पंचायत समितियों (आसीन्द, बिजोलिया, जहाजपुर, कोटड़ी, माण्डलगढ, शाहपुरा, सुवाणा) में औसत भू-जल स्तर में बढोतरी दर्ज की गयी तथा 5 पंचायत समितियों (बनेड़ा, हुरडा, माण्डल, रायपुर, सहाडा) में औसत भू-जल स्तर में गिरावट दर्ज की गयी है, जिसका विवरण परिशिष्ट-4 पर संलग्न है।

भू-जल विभाग द्वारा भू-जल संसाधनों का आकलन पंचायत समितिवार (ब्लॉक/शहरी भू-जल आकलन इकाई) किया जाता है, न कि विधान सभा क्षेत्रवार। नवीनतम भू-जल आकलन रिपोर्ट 31.03.2024 के अनुसार जिले की भू-जल दोहन की दर 156.67 प्रतिशत है एवं भीलवाड़ा जिले की सभी पंचायत समितियां (12) अतिदोहित श्रेणी के अन्तर्गत वर्गीकृत हैं।

(3) जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा विधान सभा क्षेत्र जहाजपुर में भू-जल स्तर सुधारने के लिए विगत 5 वर्षों के दौरान राजीव गांधी जल संचयन फेज प्रथम योजना के तहत राशि 166.24 लाख रुपये की लागत के कुल 117 कार्य करवाये गये हैं, जिसकी सूची परिशिष्ट-5 पर संलग्न है।

(4) जी हां, भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्यवाही एवं मॉनिटरिंग के लिए कराये गये समस्त कार्यों का सत्यापन विभागीय नॉर्म्स के अनुसार किया जाता है।

श्री अध्यक्ष: पूरक प्रश्न।

श्री गोपीचन्द मीणा (जहाजपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से भीलवाड़ा को ओवर एक्सप्लॉइटेड कैटेगरी से बाहर निकालने हेतु भू-जल क्षेत्र में अधिक से अधिक कार्य स्वीकृत करने की मांग करता हूं। मैं माननीय मंत्री महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूं कि...

श्री अध्यक्ष: प्रश्न पूछें।

श्री गोपीचन्द मीणा (जहाजपुर): मेरे भीलवाड़ा जिले में 5 पंचायत समितियों का वॉटर लेवल कम है, बनेड़ा, हुरड़ा, माण्डल, रायपुर और सहाड़ा। क्या माननीय मंत्री जी इनमें काम कराने का विचार रखते हैं? साथ में मेरा दूसरा प्रश्न है, इन्होंने एक वर्ष में हमारी राजस्थान सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी के नेतृत्व में विकास कार्य कराये हैं आसीन्द,

बिजोलिया, जहाजपुर, कोटड़ी, माण्डलगढ़, शाहपुरा, सुवाणा, इन सात पंचायत समितियों का भू-जल स्तर बढ़ा है। मैं मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। क्या आप शेष पंचायत समितियों में जल स्तर बढ़ाने के लिए कार्य कराएंगे?

श्री कन्हैयालाल (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, वास्तव में जिस तरह से पूरे राजस्थान में भू-जल स्तर गिरता जा रहा है, देश के यशस्वी प्रधान मंत्री मोदी जी ने पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से अटल भू-जल योजना चालू की है। उसमें भीलवाड़ा जिले में जहाजपुर नहीं था। राजस्थान में जितना हमारा रीचार्ज था, उससे 150 परसेंट ज्यादा दोहन हो रहा है। इसके लिए हमने पूरे राज्य के हर ब्लॉक को इसमें जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार से निवेदन किया। वहां से परमिशन आने के बाद हम जहाजपुर को भी जोड़ेंगे। इसके साथ-साथ, भू-संरक्षण की यहां जो-जो भी योजनाएं हैं, जो भी माननीय सदस्य देंगे, भू-जल संरक्षण कृषि विभाग के अन्तर्गत आता है, बाकी उनसे निवेदन करके इनका काम कराया जायेगा।

श्री गोपीचन्द मीणा (जहाजपुर): माननीय मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे।)

प्रश्न संख्या : 82

श्री अध्यक्ष: श्री सुरेश गुर्जर।

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

श्री कालीचरण सराफ।

सहकारी समितियों में हुए गबन पर कार्यवाही

83. श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): क्या सहकारिता राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ है? यदि हां तो प्रदेश के किस-किस क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में, कितनी-कितनी राशि का गबन हुआ? विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त घोटालों में कौन-कौन अधिकारी दोषी हैं तथा सरकार द्वारा उक्त के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी? विवरण सदन की मेज पर रखें।

राज्य मंत्री, सहकारिता (श्री गोतम कुमार): (1) पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में राज्य की क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में हुए निर्णीत/कथित गबन व अनियमितता के प्रकरणों का विवरण परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

(2) उक्त घोटालों में दोषी पाये गये अधिकारियों/कार्मिकों/फर्म के विरुद्ध विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही का विवरण परिशिष्ट-1 पर संलग्न है।

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को इस बात के लिए तो बधाई देना चाहूंगा कि आपने कांग्रेस के राज में जो 5 साल में आपके विभाग में भ्रष्टाचार हुए, उनकी जांच करवायी और उन्हें दण्डित कराने का काम आप कर रहे

हैं। अब मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं कि आपने एक साल के कार्यकाल में कितने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जांच करवायी है और कितने लोगों को आपने जांच में दोषी पाया है?

श्री गोतम कुमार (राज्य मंत्री, सहकारिता): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह जानकारी देना चाहूंगा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरा टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। हम संवेदनशील रहते हुए पारदर्शी तरीके से कार्य करने में विश्वास रखते हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा कि विभाग में पिछले एक साल में कई गम्भीर शिकायतों, अनियमितताओं और गम्भीर प्रकरणों में पिछले साल जनवरी में लगभग 792 प्रकरण विचाराधीन थे, जिनमें धारा 55 के 242, धारा 57(1) के 318 एवं धारा 57(2) के लगभग 232 प्रकरण शामिल थे। हमने इन सभी लम्बित प्रकरणों की गम्भीरता को देखते हुए कार्यों की प्राथमिकता में शामिल किया एवं विभागीय स्तर पर कार्य योजना तैयार की गयी और इसमें गति लाकर 31 जनवरी, 2025 तक हमने 519 प्रकरणों का निस्तारण कर दिया है।

अब वर्तमान में 273 प्रकरण ही बाकी रहे हैं। विभाग के संज्ञान में जो भी गम्भीर प्रकरण लाये गये और जिन दोषी अधिकारियों की मिलीभगत थी, ऐसे प्रकरणों में हमने अभियोजन की स्वीकृति भी दे दी है। 6 प्रकरणों में 11 अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को प्रारम्भिक अन्वेषण हेतु अनुमति भी 17(ए) में हमने प्रदान की है। 10 लापरवाह अधिकारियों/कर्मचारियों को हमने निलम्बित भी किया है। 43 अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध 16 सीसीए के अन्तर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है एवं 7 अधिकारियों के विरुद्ध 17 सीसीए में नोटिस देकर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

जिन क्रय-विक्रय समितियों में घोटालों अथवा गबन की शिकायतें मिली हैं, उन कर्मचारियों के विरुद्ध पुलिस में एफआईआर भी दर्ज करवायी गयी है। यही नहीं, विभाग में शिकायतें प्राप्त होने पर उनकी गम्भीरता देखते हुए राज्य स्तर पर एक टीम गठित कर उनकी जांच करवायी जा रही है।

mkd/rtm/07.02.2025/11:40/1e

श्री कालीचरण सराफ (मालवीय नगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि 24 करोड़ की रुपये की फसलें, जो ये 37 अफसर डकार गये, उनमें से कई अफसरों को फील्ड पोस्टिंग दी हुई है। जैसे मुरली मनोहर अभी फलौदी में, अतिरिक्त रजिस्ट्रार ने जांच करवाई थी, लेकिन वसूली नहीं हो पाई। मुरली मनोहर अभी भी उप रजिस्ट्रार कार्यालय में लगे हुए हैं। इसी प्रकार से जैतारण में 2019-20 में समर्थन मूल्य पर खरीद हुई, ठेका फर्म मुख्य व्यवस्थापक बाबूराम चौधरी खरीद केन्द्र के प्रभारी मोहन लाल कुमावत ने 3 करोड़ 90 लाख का माल खुर्द-बुर्द कर दिया। बाबूराम वर्तमान में लेखा परीक्षक, सहकारी समिति जालोर में लगे हैं तो मेरा आपसे पूछना है कि जो घोटालों में शामिल थे, ऐसे अफसरों को

क्या फील्ड पोस्टिंग आपने दे रखी है? दे रखी है तो उनको कब तक हटायेंगे? और नहीं दे रखी तो बहुत-बहुत बधाई।

श्री गोतम कुमार (राज्य मंत्री, सहकारिता): माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ कर्मचारियों के बारे में, मुरली मनोहर व्यास और बाबूराम चौधरी, मोहन लाल कुमावत के बारे में बताया कि इनको फील्ड पोस्टिंग है। इनमें से मुरली मनोहर व्यास जो हैं, वे नॉन फील्ड पोस्टिंग हैं और ऐसे ही बाबूराम चौधरी जो हैं, वे विशेष लेखा में हैं तो इनको किसी भी संस्था की विशेष जिम्मेदारी नहीं दे रखी है। हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है और जो भी अधिकारी, कर्मचारी इन कार्यों में संलिप्त हैं, उनके खिलाफ जांच करवाई जा रही है, दोषी पाये जाने पर एफआइआर भी दर्ज करवाई जा रही है। अगर किसी अधिकारी, उच्चाधिकारी का पदस्थापन है तो उनकी जानकारी आप संज्ञान में लायेंगे तो हम नियमानुसार परीक्षण करके, कार्यवाही करके उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करेंगे।

श्री अध्यक्ष: श्री गोपाल शर्मा।

सिविल लाईन्स में प्रधान मंत्री शहरी आवास योजना के तहत आवासों का निर्माण

84. श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): क्या स्वायत्त शासन राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत विधान सभा क्षेत्र सिविल लाइंस में माह दिसम्बर, 2024 तक कितने आवेदन प्राप्त हुए? उक्त में से कितने आवेदन स्वीकृत किए गए, कुल कितने आवासों का निर्माण हो चुका है तथा कितने निर्माणाधीन हैं? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में उक्त योजना के लाभार्थियों का संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) जयपुर शहर में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत माह दिसम्बर, 2024 तक कुल कितने आवासों का निर्माण हो चुका है तथा कितने आवास निर्माणाधीन हैं? वार्डवार एवं विधान सभा क्षेत्रवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

राज्य मंत्री, स्वायत्त शासन (श्री झाबर सिंह खर्रा): (1) जी हां। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में दिसम्बर 2024 तक कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 10 पात्र आवेदन भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किये गये हैं।

इनमें से 3 आवासों का निर्माण हो चुका है और 7 आवास निर्माणाधीन है, जिनका विवरण परिशिष्ट-अ पर संलग्न है।

(2) उक्त योजना के लाभार्थियों का विवरण परिशिष्ट-ब पर संलग्न है।

(3) जयपुर शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत दिसम्बर 2024 तक कुल 183 आवासों का निर्माण हो चुका है तथा 53 आवास निर्माणाधीन हैं।

विधानसभा क्षेत्र तथा वार्ड नम्बर सहित संख्यात्मक विवरण परिशिष्ट - स पर संलग्न है।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): आदरणीय मंत्री महोदय, मैं आपसे जानना चाहता हूं, एक प्रश्न तो यह कि क्या प्रधान मंत्री आवास योजना को जनता तक नहीं पहुंचने देने के लिए कांग्रेस के शासन में कोई षड्यंत्र हुआ और दूसरा सवाल यह है कि प्रधान मंत्री आवास योजना-1, जो 2023 तक चली और आवास योजना-2 जो 2024 से शुरू हुई, इसके अन्दर कोई अन्तर तो नहीं है?

प्रधान मंत्री जी की नीतियों को लागू करने के लिए कांग्रेस ने जो षड्यंत्र रचा, क्या उसकी जांच करवाने की कोशिश की जायेगी? मैं मंत्री महोदय से इन दो प्रश्नों के जवाब चाहता हूं।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारे एससी के उप मुख्य मंत्री जी को देखकर, जो बार-बार लूली लंगड़ी सरकार कहा जा रहा है, उस पर हमको घोर आपत्ति है, घोर आपत्ति है।

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

श्री झाबर सिंह खर्रा (राज्य मंत्री, नगरीय विकास): माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री आवास योजना का प्रथम चरण मय राजस्थान में कुल 2 लाख 88 हजार 550 प्रधान मंत्री आवास स्वीकृत किये गये थे, जिनमें से 1 लाख 96 हजार 700 आवास ही अब तक पूर्ण हो पाये हैं, 73 हजार 603 आवास अभी निर्माणाधीन हैं।

प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0, जो अभी शुरू हुई है, उसमें योजना के तहत 23 हजार 882 नवीन आवासों का प्रस्ताव भारत सरकार के अनुमोदन हेतु प्रक्रियाधीन है। इसके तहत राज्य सरकार द्वारा राशि रुपये 283.82 करोड़ का अंशदान आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थी को योजनावधि में दिया जायेगा।

गत माह सितम्बर, 2024 में प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 लागू की गई है, जो कि वर्ष 2029 तक क्रियान्वित की जायेगी। योजना के तहत केन्द्र सरकार द्वारा राशि रुपये 1.50 लाख एवं राज्य सरकार द्वारा राशि रुपये 1.00 लाख कुल राशि 2.50 लाख का अनुदान देय है।

इसके अलावा मैं आपको निवेदन करना चाहूंगा कि 2023-24 में 42 हजार 281 आवास स्वीकृत हुए थे, जिनमें से मात्र 10 हजार 545 आवास पूर्ण हुए हैं। 2022-23 में 89 हजार 165 आवास स्वीकृत हुए थे, जिनमें से केवल मात्र 20 हजार 178 आवास पूर्ण हो पाये हैं। 2021-22 में 33 हजार 531 आवास स्वीकृत हुए थे, जिनके एवज में गत वर्ष का मिलाकर 32 हजार 913 आवास पूर्ण हुए हैं और 2019-20 में 27 हजार 601 आवास स्वीकृत हुए थे। इस प्रकार 2 लाख 88 हजार 550 में से अब तक 1 लाख 96 हजार 700 आवास पूर्ण हुए हैं और 73 हजार 603 आवास आज की तारीख में निर्माणाधीन हैं।

साथ ही, मैं माननीय विधायक महोदय को बताना चाहूंगा कि सिविल लाइंस क्षेत्र के वार्ड नम्बर 31 में 3 आवास अब तक पूर्ण हो चुके हैं और 6 आवास निर्माणाधीन हैं और उनके वार्ड नम्बर 42 में 1 आवास निर्माणाधीन है।

हवामहल के वार्ड नम्बर 8 में 1 आवास पूर्ण हुआ है। वार्ड नम्बर 13 में 5 आवास पूर्ण

हो गये, 4 निर्माणाधीन हैं और वार्ड नम्बर 14 में 21 आवास पूर्ण हो गये हैं, 3 आवास निर्माणाधीन हैं।

सांगानेर में वार्ड नम्बर 89 में 6 आवास पूर्ण हो गये हैं, वार्ड नम्बर 91 में 1 आवास पूर्ण हो गया, 108 में 7 आवास पूर्ण हो गये, 111 में 1 आवास पूर्ण हो गया, 113 में 1 आवास पूर्ण हो गया और वार्ड नम्बर 83 में 1 पूर्ण हो गया, 1 बकाया है, जो निर्माणाधीन है।

मालवीय नगर में 118 नम्बर वार्ड में 1 आवास पूर्ण हुआ है और 124 में 9 आवास पूर्ण हुए हैं, 145 में 11 आवास पूर्ण हुए हैं। झोटवाड़ा में 58 नम्बर में 40 आवास पूर्ण हुए हैं और 62 नम्बर वार्ड में 61 आवास पूर्ण हो गये, 5 निर्माणाधीन हैं।

विद्याधर नगर में वार्ड नम्बर 1 में 13 आवास पूर्ण हो गये, 5 नम्बर वार्ड में 1 आवास पूर्ण हो गया। आमेर में 3 नम्बर वार्ड में 15 आवास निर्माणाधीन हैं और आदर्श नगर में 18 आवास निर्माणाधीन हैं। इस प्रकार जयपुर शहर में कुल 183 आवास अब तक पूर्ण हो चुके हैं और 53 आवास निर्माणाधीन हैं।

गत शासन में जो आवास स्वीकृत हुए 2 लाख 88 हजार 550 और 1 लाख 96 हजार 700 ही पूर्ण हुए हैं, 73 हजार 603 निर्माणाधीन हैं।

Bhs/Rtm/07.02.25/11.50/1f

उसके बारे में मैंने अधिकारियों को निर्देशित कर दिया है कि वो इन आवासों को भी जल्दी से जल्दी पूर्ण करवाने की कार्यवाही शुरू करें।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रश्न संख्या : 85

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। श्री मनोज कुमार (सुजानगढ़)।

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

प्रश्न संख्या : 86

श्री घनश्याम।

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

श्री ललित मीना।

राजकीय विद्यालयों में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय खोलने की योजना

87. श्री ललित मीना (किशनगंज): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

क्या यह सही है कि प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय कम होने के कारण ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों में अत्यधिक शुल्क देकर अध्ययन करना पड़ रहा है? यदि हां, तो क्या सरकार ग्रामीण अंचल के विद्यालयों में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय खोलने तथा अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? विवरण सदन की मेज पर रखें।

शिक्षा मंत्री (श्री मदन दिलावर): (1) जी हां। राज्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत होने पर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति (एसडीएमसी) की अभिशंसा एवं विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार निदेशालय, माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर से प्राप्त प्रस्तावानुसार एक संकाय प्रारम्भ किया जाता है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रथम संकाय प्रारम्भ होने के पश्चात विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के नामांकन एवं बजट प्रावधान उपलब्ध होने पर अतिरिक्त संकाय स्वीकृत किया जाता है।

राज्य की 11304 ग्राम पंचायतों में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में, सभी में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय संचालित नहीं है। ग्रामीण अंचल में 2394 निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान एवं 1189 निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वाणिज्य संकाय संचालित है। इस प्रकार ऐसा लगता है कि स्थानीय स्तर पर विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय का निजी विद्यालय होने पर विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं।

प्रदेश के ग्रामीण अंचल में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के संचालित विद्यालयों का जिलेवार विवरण परिशिष्ट क पर एवं विगत 05 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में नवीन स्वीकृत किये गये विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय का सत्रवार एवं जिलेवार विवरण परिशिष्ट ख पर संलग्न है।

प्रदेश में संचालित राजकीय विद्यालयों के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में व्याख्याताओं के रिक्त पदों को भरने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा प्राध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 अन्तर्गत कुल विज्ञापित 6000 पदों के विरुद्ध 5583 प्राध्यापकों के नियुक्ति आदेश जारी किये जा चुके है जिनमें से विज्ञान के 419 एवं वाणिज्य के 130 प्राध्यापक है।

इसके अतिरिक्त राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा प्राध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2024 के विज्ञापित कुल 2202 पदों में से विज्ञान के 403 एवं वाणिज्य के 340 पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

विभाग स्तर पर स्कूल व्याख्याता की वर्ष 2021-22, 2022-23 की डीपीसी दिसम्बर 2024 में आयोजित की गई। इसमें चयनित कुल 10515 प्राध्यापकों, जिनमें 1923 व्याख्याता विज्ञान के हैं, उनके पदस्थापन हेतु ऑनलाईन कांउसलिंग का कार्य वर्तमान में प्रक्रियाधीन है एवं वर्ष 2023-24 व 2024-25 की डीपीसी उपरान्त चयनित कार्मिक उपलब्ध होने पर नियमानुसार पदस्थापन की कार्यवाही की जा सकेगी।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य।

श्री ललित मीना (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, पहला पूरक प्रश्न मैं माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि आजकल जो हमारे विज्ञान के युग में गरीब छात्रों को कला वर्ग के लिए मजबूर होना पड़ता है, फीस नहीं मिल पाती है जो निजी विद्यालय हैं उनमें विज्ञान वर्ग की फीस बहुत होने के कारण गरीब छात्र एडमिशन नहीं ले पाते हैं तो मेरा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से, सरकार से निवेदन है कि क्या सरकार

आने वाले समय में टी.एस.पी. सहरिया क्षेत्र डूंगरपुर, बांसवाड़ा, किशनगंज, शाहबाद जैसे ट्राइबल एरिया में विज्ञान और वाणिज्य वर्ग के विद्यालयों की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है? और 2024-25 में जिस प्रकार विज्ञान और कामर्स की संकाय नहीं खुली तो इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में आप संकाय खोलने का विचार रखते हैं क्या?

श्री अध्यक्ष: हो गया, बैठिये। माननीय मंत्री जी।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने नवीन संकाय खोलने की बात की है। मैंने पहले ही बताया है कि विद्यालय में पहले एक संकाय खोला जाता है फिर प्रति वर्ष उसको क्रमोन्नत किया जाता है और वहां विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर भी हम यह तय करते हैं कि दूसरा संकाय खोलना चाहिये कि नहीं चाहिये उसके आधार पर हम तय करते हैं। आपको एक जानकारी दे दूं कि कांग्रेस के राज में सरकारी कर्मचारी/अधिकारियों की पदोन्नति को रोक कर रखा। पांच साल तक उनकी पदोन्नति नहीं की गई। कई बार कर्मचारी/अधिकारी इनके सामने गिड़गिड़ाते रहे लेकिन किसी की भी पदोन्नति नहीं होने दी। शिक्षा विभाग का कार्यभार सम्भालने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने अधिकारियों की भी पदोन्नति की, प्रिंसिपल की भी पदोन्नति की, हमने लैक्चरर्स की भी पदोन्नति की, सेकंड ग्रेड की भी पदोन्नति की और थर्ड ग्रेड की भी पदोन्नति करने की हम तैयारी कर रहे हैं पर आपको यह जानकारी करके दुख होगा कि जो इन्होंने विद्यालय खोले थे इनके शासन में एक में भी साइंस सब्जेक्ट नहीं खोला। सारे आर्ट्स के विद्यालय बनाये इसके कारण से हमारे छात्र साइंस पढ़ने से वंचित रह गये हैं। यह इन्होंने बहुत ही अन्याय राजस्थान के छात्रों के साथ किया है। हम गुणावगुण के आधार पर जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा है कि हमारे संकाय खोलोगे क्या तो हम गुणावगुण के आधार पर निर्णय करेंगे और यदि उसके आधार पर उचित होता है तो खोलने का हमारा प्रयास रहेगा।

श्री ललित मीना (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, दूसरा पूरक प्रश्न।

प्रश्न संख्या : 88

(कृपया आगे देखें।)

प्रश्न संख्या : 89

(कृपया आगे देखें।)

श्री अध्यक्ष: श्री केसाराम चौधरी।

पाली जिले में पंजीकृत विशेष योग्यजन

90. श्री केसाराम चौधरी (मारवाड़ जंक्शन): क्या सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) जिला पाली में विशेष योग्यजनों की संख्या कितनी है तथा उक्त में से कितनों को पेंशन स्वीकृत की जा चुकी है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) सरकार द्वारा विशेष योग्यजनों को क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं?

विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) जिला पाली के कितने विशेष योग्यजनों को स्कूटी से लाभान्वित किया जा चुका है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(4) क्या सरकार स्कूटी से वंचित विशेष योग्यजनों को स्कूटी देने का विचार रखती हैं? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों?

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (श्री अविनाश गहलोत): माननीय अध्यक्ष महोदय,

(1) विशेष योग्यजनों द्वारा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र (यू.डी.आई.डी कार्ड) हेतु स्वावलम्बन पोर्टल पर आवेदन किया जाता है, उनमें से पात्रता अनुसार विशेष योग्यजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यू.डी.आई.डी कार्ड) जारी किये गये है। भारत सरकार के स्वावलम्बन पोर्टल दिनांक 31.01.2025 के अनुसार पाली जिले में जारी दिव्यांगता प्रमाण- पत्र की संख्या 22,024 है।

विशेष योग्यजनों को नियमानुसार एवं पात्रतानुसार पेंशन का लाभ मिल रहा है। राजएसएसपी पोर्टल पर दिनांक 31.01.2025 के अनुसार पाली जिले मे विशेष योग्यजन पेंशनर्स की कुल संख्या 18,209 है।

(2) विशेष योग्यजनों को पात्रता के आधार में निम्न सुविधाओं से लाभान्वित किया जा रहा हैः-

1. विशेष योग्यजन चिन्हिकरण योजना।

2. विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना।

3. मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार योजना।

4. सुखद दाम्पत्य जीवन योजना।

5. संयुक्त सहायता योजना।

6. बजट प्रावधानुसार स्कूटी वितरण योजना।

7. विशेष योग्यजन छात्रवृति योजना।

8. विशेष योग्यजन पेंशनधारी को स्वयं का व्यवसाय आरम्भ करने हेतु एकमुश्त पेंशन योजना।

9. आस्था योजना।

10. विशेष योग्यजन राज्य स्तरीय पुरस्कार योजना।

11. पोलियो करैक्शन कैम्प।

12. विशेष योग्यजनों के लिये स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण योजना।

13. विशेष योग्यजन खेलकूद योजना।

14. अधिक सहारे की आवश्यकता वाले विशेष योग्यजनों के लिये पेंशन राशि के अतिरिक्त मासिक आर्थिक सहायता योजना।

(3) जिला पाली में विगत 04 वर्षों में स्कूटी वितरित निम्नानुसार हैः-

1. वर्ष 2021-22-लाभान्वित संख्या-34

2. वर्ष 2022-23-लाभान्वित संख्या-167

3. वर्ष 2023-24-लाभान्वित संख्या-149

4. वर्ष 2024-25-लाभान्वित संख्या-65

इस प्रकार जिला पाली में विगत 04 वर्षों में कुल 415 विशेष योग्यजनों को स्कूटी वितरित कर लाभान्वित किया गया है।

(4) निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा बजट घोषणाओं के अन्तर्गत स्कूटी वितरण की गई थी।

बजट घोषणा में दिये गये लक्ष्य पूर्ण हो चुके है। शेष रहे दिव्यांग आवेदकों को स्कूटी उपलब्ध करवाने के प्रस्ताव गुणावगुण पर परीक्षण कर वित्तीय स्रोत की उपलब्धता के आधार पर निर्णय लिया जाता है।

श्री केसाराम चौधरी (मारवाड़ जंक्शन): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने दिव्यांगजनों को पाली जिले में 65 स्कूटी देकर के लाभान्वित किया है इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने जो बजट में घोषणा की, उनकी पूर्ति करके जो लक्ष्य प्राप्त किया है, दिव्यांगजनों के प्रति माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो अपनी भावना व्यक्त की है और बजट के अनुसार सारी स्कूटियां देकर के आपने जो लाभान्वित किया है उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द। जय भारत।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अविनाश गहलोत (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से प्रधान मंत्री मोदी जी का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने दिव्यांगता की श्रेणी को 7 से बढ़ा कर 21 किया और मैं प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने दिव्यांगजनों के सामाजिक सम्बल, आर्थिक सम्बल को देखते हुए विभिन्न प्रकार की योजनाओं को राजस्थान में लागू किया है। पहली बार हम लोगों ने देखा है कि राजस्थान में मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी से पीड़ित व्यक्तियों को जो चल-फिर नहीं सकते को एक लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक व्हील चैयर देने का काम किया है और यह मुख्य मंत्री जी के विशेष प्रयासों से पहली बार हुआ है। इसके साथ ही जो दिव्यांगजन हैं उनको राजस्थान में पहली बार पचास हजार दिव्यांग व्यक्तियों को बीस हजार रुपये के उपकरण देने का काम हमारी सरकार ने किया है।

Kas/rtm/07.02.2025/12.00/1g

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों सदन कूप में नारे।)

श्री अध्यक्ष: प्रश्नकाल समाप्त। मेरा आपसे निवेदन हैं कि अपनी-अपनी सीटों पर चले जाएं, सीटों पर जाएं।

स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है :-

1. श्री गणेशराज बंसल, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र हनुमानगढ़ में बदहाल विद्युत व्यवस्था से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

2. श्री गणेश घोगरा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र डूँगरपुर के राजकीय महाविद्यालयों में रिक्त पदों को भरने के संबंध में।

3. श्री अमित चाचाण, सदस्य की ओर से हनुमानगढ़ तथा श्रीगंगानगर जिले में नशे के कारोबार पर रोक नहीं लगाये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

4. श्री उमेश मीणा, सदस्य की ओर से डूँगरपुर जिले में संचालित माँ-बाड़ी केन्द्रों पर खाद्य सामग्री की आपूर्ति नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

5. श्री रफीक खान, सदस्य की ओर से कानोता थाना क्षेत्र के भटेसरी गांव के पास महिला का जला हुआ शव मिलने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

6. श्री थावर चन्द, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र धरियावद ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से निवासरत आदिवासी समुदाय को वन विभाग द्वारा जबरन बेदखल किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

7. श्री हरिमोहन शर्मा, सदस्य की ओर से राज्य सरकार द्वारा मंत्री एवं विधायकों के फोन टेप किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

कृपया अपनी-अपनी सीटों पर चले जाएं, स्थगन आपके हैं।

8. डॉ. ऋतु बनावत, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बयाना में अतिवृष्टि से खराब हुई फसल का मुआवजा नहीं दिये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

9. श्री पितराम सिंह काला, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र पिलानी मुख्यालय पर उपखण्ड अधिकारी कार्यालय खोले जाने के संबंध में।

10. श्री चेतन पटेल कोलाना, सदस्य की ओर से कोटा-मुम्बई 8 लेन हाईवे के निर्माण के कारण पीपल्दा विधान सभा क्षेत्र की क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

11. श्री रविन्द्र सिंह भाटी, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र शिव में नवक्रमोन्नत विद्यालयों का समायोजन किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

12. श्री पूसाराम गोदारा, सदस्य की ओर से प्रदेश की पुलिस को पर्याप्त संसाधनों के अभाव में अपराधों पर रोक लगाने में हो रही समस्या से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

13. डॉ. सुभाष गर्ग, सदस्य की ओर से यमुना जल समझौता वर्ष 1994 के अनुरूप भरतपुर को पानी नहीं मिलने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

उपरोक्त प्रस्ताव ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये, अतः इन पर अनुमति देने में असमर्थ हूँ।

मैं आपसे अपील कर रहा हूं, व्यवस्था तक शांत रहें।

14. श्री डूंगरराम गेदर, सदस्य की ओर से श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर,जैसलमेर आदि जिलों में सिंचाई हेतु पानी नहीं मिलने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

15. श्री नरेन्द्र बुडानियां, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र तारानगर में सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

16. श्री मनीष यादव, सदस्य की ओर से प्रदेश में सब्जियों तथा फलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

17. श्री जयकृष्ण पटेल, सदस्य की ओर से प्रदेश में जनजाति क्षेत्र के निवासियों के लिए चिकित्सा क्षेत्र में आरक्षण एवं छात्रवृत्ति नहीं मिलने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे नहीं है कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये। अतः अनुमति देने में असमर्थ हूं। फिर भी माननीय सदस्य श्री डूंगरराम गेदर, श्री नरेन्द्र बुडानियां, श्री मनीष यादव एवं श्री जयकृष्ण पटेल को उनके प्रस्ताव की विषयवस्तु पर दो-दो मिनिट बोलने की अनुमति होगी।

नियम 295 के अंतर्गत विशेष उल्लेख की सूचनाएं

1. श्री सुखवंत सिंह, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र रामगढ़ के नौगावां एवं मुबारिकपुर के मध्य शटल बस सेवा बहाल किये जाने के संबंध में।

2. श्री अनिल कुमार शर्मा, सदस्य की ओर से पंजीकृत गौशालाओं में टैग के अभाव में आ रही परेशानी के संबंध में।

3. श्री गणेशराज बंसल, सदस्य की ओर से अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची की समीक्षा नहीं किये जाने से आमजन को हो रही परेशानी के संबंध में।

4. श्री ललित मीना, सदस्य की ओर से बारां जिले में अवैध बजरी खनन पर रोक लगाये जाने के संबंध में।

5. श्री चन्द्रभान सिंह चौहान, सदस्य की ओर से चित्तौड़गढ़ जिले में अफीम उत्पादक किसानों से की जा रही अवैध वसूली के संबंध में।

6. श्री अरूण चौधरी, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र पचपदरा में जोधपुर एवं पाली की औद्योगिक इकाईयों से आने वाले प्रदूषित पानी की रोकथाम किये जाने संबंध में।

7. श्री कंवरलाल, सदस्य की ओर से प्रदेश में कार्यरत योग प्रशिक्षकों के मानदेय में वृद्धि के संबंध में।

आप अपनी सीटों पर चले जाएं, मुझे अगली कार्यवाही करने के लिये मजबूर ना करें।

8. श्री समाराम, सदस्य की ओर से कडाना बाँध के अतिरिक्त जल से सिरोही जिले की पेयजल एवं सिंचाई की समस्या का समाधान किये जाने के संबंध में।

9. श्री धर्मपाल, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र खेतड़ी में पेयजल की किल्लत से आमजन को हो रही समस्या के संबंध में।

10. श्री थावर चन्द, सदस्य की ओर से आदिवासी क्षेत्रों में संचालित मां बाडी शिक्षा केन्द्रों पर कार्यरत शिक्षा सहयोगियों के स्थायीकरण एवं मानदेय में बढ़ोतरी किये जाने के संबंध में।

11. डॉ. सुभाष गर्ग, सदस्य की ओर से भरतपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ में हो रही अनियमितताओं के संबंध में।

12. श्री चुन्नीलाल सी.एल. प्रेमी बैरवा, सदस्य की ओर से पंचायतीराज संस्थाओं में तीसरी संतान संबंधी नियमों में संशोधन तथा जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों को विकास हेतु पृथक से बजट आवंटित करने के संबंध में।

13. डॉ. शैलेश सिंह, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र डीग में अतिवृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाये जाने के संबंध में।

14. श्री छोटूसिंह, सदस्य की ओर से जैसलमेर जिले के उपनिवेशन क्षेत्र का सर्वे कराए जाने के संबंध में।

15. श्री विक्रम सिंह जाखल, सदस्य की ओर से बद्रीदास चौधरी गोयनका चैरीटेबल ट्रस्ट नवलगढ़ की भूमि के अवैध बेचान के संबंध में।

16. श्री जब्बर सिंह सांखला, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र आसीन्द में बदनोर से बैराठ माताजी मन्दिर तक सड़क निर्माण के संबंध में।

17. श्री हाकम अली खां, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर में आवारा पशुओं से आमजन को हो रही परेशानी के संबंध में।

18. श्रीमती अनिता भदेल, सदस्य की ओर से विधि विज्ञान प्रयोगशाला अजमेर में भौतिक अनुभाग प्रारम्भ किये जाने के संबंध में।

19. श्री शंकरलाल डेचा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र सागवाड़ा में सागवाडा-गौरेश्वर-भेमई-लिखतीया-दरीयाटी सड़क का निर्माण पूर्ण किये जाने के संबंध में।

20. श्री भगवाना राम सैनी, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र उदयपुरवाटी की पेयजल समस्या के समाधान के संबंध में।

माननीय सदस्यों के द्वारा दी गयी सूचना पढ़ी हुई मानी जायेगी।

पर्ची

आज दिनांक 07.02.2025 को शून्यकाल में बोलने हेतु 42 पर्चियां प्राप्त हुईं, जिनमें से शलाका द्वारा 4 पर्चियां चयनित की गईं, जो निम्नानुसार हैं:-

क्र.स.	पर्ची सं.	माननीय सदस्य का नाम	
1.	32	श्री घनश्याम	टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने

			पर मादक पदार्थों की अनाधिकृत विक्री से बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं नौजवानों में नशे की लत में वृद्धि के संबंध में।
2.	2	श्री संजय कुमार	जिला धौलपुर के क्षेत्रीय वन कार्यालय में कार्यरत वन रक्षक द्वारा किए गए वित्तीय गबन के संबंध में।
3.	4	श्री फूल सिंह मीणा	उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन में अनियमितता के संबंध में ।
4.	11	श्री गोरधन	धोद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नानी में सीकर शहर से आने वाले दूषित जल से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

श्री डूंगरराम गेदर। (सदन कूप में होने के कारण बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।)

श्री नरेन्द्र बुडानियां। (सदन कूप में होने के कारण बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।)

श्री मनीष यादव। (सदन कूप में होने के कारण बोलने के लिए खड़े नहीं हुए।)

श्री जयकृष्ण पटेल।

स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

जनजाति क्षेत्र के निवासियों हेतु आरक्षण व छात्रवृत्ति के अभाव से उत्पन्न समस्याएं

श्री जयकृष्ण पटेल (बागीदोरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे आपने बोलने का मौका दिया उसके लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित क्षेत्र के निवासियों के सन्दर्भ में मैं आपके समक्ष मेरी बात रखना चाहूंगा। अनुसूचित क्षेत्र के लिये संविधान में विशेष प्रावधान रखे गये हैं, लेकिन आज भी वहां उन प्रावधानों के अनुसार सरकारें काम नहीं कर रही हैं। अनुसूचित क्षेत्र में पांचवीं अनुसूची धरातल पर लागू होनी चाहिये, लेकिन वहां धरातल पर पांचवीं अनुसूची लागू नहीं है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित क्षेत्र में जिस तरीके 2013 एवं 2016 की अधिसूचना जारी हुई, वह वहां के बेरोजगारों के लिये एक काला कानून साबित हुई है। अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के निर्णय के अनुसार वह अधिसूचना रद्द मानी मानी गई थी। वहां आज भी उस क्षेत्र के निवासियों की मूल भावना के अनुरूप आरक्षण लागू नहीं है। वहां लंबे समय से युवा आरक्षण की मांग कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि युवा-बेरोजगारों की मांग को ध्यान में रखते हुए 22 (ए) की मूल भावना के अनुरूप आरक्षण लागू किया जाये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पर एससी, एसटी के छात्रों की आज तक छात्रवृत्ति नहीं

मिली। मैं यह पूछना चाहूंगा कि सरकार छात्रवृत्ति कब देगी? वहां की मेधावी छात्राओं को 2021-22 की स्कूटी आज तक नहीं मिली है। वहां पर वह सरकारी स्कूटियां धूल खा रही हैं।

Msk/rtm/07.02.25/1210/1h

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि 2013 और 2016 की आरक्षण की विसंगतियों को दूर कर नयी अधिसूचना जारी कर आरक्षण को लागू किया जाए।...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: मैं बार-बार अपील कर रहा हूं, सभी अपनी सीटों पर जायें।

श्री जयकृष्ण पटेल (बागीदोरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, 1966 के अन्दर माही, कडाणा के विस्थापित लोग हैं, उनको आज तक जमीन नहीं मिली है, वे दर-दर पट्टे के लिए...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन की मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए अपनी सीटों पर जायें। दुबारा अपील कर रहा हूं कि अपनी सीटों पर जायें।

श्री जयकृष्ण पटेल (बागीदोरा): मैं इस अवसर पर कहना चाहूंगा कि सरदार सरोवर बांध की तर्ज पर 20 गुना मुआवजा दिया जाये और वहां पर निवासियों को राहत प्रदान की प्रदान की जाये। आज तक आदवासियों को विस्थापित करने का काम सरकारें करती रहीं। केला-मेला के अन्दर खदानों के नीलामी का काम सरकार कर रही है, ठीक उसी तरह एनपीसीएल से वहां के क्षेत्र के निवासियों को विस्थापन का सामना करना पड़ा। अभी सरकार 50 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट से कुसुमरिया-कुशलगढ़ के निवासियों को भी विस्थापन की ओर धकेलने का काम कर रही है। मैं सरकार से चाहूंगा कि उस क्षेत्र के निवासियों को राहत प्रदान की जाये और सरकार का हिस्सा हम भी हैं, इस अवसर पर मैं चाहूंगा कि सरकार आदिवासी इलाके लिए विशेष प्रावधान कर आदिवासी इलाके को राहत प्रदान करने का काम करें। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जोहार, जय भील प्रदेश, जय आदिवासी।

श्री अध्यक्ष: पर्ची, श्री घनश्याम (अनुपस्थित), श्री संजय कुमार (अनुपस्थित), श्री फूल सिंह मीणा।

पर्ची के माध्यम से उठाये गये मुद्दे

उदयपुर ग्रामीण में जल जीवन मिशन में अनियमितताएं

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से पीएचईडी मंत्री महोदय से आग्रह करता हूं कि पूर्व सरकार में हमारे ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन में जो घोटाले हुए हैं, उसमें आज वास्तव में हमारी जनता को पानी नहीं मिला। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पीएचईडी मंत्री महोदय से यह

कहना चाहता हूं कि एक साल पहले जो टेण्डर हुआ था, उसका अभी तक काम चालू नहीं हुआ है और जनता उस दिन का इंतजार कर रही है, केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा घर-घर नल देने का हमारी सरकार ने वादा किया है, वह नहीं मिल रहा है। यह कांग्रेस की सरकार में जो ठेके दिये, कमीशन के माध्यम से जो ठेके दिये, उस ठेकेदार के ऊपर कोई कार्यवाही भी नहीं हुई और अभी तक काम भी चालू नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं, 2018 के अन्दर जो मेरी ग्राम पंचायत मनुआ का खेड़ा, एकलिंगपुरा के अन्दर सात साल पहले टंकी बन गयी थी, मगर इस कांग्रेस सरकार ने उसके अन्दर एक बूंद पानी नहीं डाला और वह टंकी जर्जर होने की स्थिति में है। मैं मंत्री महोदय को आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उस टंकी में लाखों रुपये लग गये और वह टंकी आज भी सूखी पड़ी हुई है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं यह कहना चाहता हूं कि कानपुर के अन्दर पाइपलाइन डल गयी है, उस पानी की पाइपलाइन को जोड़ने के काम के बाद भी वहां आज पानी नहीं मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में जो पुराना काम चल रहा है, वह भी धीमी गति से चल रहा है। जो पाइपलाइप डाल दी और उसकी रोड तोड़ी है, पूर्व सरकार के टाइम में जो रोड खोद रखा था, वह भी ठीक नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से आग्रह करता हूं कि जनता को जल जीवन मिशन के माध्यम से पानी समय पर मिलेगा तो जनता वास्तव में ऐसी कल्याणकारी योजना का लाभ लेगी। मैं आपके माध्यम से पुनः मंत्री महोदय से आग्रह करता हूंकि जो ठेकेदार काम नहीं कर रहे हैं, उनको ब्लैकलिस्ट करें और नया टेण्डर करके जनता को पानी दिलाने के लिए, हमारी जल जीवन मिशन की जो महत्वपूर्ण योजना है, उसका जनता को फायदा दिलायें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: श्री गोरधन।

नानी ग्राम (धोद) में सीकर शहर से आने वाला दूषित जल

श्री गोरधन (धोद): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने पर्ची के माध्यम से मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि सीकर नगर परिषद का जो दूषित पानी है, जो गंदा पानी है, वहां से निकलकर वह पानी हमारे नानी का बीहड़ है या जो चरागाह की जमीन, उस जमीन में आकर उस पानी ने वहां की जमीन को भी खराब कर दिया और आस-पास के जो कुएं हैं, उन कुओं का पानी भी दूषित हो गया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से निवेदन रहेगा कि यह पानी इतनी बड़ी समस्या बन गया है कि बारिश में तो हम देखते हैं कि कई बार पानी सड़क पर आ जाता है। जो हमारा एनएच-52 है, लेकिन बिना बारिश के भी वह लगभग चार किलोमीटर में वह पानी सड़क पर आ जाता है। सड़क पर आने के बाद वहां के जो आसपास के गांव हैं, चाहे चैलासी हो, चाहे ढाका की ढाणी हो, चाहे पूरा की ढाणी हो, चाहे कुमावतों की ढाणी हो, वहां से निकलकर भड़ादर तक पानी पहुंच जाता है। हमारा जो नेशनल हाई-वे 52 की जो सड़क

है, उस पर लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर पानी भरा रहता है। वहां पर जो साधन आते-जाते हैं, वहां पर दुर्घटना संभावित इलाका बना हुआ है। वहां पर आये दिन कोई न कोई ऐसी घटना घटित होती रहती है। इसलिए मेरा सरकार से यह आग्रह रहेगा, क्योंकि यह जो विषय है, वह बहुत गंभीर विषय है। एक नहर-सी स्थिति जो बाईपास पर बनी हुई है, उस पानी के समाधान के लिए उस पानी को लगभग 35 से 40 किलोमीटर दूर ले जाकर, उस पानी को कहीं ट्रीट करके या उसको साफ करके उस पानी को किसानों को, जहां पर पानी नहीं है। जैसे हमारे 1500-1600 बीघा की जाचास में जगह है और हमारे पैवा मुकंदपुरा में जगह है, उस जगह पर ले जाकर उस पानी को वहां पर डाला जाये तो किसानों की समस्या का समाधान भी सकता है और पानी का जल स्तर भी ऊपर आ सकता है। इस पानी की समस्या से हमें समाधान भी मिल जाये। ऐसा मेरा आपके माध्यम से आग्रह रहेगा। मैं मंत्री महोदय को भी धन्यवाद देना चाहूंगा, चाहे हमारे वन मंत्री जी हों, चाहे स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह जी हों, इसके बारे में विशेषकर चिंता भी कर रहे हैं, लेकिन मैं यह सोचता हूं कि मेरा यह आग्रह है कि इस समस्या का समाधान अतिशीघ्र हो, जिससे इस समस्या से हमें निजात मिल सके।

धन्यवाद।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: मेरी सभी विपक्ष के, क्योंकि आधा विपक्ष उधर है, विशेषकर कांग्रेस के सदस्यों से अपील है कि अपनी सीटों पर जायें, सदन की कार्यवाही चलने दें। आप 'रघुपति राघव राजा राम' का गीत गा रहे हैं। रघुपति राघव मर्यादा पुरुषोत्तम थे, मर्यादाओं का भी पालन आप सबको करना चाहिए। मर्यादा यही कहती है कि आप अपनी सीटों पर चले जाएं। नहीं जा रहे हैं तो, मुझे भी...।

मेरी इच्छा थी कि आपके सारे प्रश्नों के उत्तर आयें, इसलिए उत्तर पढ़ा हुआ मान लिया जाए, लेकिन लगता है कि आपकी प्रश्न काल में कोई रुचि नहीं है। अत: आगे से मंत्री भी अपने प्रश्नों के उत्तर पढ़ पायेंगे, यह मैं व्यवस्था देता हूं।

सदन की कार्यवाही 01.00 बजे तक स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 12.18 बजे 13.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

(समय:13.00 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री फूल सिंह मीणा, सभापति, पदासीन)

सदन कूप में

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री सभापति: सदन की बैठक भोजनावकाश के लिए 02.00 बजे तक स्थगित की जाती

है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 13.01 बजे 14.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

SSY/RTM/07.02.2025/14:00/2c

(पुन: समवेत होने पर)

समय: 14.00 बजे

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

सदन कूप में

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यों से निवेदन है कि अपनी सीटों पर चले जायें। माननीय सदस्यों से एक बार पुन: आग्रह है कि सीटों पर चले जायें। मैंने आपके विपक्ष के नेता को चैम्बर में बातचीत के लिए बुलाया। आप नहीं आये। इस कारण आपको बातचीत करने या सदन चलाने में कोई रुचि नहीं है। जब रुचि नहीं है तो मैं आपसे फिर अपील कर रहा हूं कि सदन की मर्यादा होती है। कोई भी डैडलॉक होता है तो अध्यक्ष के चैम्बर में आकर बात करते हैं। मैंने आपको बुलवाया, आप लोग नहीं आये। इसलिए मैं स्पष्ट करना चाह रहा हूं, आप लोग नहीं आये इसका मतलब आपकी रुचि नहीं है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

अब फिर अपील कर रहा हूं कि आप अपनी सीटों पर जाइए और चर्चा में भाग लें ...(व्यवधान)... मैंने बुलाया है। जब अध्यक्ष ने बुलाया, आपने अध्यक्ष की बात को ही कहें कि नहीं बुलाया। आपको सचेतक भी बुलाने आया, तब भी आप नहीं आये।

सदन की मेज पर रखे जाने वाले पत्रादि। वित्त एवं विनियोग लेखे।

श्रीमती दिया कुमारी, उप मुख्य मंत्री।

सदन पटल पर रखे गये पत्र

प्रतिवेदन एवं लेखे

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वित्त लेखे (खण्ड-I व खण्ड-II) (वर्ष 2023-24) एवं विनियोग लेखे (वर्ष 2023-24)

सुश्री दिया कुमारी (उप मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वित्त लेखे (खण्ड-I व खण्ड-II) वर्ष 2023-24 एवं विनियोग लेखे वर्ष 2023-24 सदन की मेज पर रखती हूं।

श्री अध्यक्ष: अधिसूचनाएं। श्रीमती दिया कुमारी, उप मुख्य मंत्री।

अधिसूचना

वित्त (वित्तीय नियम) विभाग

सुश्री दिया कुमारी (उप मुख्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार वित्त विभाग की निम्नांकित छह अधिसूचनाएं सदन की मेज

पर रखती हूं:-

1. अधिसूचना संख्याः एफ.2 (1) एफडी/एसपीएफसी/2017, दिनांक 09.09.2024 जी.एस.आर. 30 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 43 में बोली आमंत्रित करने वाली सूचना के न्यूज पेपर में प्रकाशन में संशोधन किया गया है।

2. अधिसूचना संख्याः एफ. 2 (1) एफडी/एसपीएफसी/2017, दिनांक 19.09.2024 जी.एस.आर. 32 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 42 एवं 75 (क्रमशः बिड सिक्योरिटी एवं परफोरमेंस सिक्योरिटी) में इंश्योरेंस सिक्योरिटी बॉन्ड के प्रावधान को जोड़ा गया है।

3. अधिसूचना संख्या:एफ.2 (1) एफडी/एसपीएफसी/2017, दिनांक 19.09.2024 जी.एस.आर. 33 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 21) की धारा 6 (2) व राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 32 के तहत जारी अधिसूचना दिनांक 04.09.2013 की सारणी में एक नया बिन्दु 65 राजरैडको को सभी प्रकार के सर्वेक्षण, क्षेत्रीय परीक्षण, तृतीय निरीक्षण, परामर्श, डीपीआर बनाना और अन्य इन्फ्रा से संबंधित कार्य के लिए और एक नया बिन्दु 66 में NeML/MSTC Ltd. को ई-नीलामी प्लेटफॉर्म की सेवाओं से संबंधित प्रावधान जोड़ा गया है।

4. अधिसूचना संख्याः एफ.2 (1) एफडी/एसपीएफसी/2017, दिनांक 08.11.2024 जी.एस.आर. 74 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 21) की धारा 6 (2) व राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 32 के तहत जारी अधिसूचना दिनांक 04.09.2013 के विद्यमान बिन्दु संख्या 13 में कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण के लिए श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति से उपापन से संबंधित प्रावधान जोडा गया है।

5. अधिसूचना संख्याः एफ.2 (3) एफडी/एफआर/एसपीएफसी/2024 दिनांक 19.12.2024 जी.एस.आर. 82 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 21) की धारा 6 (2) व राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 32 के तहत जारी अधिसूचना दिनांक 04.09.2013 के विद्यमान बिन्दु संख्या 17 के उप-नियम 2 में सेवानिवृत्त राजकीय कर्मचारी की सेवाएं लिये जाने के संबध में जारी किया गया है एवं

6. अधिसूचना संख्याः एफ.2 (1) एफडी/जीएण्डटी-एसपीएफसी/2017, दिनांक 22.01.2025 जी.एस.आर. 98 जिसके द्वारा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 के नियम 36 के उप-नियम 3 में विद्यमान क्लॉज (f) के उपरांत एक नए क्लॉज (ff) द्वारा क्यूरेटेड स्कोर स्टार्टअप्स से संबंधित शर्त जोड़ी गई है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः श्री गजेन्द्र सिंह।

गृह विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार गृह विभाग की निम्नांकित सात अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

1. अधिसूचना संख्याः प. 12 (8) गृह-1/2024/19376 दिनांक 11.07.2024 एस.ओ. 47 जिसके द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 37 के प्रावधानों के अनुसरण में राज्य / जिला स्तरीय पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

2. अधिसूचना संख्याः प.12 (07) गृह-1/2024/19355 दिनांक 11.07.2024 एस.ओ. 46 जिसके द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 329 के प्रावधानों के अनुसरण में राजस्थान विधि विज्ञान प्रयोगशाला के अपर निदेशक को वैज्ञानिक विशेषज्ञ के रूप में अधिकृत किया गया है।

3. अधिसूचना संख्याः प.12 (9) गृह-1/2024 दिनांक 12.08.2024 जिसके द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 176 (3) के प्रावधानों के अनुसरण में आपराधिक प्रकरण जिनमें 7 साल से अधिक सजा का प्रावधान है, में राज्य विधि प्रयोगशाला को घटना स्थल की जांच हेतु अधिकृत किया गया है।

4. अधिसूचना संख्याः प.12 (3) गृह-1/2018 पार्ट दिनांक 17.10.2024 जिसके द्वारा विधानसभा, उप चुनाव 2024 के संबंध में प्रभावी आचार संहिता के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों को चुनाव आयोग को प्रतिनियुक्ति पर दिया गया है।

5. अधिसूचना संख्या: प.12 (8) गृह-1/2024 दिनांक 24.01.2025 एस.ओ. 104 जिसके द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा, 523 (1) के तहत अधिसूचना जारी की गई है।

6. अधिसूचना संख्याः प.14 (6) विविध/गृह-10/2024 दिनांक 16.08.2024 एस.ओ. 63 जिसके द्वारा राजस्थान इलेक्ट्रानिक प्रक्रियाएं (जारी करना, सेवा और निष्पादन) नियम, 2024 लागू किया गया है, एवं

7. अधिसूचना संख्याः प. 16 (19) (1) विविध/अभि/2020 दिनांक 24.01.2025 जिसके द्वारा राजस्थान अभियोजन सेवा में विभिन्न पदों हेतु शक्तियां व कृत्य अधिसूचित किए गए हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: श्री ओटाराम देवासी।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

श्री ओटा राम देवासी (राज्य मंत्री, पंचायती राज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार निम्नांकित चार अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

1. अधिसूचना संख्याः एफ. 1 (2) (1) आ.प्र. एवं सहा./ओ.वृ. व

पा.शी./गि.रि./2024/5230-255 दिनांक 26.07.2024 जिसके द्वारा ओलावृष्टि/पाला शीतलहर से 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराबा होने के कारण जिला बारां, हनुमानगढ़, नागौर एवं डीडवाना-कुचामन के व्यक्तिगत कृषकों को कृषि आदान अनुदान दिया गया है।

2. अधिसूचना संख्याः एफ. 1 (2) (1) आ.प्र. एवं सहा. लू-ताप/2024/राजकाज. 12199647 दिनांक 23.12.2024 जिसके द्वारा लू-तापघात (Heat Wave) को (State specific Disaster) के रूप में अधिसूचित किया गया है।

3. अधिसूचना संख्याः एफ 8 (06) (1) आ.प्र. एवं सहा./बाढ़/गिरदावरी/2024/राज काज संदर्भ सं. 13187259 दिनांक 24.01.2025 जिसके द्वारा बाढ से 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराबा होने पर 20 जिलों को अभावग्रस्त घोषित किया गया है, एवं

4. अधिसूचना संख्याः एफ. 1 (2) (1) आ.प्र.एवं सहा./ओ.वृ. व पा.शी./गि.रि./2024/राजकाज संदर्भ सं. 13190808 दिनांक 24.01.2025 जिसके द्वारा ओलावृष्टि से 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराबा होने पर जिला हनुमानगढ़ की तहसील संगरिया को अभावग्रस्त घोषित किया गया है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः वार्षिक प्रतिवेदन। डॉ. प्रेम चन्द बैरवा।

प्रतिवेदन एवं लेखे

डॉ. प्रेम चन्द बैरवा (उप मुख्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार निम्नांकित वार्षिक प्रतिवेदन सदन की मेज पर रखता हूं:-

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2023-24)

1. सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 की धारा-35 (2) के अन्तर्गत राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24,

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर की वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 2024-25)

2. बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2017 की धारा-44 के अन्तर्गत बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2024-25, एवं

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (वर्ष 2024)

3. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा-44 के अन्तर्गत राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2024 ।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः समिति के प्रतिवेदन का उपस्थापन। श्री केसाराम चौधरी।

समिति प्रतिवेदन

पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति का प्रतिवेदन (क्र.सं.1)

श्री केसाराम चौधरी (मारवाड़ जंक्शन): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति, 2024-25 के चिकित्सा शिक्षा विभाग से सम्बन्धित प्रथम

प्रतिवेदन (परिपालनात्मक प्रतिवेदन) का उपस्थापन करता हूं।

श्री अध्यक्ष: याचिकाओं का उपस्थापन। श्री छगनसिंह राजपुरोहित। (अनुपस्थित) श्री हंसराज मीना।

याचिका

सपोटरा में कालीसिल नदी से पानी लिफ्ट कर सपोटरा के बांधों में लाना

श्री हंसराज मीना (सपोटरा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से विधान सभा क्षेत्र सपोटरा के उपखंड सपोटरा में कालीसिल नदी से पानी लिफ्ट कर भूमेंद्र सागर बांध एवं भूमेंद्र सागर बांध से डाबरा बांध में चंबल नदी का पानी निगर बांध में लाने के संबंध में एक याचिका का उपस्थापन करता हूं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर वाद-विवाद एवं राज्य सरकार की ओर से उत्तर। डॉ. जसवन्त सिंह यादव।

अभिभाषण

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो तमाशा हो रहा है, यह अपने भ्रष्टाचार को छुपाने का इनका तरीका है। बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना है।

श्री अध्यक्ष: आप अपनी-अपनी सीटों पर जाओ। आज के मुद्दे पर विपक्ष के नेता भी बोलने वाले हैं। सदन के नेता भी बोलने वाले हैं। जो बातें कही गयी हैं उससे आपके विपक्ष के नेता भी ...(व्यवधान)... सदन के नेता उत्तर देंगे ...(व्यवधान)... 4 बजे आ जायेंगे ...(व्यवधान)...

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): डॉ. किरोड़ी सदन के सदस्य भी हैं और वह अपनी बात यहां आकर के भी कह सकते हैं।

डॉ. सुभाष गर्ग (भरतपुर): अध्यक्ष महोदय, आप गलत कार्य के भागीदार हो रहे हो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: बिना सीटों पर जाये ...(व्यवधान)... पहले अपनी-अपनी सीटों पर जाइये।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): जबसे माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी बने हैं, तो शायद आज तक के इतिहास में सरकार ने 8-10 महीने हुए हैं कुल ही अपना पिछला बजट पेश किए हुए और इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि कर लेना बहुत बड़ी बात है। इससे कांग्रेस के लोग हिल गये कि इनकी बातें उठेंगी, इनकी पोल खुलेगी। इनके भ्रष्टाचार के कारनामें आयेंगे।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

मैं कह सकता हूं कि माननीय डोटासरा जी रोजाना मदन दिलावर जी को कोसते हैं। डोटासरा जी, इनसे शिक्षा लेने की जरूरत है मदन दिलावर जी से। यह शिक्षा मंत्री हैं जिन्होंने 1 लाख 54 हजार लोगों को सूर्य नमस्कार कराकर पूरे वर्ल्ड में स्थान प्राप्त किया है।

यह होते हैं शिक्षा मंत्री जो कुछ दे रहे हैं।

एक शिक्षा मंत्री आप थे जो गहलोत जी के सामने भरी मीटिंग में, शिक्षकों को ही मीटिंग के अन्दर मुख्य मंत्री जब पूछते हैं कि आपसे स्थानांतरण में कोई पैसे तो नहीं लिये जाते हैं, तो शिक्षा मंत्री के सामने ही सारे के सारे शिक्षकों ने एक सुर में कहा कि बिना पैसे तो कोई ट्रांसफर होता ही नहीं है। इससे ज्यादा मेरे ख्याल से शर्म की बात किसी शिक्षा मंत्री के लिए हो नहीं सकती। इससे ज्यादा बेशर्मी की कोई बात हो नहीं सकती। यह सबसे ज्यादा बेशर्मी की बात है।

डोटासरा जी, डोटासरा जी, सुनने की बात है। एक तरफ आप शिक्षा मंत्री थे, शिक्षा लो। तब आपके मुख्य मंत्री ने पूछा कि शिक्षा मंत्री पैसे लेकर के ट्रांसफर तो नहीं करता है? तो खुले दिल से सारे अध्यापकों ने कहा। एक तरफ आज शिक्षा मंत्री हैं जिन्होंने पूरे वर्ल्ड में राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। सूर्य नमस्कार के अन्दर पूरे वर्ल्ड में रिकार्ड बनाया है। इनसे कुछ सीखो। अगर सीखोगे तो होश में तो आओगे। आप लोग होश में आओ। बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना है।

आपके जो कर्मों का फल है वह जनता दे चुकी है। इससे ज्यादा आपको क्या मिलेगा कि विपक्ष में बैठे हुए हो। ऐसा एक महकमा नहीं था, ऐसा एक क्षेत्र नहीं था जिसमें आप लोगों ने भ्रष्टाचार नहीं किया। हमारे विपक्ष के नेता जो अलवर से आते हैं, इनसे कोई यह पूछे कि कितनी जमीनों के घोटाले हुए। कितनी हजारों बीघा जमीन बाद में कैंसिल हुई है। शायद ऐसा कोई ढाणी, गांव नहीं था जिसमें आपके घोटालों की गूंज नहीं थी।

फिर बाई इलेक्शन हुए, आप चिल्ला-चिल्ला करके कहते थे कि भजन लाल जी की एक भी सीट नहीं आयेगी, बीजेपी की एक भी सीट नहीं आयेगी। लेकिन बीजेपी की सरकार एकजुट होकर काम करती है, मुख्य मंत्री और मंत्रिमंडल साथ मिलकर के काम करते हैं और जनता के हित में काम करते हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

आज जब आपने देखा कि भजन लाल जी किसान के हित में, बलजीत की बात करने वाले जैसा होता है वैसा ही करता है। जो कर्म उसके थे वही कर्म डोटासरा जी के रहे इसलिए उनको बहुत याद आता है। जैसा कर्म था वैसा ही बलजीत की औकात नहीं और इनकी नहीं कि कुछ हमको कर जायें। पर ठीक है, मैं डोटासरा जी, आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने अपने जैसे ही व्यक्ति को चुना जो हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार में ही लिप्त रहा। हमने तो चुनाव होते ही अक्ल ठीक कर दी थी।

आपसे मेरा आग्रह है कि जिस भी जगह को चुनो, जिस भी महकमे को चुनो, उसी में आपने बड़े-बड़े घोटाले किये हैं। अब आप ताज्जुब करोगे कि जो मुख्य मंत्री, आज भजन लाल जी को यह तय कर लिया कि मैं किसान को दिन में बिजली दूंगा। 2027 की घोषणा कर दी। नौजवानों को नौकरी की बात कर रहे हैं। महिलाओं को उनके सम्मान की बात कर रहे हैं। राजस्थान के विकास की बात कर रहे हैं। गरीबों के विकास की बात कर रहे हैं तो

आपके पेट में दर्द होना तय है।

आप कुछ कर तो सकते नहीं तो आपने सोचा कि माननीय मुख्य मंत्री जी भजन लाल जी की जो कार्यशैली है, एक बात आज याद कर लेना, या तो भजन लाल जी के भजन करना विपक्षियों शुरू कर दो वरना तो आप अगली बार नक्शे पर भी नहीं मिलोगे। यह कांग्रेस जानती है कि जैसा आपका दिल्ली में हाल होने जा रहा है। दिल्ली के सर्वे में जो आपकी दुर्दशा होने जा रही है, आप 2 सीटें लेने लायक नहीं है।

spp/rtm/07.02.2025/14:10/2d

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में नारे एवं शोरगुल)

राइजिंग राजस्थान इतने मुख्य मंत्री, इतने चुनाव हुए, भजन लाल जी के समय में जो राइजिंग राजस्थान इतनी जल्दी किया और जिसके अन्दर 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश की बात हुई है, यह अपने आप में अभूतपूर्व सफलता है। इससे ज्यादा सफलता नहीं मिल सकती। इसी तरह जब हमारा औद्योगिक क्षेत्र बढ़ेगा तो निश्चित रूप से लोगों को रोजगार मिलेगा, राजस्थान विकास की गति पकड़ेगा, राजस्थान आगे बढ़ेगा, तो आपसे यह सब चीजें देखी नहीं जा रही हैं। आप देख भी नहीं सकते, क्योंकि आपका दिमाग खराब हो गया है इसलिए मैं निवेदन करता हूं कि आप अपने आपको अस्तित्व बचाने के लिये भजन लालजी के भजन करना शुरू कर दो, इसी से आपकी दुर्गति बच सकती है।

हमारे माननीय विपक्ष के नेताजी से मैं बात कहना चाहता हूं कि अलवर के अन्दर कोई एक महकमा तो बता दो, कितनी जमीनें हड़पीं, कितनी जमीनों पर अवैध कब्जे हुए, कितने माइनिंग एरिया पर कब्जा हुआ और आखिर में वह सब छोड़नी पड़ीं। आपकी कहीं पूछ तो है नहीं। इस तरह से ऐसी हरकतें करना बेकार है।

जनता चाहती थी कि हमारा इलाका तो खासकर जहां पर दूर-दूर तक पानी नजर नहीं आता था और यह लगता था कि हमारे यहां भी कोई ऐसी सरकार आयेगी जो हमारे इलाकों को भी पानी दे सकती है या नहर ला सकती है। यह कल्पना में भी नहीं थी, केवल सोचते थे कि हे प्रभु, ऐसा कोई चमत्कार करो।

माननीय वसुन्धरा जी ने इस बात को समझा कि बिना कैनाल के लोगों का गुजारा नहीं हो सकता, पीने का पानी नहीं मिल सकता, सिंचाई का पानी नहीं मिल सकता। उन्होंने कैनाल की जो रचना रची और उसको आप लोगों ने पांच साल तक बर्बाद किया। पांच साल तक आपने जो तबाह किया, इधर-उधर की बातें करते रहे। आप नहीं चाहते थे कि उन इलाकों को पानी अच्छा मिले, आप नहीं चाहते थे कि किसान आगे बढ़े, आप नहीं चाहते थे कि क्षेत्र में खुशहाली आये। आप लोगों ने पूरे पांच साल बेकार कर दिये। माननीय भजन लाल जी आये और आते ही पूरे 10 महीने भी नहीं हुए, आप देखिए, इतनी जल्दी दुनिया का कोई भी मुख्य मंत्री इतना बड़ा काम नहीं कर सकता, जो माननीय भजनलाल जी ने किया है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में नारे एवं शोरगुल)

'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' कोई आपका लेना न, देना न। किरोड़ी लाल जी खुद सक्षम हैं, अपनी बात कह सकते हैं, एम.एल.ए. हैं। यह तो है नहीं कि वह हाउस के मैम्बर नहीं हैं और यह कहो कि हमारे घोटाले खोलने से पहले इस्तीफा दो, तब तो कुछ बात जम जाये। प्रमाणिक चीजें, आपका मुख्य मंत्री कह रहा है, जो लोग आपकी पार्टी से गये, इनमें से कई तो एम एल ए बने खड़े हुए हैं। उस पर मुख्य मंत्री कह रहे हैं कि दस-दस करोड़ रुपये लेकर चले गये। इससे बड़ा आप लोगों पर क्या कलंक लग सकता है? अब तो कुछ शर्म तो कर लो। कहीं तो आप लोगों को शर्म आनी चाहिए।

मैं आपसे फिर निवेदन करता हूं कि किरोड़ी लाल जी बात सुनेंगे, जब आप भ्रष्टाचारी लोग बैठ जाएंगे। आप कुछ अक्ल सीखो कि किस बात पर हल्ला मचाना चाहिए। आप और भी ज्यादा हल्ला मचा लो। भजन लाल जी को जो यह कार्य क्षेत्र है, काम करने का रीका है, भजन लाल जी जो जनता के हित में सोचते हैं, जो भजनलाल जी जनता के हित में काम करते हैं, उसके सामने अब कांग्रेस नाम की चीज नहीं मिलेगी। कांग्रेस का यह भी पता नहीं लगेगा कि इस दुनिया में कहीं कांग्रेस भी है। कांग्रेस को ढूंढने से भी नहीं मिलेगी। आप जो इस्तीफा-इस्तीफा कर रहे हो न, आपकी आगे जमानत भी नहीं बचने वाली है। आप ढूंढते फिरोगे। आपका ऐसा इस्तीफा हो जाएगा कि आगे आप किसी लायक ही नहीं बचोगे। इसलिए,डोटासरा जी, अपने जैसे कर्म मत सिखाओ। आप कह रहे थे न उप चुनाव से पहले कि सात सीटों में से सारी सीटें कांग्रेस की आयेगी। यह तो गलती से एक सीट जीत गये, नहीं तो आपकी जमानत भी नहीं बची, इससे ज्यादा आपकी दुर्गति क्या होगी? कुछ तो शर्म कर लो।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में नारे एवं शोरगुल)

डॉ. किरोड़ी लाल जी यह बात क्यों कर रहे हैं, यह जूली जी और डोटासरा जी किरोड़ी लाल जी की बात इसलिए कर रहे हैं कि कहीं किरोड़ी लाल जी हमारी भी पोल न खोल दे। इनका बीजेपी के सदस्य से क्या लेना-देना? बीजेपी के मंत्री हैं, पार्टी अपने आप करेगी जो करेगी, हम बीच में कहां से आ गये। इसलिए कुछ तो शर्म कर लो, कुछ तो शर्म रखो। खाली चिल्लाने से ऐसी सरकार ..(व्यवधान).. धारीवाल जी, इस बात तो भजन लाल का मतलब है कि 20 साल तक राज करेंगे। आपको रिटायर कर देंगे जब आगे की बात सोची जाएगी। जो आदमी दिन-रात जनता के हित में जी रहा है, जनता की सोच रहा है, जनता के लिये काम कर रहा है, नौजवानों के लिये काम कर रहा है, नौजवानों के भविष्य के लिये काम कर रहा है, किसानों के लिये काम कर रहा है। ऐसे व्यक्ति के लिये कह रहे हैं इस्तीफा दो। आपने कह दिया इस्तीफा दो, आप भ्रष्टाचारी हो, कुछ तो शर्म कर लो। कुछ तो शर्म रखो। कहीं तो शर्म रखो। कुछ तो शर्म करो। ...(व्यवधान)..

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में नारे एवं शोरगुल)

आपकी रग-रग भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। ..(व्यवधान).. बलजीत आपका रिश्तेदार लगता है

तो अलग बात है। मैं देशी भाषा में कुछ बोल दूंगा तो वह असंसदीय भाषा हो जाएगी। नहीं तो ललित, आपकी औकात मैं खूब जानता हूं। डोटासरा जी, बलजीत आयेगा। चोर का भाई चोर, मौसेरा का भाई मौसेरा। +++ और जो डोटासरा है वो बलजीत है। एक सिक्के के दो पहलू हैं। हर क्षेत्र में इस आदमी ने ..(व्यवधान).. इस आदमी ने मेरे ख्याल से जिन्दगी में ऐसी बेशर्मी मैंने नहीं देखी कि जब मुख्य मंत्रीजी के सामने कहा गया शिक्षा मंत्री चोर है। इससे बड़ा सर्टिफिकेट नहीं मिल सकता। आपको विपक्ष में बिठा दिया, इससे ज्यादा सर्टिफिकेट नहीं मिल सकता है। अपने क्षेत्र के लिये आप कुछ नहीं कर पाये। पूर्व मुख्य मंत्रीजी, गहलोत जी खुद चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे। सचिन पायलट एक पढ़ा-लिखा व्यक्ति था और कह रहे हैं कि 10-10 करोड़ रुपये में मेरे सारे एम एल ए खरीदकर ले गया। इससे ज्यादा आप लोगों के लिये शर्म की बात और क्या होगी? ...(व्यवधान).. तानाशाही यूं ही चलेगी, यूं ही चलेगी। आप यूं ही चिल्लाते रहोगे। आपको तो सामने नजर आ रहा, भजन लाल जी का खौफ आपके दिमाग में ऐसा चढ़ गया है कि जो मुख्य मंत्री 10 महीने में इतना कर सकता है, वह पांच साल में तो आपको काफी कुछ देखने को मिलेगा। आप एक बात सुन लो, आप कह रहे हैं कि सरकार नहीं चलेगी, सरकार यूं ही चलेगी और भजन लाल जी का डंडा, भजन लाल जी का राज आपको ऐसा कर देगा कि आप किसी दीन-दुनिया के नहीं रहोगे। इसलिए पंडितजी, आप इनसे दूर रहो, आप अलग बैठ जाओ न, बुढ़ापा क्यों खराब करा रहे हो आप। ...(व्यवधान)..

श्री अध्यक्षः हो गया आपका। ...(व्यवधान).. माननीय सदस्य, आपका भाषण हो गया पूरा?

श्री जसवंत सिंह गुर्जर (बाड़ी): हरिमोहन जी, आपकी 85 साल की उम्र है, आप भी इस स्तर पर आ गये क्या? जो मुख्य मंत्री पूरे राजस्थान को एक विकास की गति दे रहा है, जो 24 घंटे राजस्थान के बारे में सोचता है और जान-बूझकर आज किरोड़ी लाल जी की बात कर रहे हो।

श्री बाबूसिंह राठौड़ (शेरगढ़): हरिमोहन जी को और शान्ती धारीवाल जी को बिठा दो, शहीद हो जाएंगे।

jyg/rtm/07.02.25/14.20/2e

धरना

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में धरना)

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट राजस्थान की जनता का सपना था। जो पूर्व मुख्य मंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया लेकिन दुर्भाग्य से विगत कांग्रेस सरकार के समय राजनीतिक लाभ लेने के लिए ओछी मानसिकता होने के कारण, इसके नेता भटके हुए होने के कारण इस प्रोजेक्ट को अटका दिया पर मैं कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं हमारे माननीय मुख्य मंत्रीजी को कि आपकी जो सोच है,

आप विकास को जो गति देना चाहते हो, इसे आपने राम सेतु लिंक परियोजना के रूप में धरातल पर लाने की दिशा में मजबूत पहल की है। मैं माननीय धारीवाल जी से कहूंगा कि अब आपकी उम्र नहीं रही। धारीवाल जी, आप बैठ जाओ।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): डोटासरा खुद तो मरेगा, सबको मरवा कर छोड़ेगा।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, अध्यक्ष को सम्बोधित करके कहें। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य, सीधा संवाद नहीं, अध्यक्ष से बात करें। ...(व्यवधान)...

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस योजना के साकार होने से समृद्ध एवं खुशहाली के नये युग की शुरुआत होगी। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में 4 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई 3 करोड़ से अधिक आबादी की पेयजल योजना से 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृतिजारी कर परियोजना का शुभारम्भ किया, इसलिए कहते हैं मुख्य मंत्री काम करने वाला है।

हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देता हूं कि इस योजना में मेमोरेंडम और एग्रीमेंट का आदान-प्रदान किया जिसमें राज जल सेतु योजना में पार्वती-काली सिंध-चम्बल के पवित्र जल को प्रवाहित किया गया। हमारी सरकार बातों पर नहीं काम करने पर और जनता के हित में राहत देने पर विश्वास करती है।

जल जीवन मिशन के रूप में विगत कांग्रेस सरकार को हर घर तक नल पहुंचाना था। सुनहरी मौका मिला था, केन्द्र सरकार का बजट आ रहा था, पर आपकी इस भ्रष्टाचार की नीति ने लोगों का नहीं देखा, लोगों को प्यासा मार दिया पर जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर तो उसके लिए आज ईडी तक को कदम उठाना पड़ रहा है। ...(व्यवधान)...

बैठ जाओ, ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, वाइंड अप करो।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): माननीय नेता प्रतिपक्ष, टीकाराम जूली जी, आपके अलवर में, बहरोड़ में जेजेएम का क्या हुआ? जेजेएम का क्या हुआ? उसमें किस-किस का हाथ था भ्रष्टाचार में, बता तो दो। जो जमीनों के घोटाले हुए,...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, वाइंड अप करो। आपका टाइम हो गया।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): हो गया? ...(व्यवधान)... जल जीवन मिशन के रूप में इनको मौका मिला, इन्होंने भ्रष्टाचार में सिर डुबो दिये, हम आपको जब भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने तो आप यह समझ लो कि अब आपको सद्बुद्धि की जरूरत है, अगली बार आप मन्दिर में बैठिये, मन्दिर में घंटी बजाने लायक ही बचेंगे और किसी लायक बचेंगे ही नहीं। ...(व्यवधान)... धन्यवाद। आपसे मन्दिर में घंटी बजवा कर रहेंगे, आपके घोटालों को माफ करवाने के लिए आपको भगवान की शरण में लेकर जायेंगे।

श्री अध्यक्ष: श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल।

श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल (खण्डार): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, राम का गुणगान करने वाले लोग काश रामायण से और राम से कुछ प्रेरणा लेते, जिस उम्मीद से, जिन सपनों के साथ जनता ने इनको सदन में भेजा है, इस वाद-विवाद में अपने क्षेत्र की बात कहते तो मुझे लगता है कि जनता इनको धन्यवाद देती। लेकिन फिर भी पिछले दिनों जनता ने सबक सिखाने का प्रयास भी किया। उप चुनाव के जो परिणाम आये, उस परिणाम ने जनता ने इनको आईना दिखाने का काम किया, उसके बाद भी मुझे लगता है कि कहीं न कहीं समझने में फर्क रह गया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में हमारे राजस्थान का विजन रखा और उस विजन में माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी ने जो दृढ़ निश्चय के साथ, जिन सपनों के साथ, जिस उम्मीद के साथ राजस्थान के लोगों के सपने पूरे करने का प्रयास किया, उस पर ही मैं अपनी बात प्रारम्भ करता हूं।

'तूफान भी अक्सर वहां हार जाते हैं,
जहां कश्तियां अपनी जिद पर अड़ जाती हैं।'

इसी जिद के साथ भजन लाल जी ने संकल्प लिया है कि राजस्थान के चहुंमुखी विकास को अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए राजस्थान के हर युवा को रोजगार, जिसके आवास नहीं हैं उनको आवास, जहां पर गेहूं नहीं पहुंचता वहां पर पोर्टल के माध्यम से गेहूं पहुंचाने की बात भी की, विशेष तौर पर इस एक साल के अन्दर उन्होंने जो निर्णय लिये, उसमें मैं धन्यवाद देता हूं कि पेपर लीक जैसे जो इन्होंने लगातार पेपर लीक करवाये थे उस पेपर लीक में इतना बड़ा निर्णय लेकर 200 लोगों को जेल के पीछे भेजा, यह बहुत बड़ा प्रशंसा करने वाला कार्य था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बात करूं राइजिंग राजस्थान की, राइजिंग राजस्थान के अन्दर एक बड़ा इतिहास बनाया। ये लोग बार-बार कहते हैं कि राइजिंग राजस्थान में कितने एमओयू हुए, मैं तो इनको एक बात याद दिलाना चाहता हूं, आप लोग राइजिंग राजस्थान के बहाने से भ्रष्टाचार करना चाहते हो, आप लोग जेब भरना चाहते हैं इसलिए लास्ट के वर्ष के अन्दर राइजिंग राजस्थान करते हैं ताकि जनता को दिखाने के लिए और वोट बटोरने के लिए उसका उपयोग किया जा सके। लेकिन भजन लाल जी ने राइजिंग राजस्थान पहले वर्ष में करके यह साबित कर दिया कि राइजिंग राजस्थान राजस्थान की जनता के लिए है, राजस्थान के विकास के लिए है, राजस्थान की उन्नति के लिए है, राजस्थान के युवाओं को रोजगार देने के लिए है। पहले वर्ष के अन्दर उन्होंने राइजिंग राजस्थान का कार्य करके यह अहसास दिला दिया कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से खाने वाली सरकार नहीं है, राइजिंग राजस्थान के नाम पर राजस्थान का भला करने वाली सरकार है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, युवाओं की हम बात करते हैं, ये बार-बार कहते हैं कि कितना रोजगार दिया, क्या किया युवाओं के लिए, मैं राजस्थान की पिछली सरकार के आंकड़े लेकर आया हूं, 2019 में 38,431 लोगों को नौकरी दी, 2020 में लगभग इतने ही लोगों को नौकरी

दी, 2021 में 16,000 लोगों को नौकरी दी, कुल मिलाकर 80,000 लोगों को इन लोगों ने नौकरी दी और हम लोगों ने पिछले एक साल के अन्दर 59,236 लोगों को नौकरी दी, यह भजन लाल सरकार का काम है, ये विजन हमने सदन के अन्दर रखा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके ध्यान में दिलाना चाहता हूं कि 1,72,000 लोगों की वैकेंसी हम लोगों ने ओपन की और आने वाले छह महीने में हम 2,32,000 लोगों को नौकरी देने का काम करेंगे, यह राजस्थान की भजन लाल सरकार का विजन है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, पर्ची की बात चल रही है। पिछली सरकार के मैं कुछ किस्से याद दिलाना चाहता हूं। चाकसू से पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने सरकार पर आरोप लगाया था कि मेरा फोन टेप हो रहा है और मेरे साथ-साथ 9 लोगों का फोन टेप हो रहा है। ये लोग भूल गये उस बात को, जो एविडेंस के साथ उन्होंने सदन के अन्दर रखा था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इनके मुख्य मंत्री के ओएसडी, लोकेश शर्मा ने पब्लिक प्रेस के अन्दर पेन ड्राइव सामने रखकर यह कहा कि ये वो पेन ड्राइव है जिसमें सदन में बैठने वाले माननीय सदस्यों के फोन टेप कराकर गहलोत जी ने पूरे पांच साल के अन्दर राजस्थान के लोकतंत्र को शर्मसार करने का काम किया, वो फोन टेप कराने की बात करते हैं? हम तो एविडेंस के साथ बात करना चाहते हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं लोकेश शर्मा जी ने जब पेन ड्राइव सामने रखा तो माननीय मुख्य मंत्री अशोक गहलोत जी ने उनको फोन करके चुप कराने का काम किया। ये उसकी बात करते हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बात कर रहे थे लॉ एण्ड ऑर्डर की। माननीय सदस्य ने कल बहुत सारे किस्से सुनाये कि उन सालों के अन्दर क्या हुआ।

MLS/RTM/07.02.2025/14:30/2f

मैं कुछ घटनाएं आपके सामने याद दिलाना चाहता हूं। थानागाजी की घटना। माननीय सभापति महोदय, कांग्रेस के कार्यकाल में भरतपुर में 6 सिपाहियों की मौजूदगी में एक गैंगस्टर को पुलिस के हाथों से छुड़ाकर ले जाया जाता है। ये कांग्रेस की सरकार की घटनाएं हैं। माननीय सभापति महोदय, उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर। यह कांग्रेस का चरित्र दिखाता है। यह इस बात को दर्शाता है कि राजस्थान की पिछली सरकार ने राजस्थान को कैसा शासन दिया। जयपुर के शास्त्री नगर में एक बच्ची के साथ बलात्कार हो जाता है और अशोक गहलोत की सरकार में उसकी एफआईआर कराने के लिए हमें धरना देना पड़ता है, प्रदर्शन करना पड़ता है।

मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं बारां जिले की कमल सिंह की घटना, जिसमें फरीद अहमद व उसके साथियों ने कमल सिंह को चाकू मारे। उसकी एफआईआर कराने के लिए भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को धरना-प्रदर्शन करना पडा, क्योंकि वे जाति विशेष के लोग थे, वे इनके वोटर थे। अपने वोट बैंक बटोरने के लिए इन लोगों ने गरीब की एफआईआर तक नहीं होने दी। मैं मालपुरा की घटना को भी भूल नहीं सकता। मालपुरा में

हिन्दुओं पर अत्याचार करने वाले उस व्यक्ति विशेष समुदाय के लोगों को संरक्षण दिया और हमारे जुलूस को उसके बीच से नहीं जाने दिया।

मैं चूंकि एससी जाति वर्ग से आता हूं, हरीश जाटव की घटना को भी नहीं भूला जा सकता, जिसमें मॉब लिंचिंग के माध्यम से उसकी हत्या हुई और उसके बाद एक साल तक लगातार हमने धरने-प्रदर्शन किये तब जाकर हरीश जाटव के हत्यारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। माननीय, मैं आपका ध्यान 13 मई 2008 में सीरियल बम ब्लास्ट के दोषियों के खिलाफ जो कार्यवाही उस समय की सरकार ने की थी, 41 बार इनकी सरकार के अधिवक्ता कोर्ट में नहीं पहुंचे और उन्हें कोर्ट ने बरी कर दिया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात का अहसास दिलाना चाहता हूं कि पिछली सरकार कितनी गैर जिम्मेदार थी। ये लोग आज न्याय की बात करते हैं, मुझे लगता है, जब एक अंगुली हम दूसरे की तरफ उठाते हैं तो बाकी की तीन अंगुलियां हमारी तरफ भी उठती हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इतना जरूर याद दिलाना चाहूंगा, हिन्दुस्तान में पहली बार ऐसी घटना हुई थी, जब सचिवालय के कक्ष में एक अलमारी में 2 करोड़ 31 लाख रुपये मिलते हैं और साथ में 1 किलो सोना मिलता है। पता लगता है, वह सोना अशोक गहलोत ने रखवाया था, +++ ने रखवाया था। यह पता लगता है कि पिछली सरकार ने सिवाय भ्रष्टाचार के कुछ नहीं किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे इतना-सा निवेदन करना चाहता हूं कि पिछली सरकार के समय जितने अत्याचार दलितों पर हुए, वह भी एक बड़ा इतिहास बना। पूरे देश में राजस्थान दूसरे नम्बर पर था, अव्वल था, जिसमें महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं बढ़ीं, दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ीं। राजस्थान पूरे देश में दो नम्बर पर था। यह हमारे लिए शर्मसार होने वाली बात थी। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इतना जरूर कहना चाहूंगा कि यह सरकार, जो बार-बार यह कहती है कि एक साल में क्या किया, 2022 में 3 लाख 12 हजार 732 मुकदमे दर्ज हुए, जबकि हमारे कार्यकाल में एक साल के दौरान 2 लाख 98 हजार मुकदमे दर्ज हुए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, यह भजन लाल सरकार है। एक तुलना करेंगे तो आपकी समझ में आयेगा कि हमने क्राइम पर कंट्रोल करने का काम किया, हमने युवाओं को रोजगार देने का काम किया। यह भजन लाल सरकार है। 2022 में मुकदमे दर्ज होते हैं 2 लाख और हमारी सरकार के समय मुकदमे दर्ज होते हैं 1 लाख 59 हजार। यह भजन लाल सरकार है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे इतना जरूर निवेदन करना चाहूंगा कि इस एक वर्ष में हत्या के मामलों में 10.50 प्रतिशत की कमी आयी है, बलात्कार के मामलों में 19.50 प्रतिशत की कमी आयी है और डकैती के मामलों में 16.50 प्रतिशत की कमी आयी है। (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इतना-सा निवेदन करना चाहता हूं कि ये लोग सदन में आये हैं, लेकिन इनके मन में कहीं भी जनता के लिए दर्द नहीं है, इनके मन में यह भावना

नहीं है कि जिस उद्देश्य से इनके विधान सभा क्षेत्र से इन्हें जिताकर भेजा गया है, ताकि ये अपने क्षेत्र के मुद्दों की बात करें, लेकिन इनके मन में एक ही भावना है कि राजस्थान के सदन में बैठकर जो इनका चाल-चरित्र सामने आ रहा है, आने वाले विधान सभा चुनावों में जनता इसका परिणाम इन्हें सुनाने वाली है और फिर से 21 की संख्या में इन्हें बैठाने वाली है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः श्री गोपाल शर्मा।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बगरू से आने वाले सदस्य श्री कैलाश वर्मा जी के राज्यपाल महोदय के अभिभाषण प्रस्ताव पर समर्थन को मैं अपनी तरफ से समर्थन देता हूं और आदरणीय मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि जो काम वे कर रहे हैं, कम से कम हम नहीं करें।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारे बीच में टीकाराम जी जूली, डोटासरा जी, राजेन्द्र जी पारीक, हरिमोहन जी जैसे विद्वान और लम्बे समय से विधान सभा के अन्दर रहकर जनता के बूते आये सदस्य भी शामिल हैं, मैं उन सबको नमस्कार करता हुआ कुछ अपनी बातें कहना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इसमें कुछ हंसी-मजाक हो जाये तो एक कनिष्ठ साथी की बात मानकर, सुनकर माफ करियेगा।

एक मुद्दत से तमन्ना थी, रफीक साहब।

'एक मुद्दत से तमन्ना थी तुम्हें छूने की,
दूर रहकर न करो बात, करीब आ जाओ,
दूर रहकर न करो बात, करीब आ जाओ,
इस क़दर हमसे रूठने की जरूरत क्या है,
इस क़दर हमसे रूठने की जरूरत क्या है,
आज बस में नहीं जज्बात, करीब आ जाओ।
देखा है आपको कुछ इतने करीब से
देखा है आपको कुछ इतने करीब से,
चेहरे तमाम लगने लगे हैं मुझको अजीब से।।'

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे आश्चर्य हो रहा है कि बिल्ली कह रही है कि दूध की रक्षा मैं करूंगी। आदरणीय टीकाराम जी से शब्द मिलता हो तो माफ करेंगे। ऐसा ही डोटासरा साहब के साथ है। हमारे शेखावाटी के गांवों के अन्दर, मारवाड़ में भी होता होगा, मेवाड़ में भी होता होगा, टिड्डियों का दल आता था। पीपे बजाते रहते थे, लेकिन सब-कुछ नष्ट करके वह चला जाता था। मुझे दुःख होता है, 'टी' टीकाराम जी, डोटासरा जी, यह टिड्डियों का दल राजस्थान को छोड़ेगा या सब-कुछ लूट-पीटकर जाने का इरादा रखता है?

mkd/rtm/07.02.2025/14:40/2g

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैंने सदन के अन्दर ऊपर बैठकर पक्ष-विपक्ष के बहुत विद्वान लोगों की बातें सुनी हैं। भैरोसिंह जी की तो बात ही छोड़ दीजिये। आज परसराम जी मदेरणा को याद करता हूं। हमारी माननीय नेता प्रतिपक्ष, जो अनेक बार गरीबों की आवाज उठाते हैं, उनका व्यवहार देखता हूं तो तकलीफ होती है। सदन की मर्यादा को किस तरह तार-तार कर रहे हैं। राजस्थान की विधान सभा के इतिहास में इससे पहले वेल में जाकर नेता, प्रतिपक्ष कभी बैठे हों, शर्म करिये, शर्म करिये, शर्म करिये।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं, हमारे वरिष्ठ नेता आदरणीय राजेन्द्र पारीक जी ने पिछली बार मुझसे कहा कि मेरे भाई, ज्यादा नहीं बोला करो। मैंने उनकी बात मान ली, लेकिन आज जब उनको धृतराष्ट्र के पक्ष में बैठा हुआ इस तरह देख रहा हूं तो मेरी जुबान चुप हो जाती है। उनको बैठने की जरूरत है।

हमारी जन लेखा समिति में दोनों सदस्य नेता और वरिष्ठ साथी के रूप में बैठते हैं, हम कितना सम्मान देते हैं। प्रतिपक्ष क्या कमा रहा है, डोटासरा जी? आपको इतनी मेहनत करने से जनता ने इस तरह बैठाया है। आप किस चीज में लग गये? आप किस चीज में लग गये, डोटासरा साहब? इस कांग्रेस ने किसान के नेतृत्व को खत्म किया, किसानों के नेतृत्व को खत्म किया। आप चाहे मेरा पूरा भाषण मत सुनियेगा, दो लाइनें सुन लीजिये, सिर्फ दो लाइनें सुन लीजिये। जब कुम्भाराम जी आर्य ने इस्तीफा दिया तो कहा- थाम, पड़ौसी, झौंपड़ो, नित उठकर करतो राड, आधो बगड़ बुखारतो, आधो बगड़ बुहार। एक तरफ कुम्भाराम जी और दूसरी तरफ भ्रष्टाचार में सने इस प्रतिपक्ष के लोग।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाषण में विजन भी है, विश्वास भी है, विरासत भी है, विकास भी है और विनम्रतापूर्ण विश्वास भी है, बातें नहीं, प्रयास करेंगे, वादे नहीं विकास करेंगे। प्रधान मंत्री जी जिस दिन राइजिंग राजस्थान के अन्दर राजस्थान को रिलायबल शब्द देकर एक नई परिभाषा गढ़ रहे थे तो हमारे एक पूर्व मुख्य मंत्री कह रहे थे कि राइजिंग राजस्थान सफल नहीं होगा, राइजिंग राजस्थान सफल नहीं होगा, अपने बच्चे को बद्दुआ देने वाली यह कैसी कांग्रेस, अपने राजस्थान को श्राप देने वाली यह कैसी कांग्रेस। मैंने शेखावाटी की बात की, एक कहावत है कि कागला की बद्दुआ स ऊंट कोन्या मरे।

सुभाष जी बैठे होंगे, जानते हैं। हजार बिजलियां गिरें, लाख आंधियां उठें, वो फूल खिलके रहेंगे जो खिलने वाले हैं, जो खिलने वाले हैं, वो फूल खिलके रहेंगे।

विल पावर को वर्क पावर में बदलने का काम आदरणीय भजन लाल जी के नेतृत्व में हुआ। विल पावर को वर्क पावर में बदलने का काम प्रतिदिन 32 किलोमीटर सड़कों का विकास हो रहा है। हर दिन 25 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनाई जा रही हैं, रोज तीन गांव सड़कों से जुड़ रहे हैं। प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा नल कनेक्शन मिल रहे हैं। हर दिन औसतन 162 लोगों को सरकारी नौकरी मिल रही है।

कांग्रेस शासन में ...(समय समाप्ति सूचक घंटी)... नहीं-नहीं अभी कहां, अभी तो विपक्ष का

समय भी तो हमारे पास ही है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः दस मिनट दिये थे, बारह मिनट हो गये हैं। मेरे पास लम्बी सूची है। अब आप तो दूसरी बातों में..। आप दो मिनट में पूरा करिये।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): ठीक है, अभी तो शुरू ही नहीं हुआ है। कांग्रेस शासन ने कृषि में राजस्थान को सबसे पिछड़ा राज्य बनाया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट, जो जनवरी 2024 में आई, उसमें राजस्थान को भूजल स्तर में सुधार, बंजर भूमि का विकास, सिंचाई जल की गुणवत्ता में सुधार, मरुस्थलीय के समाधान की तलाश और सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता के आधार पर राजस्थान को सबसे नीचे नम्बर पर पाया गया। जिसको भजन लाल जी की सरकार आगे उठाने का काम कर रही है। आपकी कालीन देखेंगे किसी दिन, आपकी कालीन देखेंगे किसी दिन, इस समय तो पांव कीचड़ से सने हैं, इस समय तो पांव कीचड़ से सने हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

मैं अपनी बात खत्म करते हुए, आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के बजट में राजस्थान के इतिहास में, 75 सालों के इतिहास में, पहली बार कहा गया है कि बलुआ पत्थर के खनन के कारण राजस्थान में बड़े पैमाने पर व्याप्त सिलिकोसिस बीमारी के प्रबन्धन में राज्य सरकार ने नया मानदंड कायम किया है। राजस्थान सरकार सिलिकोसिस के निदान को कारगर बनाने के लिए डिजिटल एक्स-रे, टेली-रेडियोलॉजी और एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही है। यह पंच गौरव से पंचमुखी विकास की तरफ आगे बढ़ रही है। धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः एक बार पुनः सदस्यों से, विपक्ष से अपील है कि अपनी सीटों पर चले जायें, राजस्थान की 8 करोड़ जनता आपका यह व्यवहार देख रही है। एक बार पुनः आपसे अपील है कि आप अपनी-अपनी सीटों पर चले जायें। श्री शंकर सिंह रावत।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): सभापति महोदय, आपने मुझे महामहिम महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका ह्रदय से आभार।

सभापति महोदय, यह राजस्थान विधान सभा के पवित्र मन्दिर में जिस प्रकार का दृश्य राजस्थान की आठ करोड़ जनता देख रही है, प्रतिपक्ष के नेता भी बैठे हुए हैं, मेरा सुझाव है कि इतिहास में पहली बार कोई प्रतिपक्ष का नेता धरने पर बैठा है और हाउस चल रहा है। आपको इससे अच्छा नहीं कहेंगे। आपको तुरन्त उठकर अपने स्थान पर बैठना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार ये लोग अपना कीमती समय गंवा रहे हैं और हमेशा केन्द्र सरकार को, राज्य सरकार को, माननीय भजन लाल जी के ऊपर इस प्रकार की टिप्पणियां करके आपको शर्म आनी चाहिए। आपको गिरोबां में झांककर देखना चाहिए कि आपकी सरकार पिछले कार्यकाल में क्या कर रही थी।

आपको राजस्थान की जनता टुकर-टुकर देख रही है। मैं आपको यह बात बताना चाहता हूं, आप ध्यान से सुनें। राजस्थान हो या देश के अन्दर जो लोग बीजेपी को चुनते हैं, वो कोई एमएलए या एमपी का प्रचार नहीं करते हैं, वो देश के अन्दर राष्ट्र हित की बात करते हैं। इसीलिए आपको जेलेसी है, आपको जेलेसी है नरेन्द्र मोदी जी से, आपको जेलेसी है भजन लाल जी से, ऐसा क्यों हो रहा है, थोड़ा आप समझें, राष्ट्र विरोधी हैं।

मैं कहना चाहता हूं, गुजरात दुनिया में एक ऐसा स्टेट है जिस प्रदेश के अन्दर हिन्दू भी रहते हैं और मुसलमान भी रहते हैं, लेकिन तीस साल ऐसे हो गये कि वहां पर कोई दंगा नहीं हुआ, क्योंकि वहां मुसलमान नहीं है।

Bhs/Rtm/07.02.25/14.50/2h

माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार का यह व्यवहार कर रहे हैं इनको समझना चाहिये और इनको मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार से घुसपैठिये को बैठा करके कांग्रेस शासन के अन्दर जो इस देश की हालत की है वो दुनिया देख रही है। 70 साल तक इस कांग्रेस के शासन ने जितने भी जो प्रधान मंत्री बने हैं उन सबको डरा-डरा कर रखा। धारा 370 मत छूना, तीन तलाक मत छूना, राम मन्दिर को मत छूना लेकिन एक दिन ऐसा आया कि मोदी जी आ गये और नतीजा आपके सामने देख रहे हो। जिन्हें लगता है कि मोदी जी को हम पेट्रोल और डीजल की रेटें कम करने के लिए लाये हैं, लहसुन और प्याज की रेटें कम करने के लिए लाये हैं, भजन लाल जी को पेट्रोल और डीजल के लिए लाये हैं वो कान खोल कर सुनें। आज जब से भजन लाल जी आये हैं अपराध भी कम हुए हैं और विकास की गंगा बह रही है। आपकी आंखों को खोल कर देखना चाहिये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के शासन में जिस प्रकार एक ही नारा लग रहा था और हिन्दुस्तान पाकिस्तान से परेशान था और आज मोदी जी आने के बाद आपको पता लगना चाहिये कि पाकिस्तान खुद परेशान है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार इनकी कांग्रेस की सरकार ने जब हम किसी भी इतिहास को उठा कर देखते हैं तो जब भी कहते हैं चाहे स्कूलों में हो, अकबर महान था, बाबर महान था। मैं पूछना चाहता हूं कि ये अकबर और बाबर महान कहां से आ गये? मैं यह कहना चाहता हूं, अध्यक्ष महोदय, 1947 से 1977 तक जो भी शिक्षा मंत्री रहे उनका नाम मैं गिनाना चाहता हूं मोहम्मद आजाद, हुमायूं कबीर, मोहम्मद करीम चंगला, फखरुद्दीन अली अहमद, नजूर हसन, अब आपको पता लग गया होगा कि अकबर और बाबर महान कैसे हुए। हिन्दुस्तान के ऊपर अगर कोई अन्तिम हिन्दू बादशाह था तो उसका नाम है सम्राट पृथ्वीराज चौहान। मौहम्मद गौरी को 16 बार हराया और 17वीं बार धोखे से पकड़ा गया। तब भी उसने हार नहीं मानी। उन जगहों पर उनको भी आपने छुपा दिया। वो महान नहीं थे? आपकी नजर में सिर्फ बाबर और अकबर महान थे। ऐसा नहीं करना चाहिये। अब देखो, कहीं जमीन की खुदाई करो तो आपको खुदाई के अन्दर राम के मन्दिर के पत्थर मिलेंगे, अवशेष

मिलेंगे और घोटालों की खुदाई करो तो कांग्रेस निकलती है नीचे से और कांग्रेस की खुदाई करो तो मुगल और पठान निकलेंगे अन्दर से।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मोदी जी के आने के बाद पता चला कि अजमेर भी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की नगरी है अन्यथा इससे पहले तो ख्वाजा साहब की नगरी ही कहा जाता था। मैं इनको कहना चाहता हूं कान खोल कर सुनें, विकास की गंगा जो भजन लाल जी ने बहायी है इसको आप देखें। आरोप लगाना आपके अन्दर एक मिनट में आ जाता है। आप अपने बच्चों को किसी भी स्कूल में पढ़ाना लेकिन एक बार जरूर आप याद रखना उनको कहना राम मन्दिर के विरुद्ध में इस कांग्रेस ने चौबीस वकील खड़े किये थे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार आज ये ''राम का नाम लेकर के राम-नाम जपना और पराया माल अपना' यह गीत गा रहे हैं। इसलिये इनको सोचना चाहिये। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: थोड़ी सुमति आप भी ले लो।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): बिल्ली सौ चूहे खाने के बाद हज करने चली है। माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार इन्होंने पिछले कार्यकाल में जो पाप किये उसका प्रायश्चित करना चाहिये और जिस प्रकार अपराध जो हुए थे इनके टाइम में उनके ऊपर इनको ध्यान देना चाहिये। उनके अपराध के आंकड़े 2019 में 42,740 महिलाओं पर अत्याचार और 2020 के अन्दर 35,963, 2021 में 42,757 और 2022 में 47,105, 2023 में 46,348 और हमारे भजन लाल जी की सरकार आने के बाद में, कान खोल कर सुनो, दुष्कर्म और हत्या के मामले में 26.67 प्रतिशत की कमी आयी है। हत्या के मामलों में 15.25 प्रतिशत की कमी आयी है। कान खोल कर सुनो। डकैती के अन्दर 13.3 प्रतिशत की कमी आयी है। लूट के मामलों में 30.36 प्रतिशत की कमी आयी है। चोरी और डकैती के मामले में 34 प्रतिशत की कमी आयी है और दुष्कर्म के मामले में 34 प्रतिशत की कमी आयी है और कोई न कोई अच्छे काम की सोच रखो।

हमारी सरकार ने मैं माननीय भजन लाल जी को और धन्यवाद देता हूं कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म के ऊपर इन्होंने राजस्थान में टैक्स माफ किया। पूरे हिन्दुस्तान में पहली सरकार है राजस्थान की जिसने टैक्स माफ किया। दूसरे नम्बर पर यू.पी. में हुआ था लेकिन राजस्थान पूरे देश में फर्स्ट नम्बर आया उसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं और आपकी सरकार का कारनामा बताऊं अब सुनिये आप। कांग्रेस की सरकार के समय पिछले कार्यकाल में छपाक फिल्म के ऊपर टैक्स माफ किया था और मैंने प्रश्न लगाया था कि इस मुख्य मंत्री से पूछा जाये कि छपाक फिल्म में ऐसी क्या चीज आ गई थी जो राजस्थान के पैसों के आपने टैक्स में लगा दिया। इनको पता है छपाक फिल्क टुकड़ा-टुकड़ा गैंग के लोगों को बचाने के लिए उस देश को राजस्थान में दिखाने के लिए टैक्स माफ किया गया था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इनको शर्म आनी चाहिये यह राजस्थान की आठ करोड़ जनता आपको देख रही है, आपके नाटक को देख रही है। ऐसा नहीं करना चाहिये। उन्होंने बड़ी मेहनत करके भेजा है आपको यहां उनका भविष्य सुधारने के लिए लेकिन आप उनका

भविष्य बिगाड़ने के लिए जा रहे हो आपको सोचना चाहिये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे दो मिनट का समय और देना आप। मैं निवेदन यह करना चाहता हूं कि कांग्रेस के कुकार्यकलाप और इनकी कार्यशैली से जो सबूत छोड़ कर गये हैं राजस्थान में उनके ऊपर हमें ध्यान देना चाहिये।

आज माननीय मुख्य मंत्री जी जवाब देंगे उस समय मेरा एक छोटा-सा निवेदन रहेगा कि राजस्थान में जिस प्रकार यह जो गाड़ियों के अपराध, साइबर क्राइम हो रहे हैं। साइबर क्राइम कांग्रेस की देन है, इनकी टाइम में ही शुरुआत हुई थी लेकिन आपसे आग्रह है कि इसके ऊपर कंट्रोल करें और इनके ऊपर ध्यान देते हुए इनको निपटायें।

(समय: बजे)

(श्री फूल सिंह मीणा, सभापति, पदासीन।)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज जेलों के अन्दर मोबाइल ये छोड़ कर गये हैं और यह सिखा कर गये हैं उन लोगों को। अपराधी गैंग्स बनी हुई हैं, उनके ऊपर लगाम लगानी है। फर्जी पट्टे ग्राम पंचायतों में हजारों कांग्रेस के टाइम में दर्ज हुए हैं और मैंने पिछले कार्यकाल में भी इस मामले को उठाया था लेकिन ये लोग मिल करके एक भी किसी अपराधी को पकड़ने में कामयाब नहीं हुए और इन गैंग्स से सेटिंग करके उन अपराधियों को बचाने का काम किया है।

सभापति महोदय, पुलिस में बीट प्रभारी हैं और बीट प्रभारी की ड्यूटी एस.पी. को लेकर के उनको कार्यशैली देनी चाहिये जिस प्रकार कलेक्टर पटवारियों की मीटिंग लेकर के, उस पटवारी को मालूम है कि हमारा कितना अपराध है।

Kas/rtm/07.02.2025/15.00/2j

पटवारी को मालूम है कि मेरे पटवार क्षेत्र में कितने लोगों ने जमीन पर अतिक्रमण किया है। इसी प्रकार बीट प्रभारी को पता है कि मेरे इस बीट में कितने लोग अपराधी प्रवृत्ति के हैं। अगर यह रखेंगे, तो निश्चित रूप से बदमाश लोग पकड़े जायेंगे।

दूसरा, मैं यह कहना चाहता हूं ....(व्यवधान).... सभापति महोदय, हमारे शासन में जो गाड़ियों की हैड लाइट पर लाल पट्टी लगाते थे, उसको कांग्रेस के शासन में बंद कर दिया गया। मेरा माननीय मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि सख्ती से हर गाड़ी की हैड लाइट पर ब्लैक लाइट होनी चाहिये, ताकि सामने वालों को फोक्स नजर नहीं आये और एक्सीडेंट से बचत हो सके। गाड़ियों पर काला कांच लगाकर अपराधी खुले आम घूम रहे थे, इस पर भी रोक लगनी चाहिये, इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री सभापति: अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): अपराधी मुंह पर कपड़ा बांध कर घूम रहे हैं, बिना नंबर की गाड़ियों में घूम रहे हैं, इस पर अंकुश होना चाहिये। ऐसा नहीं है कि पुलिस काम नहीं कर रही है, पुलिस काम भी करती है। मैं ब्यावर में लगे पुलिस कर्मियों को और एस.पी. को

धन्यवाद देना चाहता हूं। हमारे वहां सुरेश वैष्णव की शादी में कडिया गैंग के लोग लाखों रुपये का सामान लेकर चले गये। मैं धन्यवाद देता हूं उस एस.पी. को, जिन्होंने पुलिस भेज कर एम.पी. में कडिया गांव से उस माल को वापस लाकर सुपुर्द किया।

श्री सभापतिः समाप्त कीजिए।

श्री शंकरसिंह रावत (ब्यावर): और कडियां गैंग के लोग सामने बैठे हुए लोगों के परिवार के लोग थे। माननीय सभापति महोदय, मैं कांग्रेस से कहना चाहता हूं कांग्रेस और काल और कांग्रेस और कंछ, क्या बात कर रहे हैं। इसलिए आप इस राशि से बचे, यह जहां भी होगी, आपको तकलीफ देगी। माननीय सभापति महोदय, मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिये मौका दिया, उसके लिये पुनः मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। भगवान इनको सद्बुधि दे, धन्यवाद।

श्री सभापतिः डा.प्रियंका चौधरी।

डॉ. प्रियंका चौधरी (बाड़मेर): धन्यवाद सभापति महोदय, आपने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिये मुझे वक्त दिया। माननीय सभापति महोदय, यह सदन लोकतंत्र का पवित्र मन्दिर है और यहां आदरणीय स्वर्गीय भैरोंसिंह जी शेखावत साहब, आदरणीय रामनिवास जी मिर्धा, नाथूराम जी मिर्धा, परसराम जी मदेरणा, गुलाब चन्द जी कटारिया, वसुंधरा राजे जी, कैलाश जी मेघवाल, ऐसे अनगिनत नेताओं ने राजस्थान का स्वर्णिम इतिहास रचा है। मैं मानती हूं कि एक बार पुनः पूरे विश्वास के साथ आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा के नेतृत्व में हमारा राजस्थान स्वर्णिम इतिहास रचने जा रहा है।

सभापति महोदय, आदरणीय पूर्व मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे जी के कार्यकाल में हमारा राजस्थान प्रदेश पूरे देश में अग्रणी था, विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम स्थान पर था। अगर विगत पांच सालों की बात करूं तो सब जानते हैं कि पिछले पांच सालों में प्रदेश का क्या हाल था। मैं आज आठ करोड़ प्रदेशवासियों की तरफ से आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगी कि आज हमारा राजस्थान फिर से सौर ऊर्जा क्षमता विकास में प्रथम स्थान पर है। अक्षय ऊर्जा में द्वितीय स्थान पर है। इंटिग्रेटेड पोर्टल राज किसान साथी डिजिटल कैटेगिरी में दूसरे स्थान पर है। 'ई-नाम' योजना में प्रथम स्थान पर है। प्रधान खनिजों के ब्लॉक ऑक्शन में देश में प्रथम स्थान पर है और यह हमारे लिये बहुत ही गौरवशाली पल है।

माननीय सभापति महोदय, जब राइजिंग राजस्थान की बात करते हैं तो मैंने पक्ष और विपक्ष, सभी माननीय सदस्यों के विचार सुने। सबसे पहले तो मैं आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगी कि उन्होंने अपने कार्यकाल के प्रथम साल में एक चुनौती को स्वीकार करते हुए एक संकल्प के साथ इतना बड़ा सफल आयोजन किया। मैं मानती हूं कि ये देश में पहले मुख्य मंत्री होंगे, जिन्होंने अपने प्रथम कार्यकाल में इस तरह का आयोजन किया। मैंने सुना कि कुछ लोगों ने कहा कि न नीति है, न नीयत है,

न विजन है। नीति, नीयत और विजन समझने के लिये खुद में भी विजन होना चाहिये। आज मुख्य मंत्री भजन लाल जी का विजन है कि विकसित भारत के साथ विकसित राजस्थान हो। उनकी नीयत है कि राजस्थान में जो विकास और प्रगति की अपार संभावनाएं हैं, उसको राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले और जो हमारे आठ करोड़ प्रदेशवासी हैं, उनको विकास का वरदान मिले, यह आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा की सोच, उनकी नीति, उनका विजन है।

सभापति महोदय, मैं बाड़मेर जिले से आती हूं, बाड़मेर जिले की बात करूं तो वहां 22 हजार करोड़ के 121 एमओयू किये गये हैं और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं इससे बाड़मेर को अब विकास की नई कहानी लिखने का अवसर मिलेगा।

सभापति महोदय, एक और आरोप मैंने सुना, हमारे कई माननीय सदस्यों ने आरोप-प्रत्यारोप के समय यह कहा कि योजनाओं के नाम मात्र बदलने के काम किये गये। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान की समस्त जनता को यह बताना चाहूंगी कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने एक साल में कई नई योजनाओं की शुरूआत की है, जिससे प्रदेश के हर वर्ग, चाहे महिला हो, चाहे युवा हो, चाहे किसान हो, गरीब हो, पीड़ित हो, सबको विकास के नये अवसर मिले हैं। यह तो तभी पता चलेगा जब हम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को गौर से पढ़ेंगे। मैं तो यह कहना चाहूंगी कि लोकतंत्र के इस मन्दिर में जनता ने पूरे विश्वास के साथ हमें यहां ईमानदारी से काम करने के लिये भेजा है तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम उस अभिभाषण में जो सरकारी योजनाएं हैं, उनको पढ़कर जनता तक पहुंचाये, ताकि जनता को इनका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड, मंगला पशु बीमा योजना, राज किसान साथी, ई नाम योजना, लाड़ो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना, मुख्यमंत्री आई स्टॉर्ट योजना, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन -2 योजना, स्पोर्ट लाइफ इंश्योरेंस स्कीम और ऐसी अनगिनत स्कीम्स हैं, लेकिन अगर हम जनता को लाभ देने के लिये, राजस्थान के विकास की नीयत से हम प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से इन योजनाओं की जानकारी हमको होगी।

सभापति महोदय, मैं मरूस्थलीय क्षेत्र से आती हूं। मैं धन्यवाद देना चाहूंगी आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को, जिन्होंने जेजेएम स्कीम के तहत गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पानी पहुंचे, इसके लिये प्रयास किये। लेकिन पिछली सरकार ने जो कार्य किया, आज गांवों की यह हालत है कि किसान पानी के लिये दर-दर भटक रहा है। मैं एक बार पुनः आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा को धन्यवाद दूंगी कि जेजेएम स्कीम, जिसका कार्यकाल 2023 तक था, उसका विस्तार करके 2024 किया, लेकिन अभी भी चूंकि कार्य पूरा नहीं हुआ है तो उन्होंने प्रयास किया और इस योजना को 2028 तक बढ़वाया, इसके लिये उनको धन्यवाद। मुझे विश्वास है कि बाड़मेर के जो वंचित गांव हैं, राजस्थान के जो वंचित गांव हैं,

वहां पानी पहुंचेगा।

सभापति महोदय, मैं धन्यवाद देना चाहूंगी मुख्यमंत्री जी को कि अमृत-2 योजना के तहत उन्होंने बाड़मेर शहर को 46.33 करोड़ रुपये दिये और इससे शहर और आस-पास की आबादी को पीने का पानी मिलेगा। नगर परिषद सीमा का विस्तार करने का जो निर्णय किया गया, इसके लिये भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगी। माननीय मुख्य मंत्री जी हम सभी को यह प्रेरणा देते हैं कि जिंदा रहकर जिंदा रहना है या मर कर भी जिंदा रहना है। मुझे पता है कि नगर परिषद बाड़मेर सीमा का विस्तार जो पिछले 52 वर्षों से नहीं हुआ है, वहां जो आस-पास आबादी बसी है, उनको नगर परिषद ने पट्टे दे दिये, लेकिन आज भी वहां मूलभूत सुविधाओं का विकास नहीं हो पाया है, तो मुझे पूरा विश्वास है कि बाड़मेर नगर परिषद का विस्तार आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा और मंत्री महोदय खर्रा जी जरूर करेंगे और बाड़मेर की जनता को उसका हक मिलेगा।

मैं धन्यवाद देना चाहूंगी मुख्यमंत्री जी को क्योंकि हमारे राजस्थान में लू-तापघात के बहुत सारे किस्से होते हैं, हमारे यहां गर्मी बहुत ज्यादा है।

Msk/rtm/07.02.25/1510/2k

और सभी परेशानियों को ध्यान में रखते हुए लू-तापघात को राज्य विशेष प्राधिकृत आपदा घोषित किया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। रिफाइनरी की बात करें तो रिफाइनरी हमारे बाड़मेर एवं बालोतरा के लिए ही नहीं, पूरे राजस्थान और हमारे देश के लिए भी एक बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। मुख्य मंत्री जी ने जब बाड़मेर रिफानरी की विजट की तो उसके बाद कार्यों में गति आयी है। 85 परसेंट काम पूरा हो गया, उसके लिए धन्यवाद। लेकिन मैं मुख्य मंत्री जी से यह आग्रह करना चाहूंगी कि जो तेल निकलता है, वह बाड़मेर जिले से निकलता है। रिफानरी बालोतरा जिले में है। तो वहां के युवाओं को प्रशिक्षण मिल सके, रोजगार मिल सके, इसके लिए जो पैट्रो कैमिकल यूनिवर्सिटी है, उसकी स्थापना बाड़मेर जिले में की जाए और एक ऐसी टीम बनायी जाए कि चाहे वहां स्किल्ड लेबर चाहिए या अन-स्किल्ड चाहिए या सर्विस प्रोवाइडर चाहिए या टैक्निकल बच्चे चाहिए, तो उसमें बाड़मेर और बालोतरा जिले के लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अभी वहां युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। मैं मानती हूं कि अगर सरकार प्रशासनिक स्तर पर मॉनिटरिंग करेगी तो निश्चित रूप से बाड़मेर के युवाओं को उनका हक मिलेगा।

अभी शिक्षा की बात हो रही थी। बायतू से आने वाले हमारे आदरणीय विधायक श्री हरीश जी चौधरी ने भी शिक्षा की बात की कि शिक्षा कैसी होनी चाहिए। 21वीं सदी की शिक्षा के बारे में बात की। मैं आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने भी 21वीं सदी की शिक्षा कैसी होनी चाहिए, उसको ध्यान में रखते हुए नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लेकर आये और इसी के अन्तर्गत पीएम श्री योजना की शुरूआत की। मैं मरुस्थलीय इलाके से आती हूं। जहां बच्चे दूर-दूर ढाणियों में रहते हैं। आज वे अच्छे आधुनिक उपकरण

से सुसज्जित स्कूलों में पढ़ रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। मेरे बाड़मेर विधान सभा क्षेत्र में पीएम श्री योजना के अन्तर्गत 3 स्कूलें हैं। मैं आग्रह करना चाहूंगा कि इसकी संख्या बढ़ायी जाए, क्योंकि बहुत बड़ा भू-भाग है, बहुत बड़ा क्षेत्रफल है। इसलिए संख्या बढ़ायी जानी बहुत जरूरी है। मैं आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी को धन्यवाद देना चाहूंगी, जिन्होंने पहली बार सैनिक स्कूल में बेटियों के दाखिले की इजाजत दी और इससे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का जो अभियान है, उसको और मजबूती दी।

अन्त में, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करती रामधारी सिंह दिनकर जी की यह पंक्तियां समर्पित करना चाहूंगी:-

वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें, आगे क्या होता है।

धन्यवाद।

श्री सभापतिः सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 15.13 बजे 15.28 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

mdp/07.02.25/15:20/2l

(समय:15.28 बजे)

पुनः समवेत होने पर

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

सदन कूप में

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यों से एक बार पुनः आग्रह है कि अपनी सीटों पर जाएं। सदन की कार्यवाही चलने दें। 15 मिनट स्थगित करके इनके नेताओं को हमने बुलाया बातचीत के लिए। लगता है कि ये बात नहीं करना चाहते, सदन में भाग नहीं लेना चाहते और पूरा व्यवधान डालकर सदन की गरिमा को आप गिरा रहे हैं।

आपसे पुनः निवेदन है कि अपनी सीटों पर जाएं और सदन की कार्यवाही चलने दें। विपक्ष का नेता भी बोलें और सदन के नेता भी बोलें। सरकार ने भी आपसे दो बार, तीन बार और आज सुबह से मैं अपील भी कर रहा हूं और आपको बातचीत के लिए भी बुलाया है। आप लोग बातचीत नहीं करना चाहते हैं, इसके बाद हमारे पास कोई समाधान नहीं है। सदन की कार्यवाही हम शुरू करते हैं। आप कहिए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से तीन बार प्रयास हुए। कोई कारण नहीं, कोई नियमों में, प्रक्रिया में नहीं, उसके बावजूद भी विपक्ष के साथी अनावश्यक रूप से अनर्गल बातें कर रहे हैं। बार-बार कहने के बावजूद भी न बात करने को तैयार हैं, न लेने को तैयार हैं। संसदीय परम्पराओं की पूर्ण रूप से अवहेलना कर रहे हैं। कोई मुद्दा नहीं है, कोई तथ्य नहीं है, बात करने को तैयार नहीं हैं। इसीलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलायी जावे।

श्री अध्यक्ष: श्री हरिसिंह रावत।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): अनेक बार कहने के बावजूद भी कोई बात करने को तैयार नहीं है। हठधर्मिता है। सिर्फ एक है कि आज जूली साहब नेता प्रतिपक्ष का भाषण नहीं हो जाए, इसलिए प्रदेश के अध्यक्ष चाहते हैं कि इनका भाषण नहीं होना चाहिए और इन दोनों की खींचतान में विपक्ष पूरा उलझा है।

श्री अध्यक्ष: श्री हरिसिंह रावत।

Ans/rtm 15.30 2m 07.02.2025

अभिभाषण

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद

श्री हरिसिंह रावत (भीम): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।जैसा कि आप सभी को विदित है कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने सरकार द्वारा पिछले एक वर्ष की विकास का जो पिटारा खोला वह जग जाहिर है।

सबसे पहले में बात करना चाहता हूँ, हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा ने औद्योगिक विकास हेतु एक समृद्ध राजस्थान का एक प्रोग्राम सृजित किया और राइजिंग राइजिंग नाम से करीब 35 लाख करोड़ रूपये की सौगात उन्होंने राजस्थान को दिलाई, इसके लिए मैं उनका बहुत- बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। वैश्विक समिट के सफल आयोजन के कारण हमारा राज्य देश का अग्रणी राज्य बनेगा तथा इससे राज्य व देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। हमारी सरकार का एक साल के मध्य समिट करने का जो उद्देश्य है वह आगामी 4 साल में रोजगार व राज्य को अग्रणी श्रेणी में लाने के लिए उठाया हुआ एक कदम है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछली बाडेबंदी कांग्रेस सरकार, जो आज सामने चिल्ला रही है, कुछ काम कर नहीं रही है, जनता को भ्रमित करने के लिए खड़ी है। सरकार द्वारा सिर्फ राजस्थान को पिछडा, भ्रष्टाचार, भय, भूख, आतंकवाद, भू माफिया, रेपिस्ट और सबसे बड़ा जो सामने बैठे है नाथी बाई के बाड़े में, उन्होंने पेपर लीक का एक अलख जगाया जिससे आज पूरा राजस्थान को इस समझ सका कि वास्तव में आज हमारी हालत क्या है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा ने दूरदर्शी सोच को मूर्त रूप देते हुए, सरकार के प्रथम वर्षगांठ पर, पूर्वी राजस्थान के लिए रामजल सेतु लिंक

परियोजना लागू की, जिससे कई वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या से राजस्थान के लोगों को निजात मिलेगी। पूर्व में भी कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी लेकिन व क्रियान्विति नहीं हो सकी। मैं हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने खुद यहां आकर इस योजना को मूर्त रूप दिया और इसका श्री गणेश किया।

उक्त परियोजना के सरकार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 12 हजार करोड़ रूपये से अधिक के कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है, जो कि हमारी सरकार का सराहनीय कदम है।

पूर्व में कांग्रेस की घोटाला सरकार द्वारा नल से जल पहुचाने की योजना बनाई थी जेजेवाई से इसमें भ्रष्टाचार, अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि जेजेवाई योजना के माध्यम से इन्होंने कुएं खुदवाए, टंकी बना दी, पाइप लाइन डाली, मोटर लगा दी लेकिन कुएं में एक बूंद पानी था, केवल फर्जी बिल उठाकर लोगों को भ्रमित किया गया।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार द्वारा उक्त जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पूर्व सरकार द्वारा की गई स्थिति को सुधारने के लिए रचनात्मक कार्य किए गए और योजना का संचालन किया, जिससे 04 हजार 951 गाँवों को अभी तक लाभान्वित कर दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस सरकार ने कोई काम नहीं किया। एक कहावत चरितार्थ होती है।

'बरबाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी है,

हर डाल पर उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा।'

वह हश्र इस कांग्रेस सरकार का है।

अध्यक्ष महोदय, मैं शिक्षा की बात करुँ। शिक्षा के क्षेत्र में यदि हमारी सरकार की बात की जाएं तो हमारी सरकार द्वारा पिछले 1 वर्ष के कार्यकाल के दौरान विद्या के मंदिरों में चरित्रवान और संस्कारित पीढ़ी तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में पीएम श्री योजना एक मील का पत्थर साबित हुई है, जिसमे आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं विकसित कर राजस्थान के प्रत्येक विद्यार्थी को पढ़ाई के साथ कौशल विकास उपलब्ध करवाने का काम भी किया जा रहा है।

उच्च गुणवत्ता शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लास रूम राज्य में स्थापित किये गए है, जो कि एक सराहनीय कदम है तथा इसी वित्तीय वर्ष में लगभग 33 हजार मेघावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किया जाना एक सराहनीय कदम है। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली 2 लाख 75 हजार बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई है। छोटे शहरों के विद्यार्थियों के लिए इस वित्तीय वर्ष में 37 नए राजकीय महाविद्यालय व 12 महाविद्यालयों को स्नातकोत्तर में क्रमोन्नत किया जा रहा है। राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 वीं तक विद्यार्थियों को 4 करोड़ से अधिक पाठ्य पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं सड़क की बात करना चाहूंगा। राज्य में सड़कों के विस्तार के लिए

हमारी सरकार द्वारा व्यापक कदम उठाये जा रहे है। एक वर्ष में 14 हजार 679 करोड़ रूपये व्यय कर 8 हजार 868 किलोमीटर नवीन सड़कें तथा 11 हजार 602 किलोमीटर लंबाई में राज्य सड़कों का विकास किया जा रहा है। 1 हजार 40 गाँवों को नवीन सड़कों से जोड़ा गया है। ग्रामीण सड़क तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए 200 विधानसभा क्षेत्र में 01 हजार करोड़ रूपये की लागत से मिसिंग लिंक और नॉन पेचेबल सड़कों के 1 हजार 631 कार्य प्रारम्भ किए जा रहे है। 10 हजार से अधिक आबादी वाले गाँवों में अटल प्रगति पथ बनाए जा रहे है। सुगम परिवहन के लिए 28 आरयूबी व आरओबी के 33 निर्माण कार्य किये जा रहे है। क्षतिग्रस्त सड़कों को दुरुस्त करने के लिए 964 करोड़ रूपये की स्वीकृति की जा चुकी है। इसी अनुरूप मेरे विधान सभा में देवगढ़ से भीलवाड़ा रोड़ तक 20 करोड़ के माध्यम से, 20 किलोमीटर सड़क चौड़ाईकरण का काम प्रारम्भ कर दिया गया है। उसी के अनुरूप आंजना से लेकर जगदीस तक भी साढ़े सात मीटर चौड़ा एक ऐतिहासिक रोड़ बनाकर, हमारे क्षेत्रवासियों को सौगात दी जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं ऊर्जा के बारे में बताना चाहता हूं। हमारे मुख्य मंत्री जी का एक सपना है कि मेरा राजस्थान ऊर्जा के सम्बन्ध में एक आत्मनिर्भर राज्य बने। उसी अनुरूप हमारी सरकार प्रदेश के लोगों को 24 घंटे बिजली सेवा उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है। गत सरकार की प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में खस्ताहाल कर दिया थी। उससे उभरते हुए हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान समिट कर पावर सेक्टर में एमओयू किये गये है तथा प्रदेश में सोलर पार्कों की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में वर्ष 2027 तक किसानों को 24 घंटे लाइट देने का हमारा संकल्प है, वह हम पूर्ण करने जा रहे हैं। हम यहीं नहीं रूकेंगे, 2027 तक हमारे भजनलाल जी का सपना है कि ऊर्जा के माध्यम से हम आत्मनिर्भर बने।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों को सौर ऊर्जा से जोडने का काम भी सरकार द्वारा गति से किया जा रहा है। मेरी विधान सभा में भी 220 केवी जीएसएस की स्थापना की जा रही है और 33 केवी जीएसएस की भी स्थापना की जा रही है, इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। सोलर पार्क की स्थापना भी हमारे क्षेत्र में होने जा रही है, मैं समझता हूं कि हमें बहुत बड़ी सौगात मिलने जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं चिकित्सा के सम्बन्ध में थोड़ा प्रकाश डालना चाहता हूं। जयपुर में कैंसर के बेहतर उपचार के लिए आधुनिक लीनियर ऐक्सीलेटर मशीन प्रारम्भ हो गई है तथा इसी के साथ अजमेर, कोटा व श्री गंगानगर में भी यह सुविधा प्रारम्भ कर दी गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत अभी तक प्रदेश के 01 करोड़ 34 लाख से अधिक परिवारों को इस योजना में पंजीकृत किया है, जिसमें से प्रतिदिन औसतन 8 हजार 200 से अधिक मरीजों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य, माननीय भाटी जी, भाटी जी वैल में नहीं आते, आप पुराने है।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): वाजिब दरों में दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार ने 236 नवीन प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों को खोला गया है। आधार चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए 6 उप जिला चिकित्सालय, 6 सैटेलाइट चिकित्सालय तथा 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया गया है। जिसमें मेरे देवगढ़ में भी एक उप जिला चिकित्सालय खोला गया, इसके लिए मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

इसी के साथ चार नवीन सैटेलाइट चिकित्सालयों की स्थापना की गई है। तथा तीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को सैटेलाइट अस्पताल में क्रमोन्नत किया जा रहा है। प्रदेश के 41 उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में व 43 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में तथा 43 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया जा है। पिछले एक वर्ष में चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के 15 हजार 500 से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी है। वर्तमान में 22 संवर्गों के 8 हजार 256 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): अध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा कि फार्मर रजिस्ट्री अभियान आज से ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर लगाए, तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रारम्भ कर दिए गए हैं। इसके माध्यम से मेरा एक सुझाव है कि मेरी विधान सभा में राजस्व में पूर्व में जो रिकार्ड में आबादी भूमि दर्ज थी जिसका सेटलमेंट विभाग द्वारा गफलत से उस भूमि को बिलानाम दर्ज कर दिया गया था, जबकि मौक़े पर आबादी बसी हुई है एवं पूर्व रिकार्ड भी आबादी भूमि में दर्ज है। (समय समाप्ति सूचक घंटी) ऐसी स्थिति में वर्तमान में ग्रामीणों को आबादी भूमि के आवासीय पट्टे नहीं मिल पा रहे हैं। साथ ही कई काश्तकारों को निजी खातेदारी भूमि को सेटलमेंट विभाग द्वारा हेराफेरी कर उसे बिलानाम कर दिया गया है एवं बिलानाम को खातेदारी भूमि में दर्शा दिया गया है। इतना ही नहीं सामलाती भूमि के रिकॉर्ड में भी हेराफेरी कर दी गई है, जिससे भाईयों में अनावश्यक आपसी विवाद उत्पन्न हो गया है एवं किसानों को अनावश्यक रूप से वकीलों के चक्कर काटने पड रहे है, जिससे उनको आर्थिक व मानसिक वेदनाओं का सामना करना पड रहा है। मेरा निवेदन है कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर एग्रीस्टेक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री शिविर आयोजित किये जा रहे है।

VPS-RTM-07.02.2025-15.40-2n

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः श्री राजेन्द्र भाम्बू।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): उन प्रकरणों का निस्तारण किया जाए जिससे भारत सरकार

के स्वामित्व योजना का सही मायने में लाभ मिल सकेगा। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्री राजेन्द्र भाम्बू, आप शुरू करें। माननीय सदस्य।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): एक मिनट, साहब। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, सदन के नेता का भी भाषण होना है इसलिए आप समाप्त करें।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): अधिकारी और कार्मिक वहां जाएंगे तो इससे प्रकरणों का निस्तारण, समाधान तत्काल हो सकेगा क्योंकि भीम विधान सभा क्षेत्र के कई किसानों की भूमि के विवाद सैटलमेंट विभाग की गलती की वजह से न्यायालय में विचाराधीन है। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आप तो शुरू करें। माननीय सदस्य, आप शुरू करें। अंकित नहीं।

श्री हरिसिंह रावत (भीम): 000

श्री राजेन्द्र भाम्बू (झुन्झुनू): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। साथ ही मैं आभार प्रकट करना चाहूंगा कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी, हमारी भाजपा का मैं आभार व्यक्त करना चाहूंगा। पूरे विश्व में भारत को गौरवान्वित करने वाले देश के यशस्वी व लोकप्रिय प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद्रजी मोदी का व राजस्थान के लोकप्रिय मुख्य मंत्री माननीय श्री भजन लालजी का और झुन्झुनूं विधान सभा की देवतुल्य जनता का तथा उन सभी शुभ-चिंतकों का जिन्होंने एक किसान व सैनिक पुत्र को राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत राजस्थान विधान सभा में रिकार्ड वोटों से चुनाव जिताकर एक इतिहास बनाने का अवसर प्रदान किया। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आप अपनी पार्टी की चिंता करो। आपकी पार्टी में कोई नहीं है? आप यह तय करो कि आपकी पार्टी में कोई नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र भाम्बू (झुन्झुनू): माननीय यशस्वी मुख्य मंत्री महोदय के एक साल में किये गये कार्यों का यह परिणाम है कि राजस्थान जो की पूर्ववर्ती सरकार के समय एक बीमारू प्रदेश बन गया था, उसे बीमारू प्रदेश की स्थिति से बाहर निकाला है। जब से माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान की बागडोर संभाली है तब से माननीय प्रधान मंत्री एवं ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन के नेता आने वाले हैं, उनका भाषण होना है, सभी से यह अपेक्षा है कि अपनी सीटों पर चले जाएं। भाषण होगा और जिसने ज्यादा व्यवधान किया तो मुझे कठोर कार्यवाही के लिए मजबूर मत करना। कठोर कार्यवाही के लिए मजबूर मत करना।

श्री राजेन्द्र भाम्बू (झुन्झुनू): शीर्ष नेतृत्व की गारंटी को सम्पूर्ण राजस्थान में धरातल पर उतारा है और उसी का यह परिणाम है कि मैं भी एक किसान और सैनिक पुत्र हूं और मेरे साथी जो उप चुनाव में ऐतिहासिक जीत के साथ इस गौरवशाली सदन में, गरिमामय रूप से आज विराजमान हैं। महोदय, भावी पीढ़ी माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी शर्मा को

पानी लाने वाले, प्यास बुझाने वाले और हरित शेखावाटी बनाने वाले मुख्य मंत्री के तौर पर युगों-युगों तक याद करेगी।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री की दृढ इच्छा शक्ति का परिणाम है कि जो लोग झुन्झुनूं की जनता को सालों साल से यमुना जल समझौते का लॉलीपॉप दे रहे थे और वोट बटोर रहे थे उस यमुना जल समझौते को माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी शर्मा ने एम.ओ.यू. करके दिखाया है जो आज हकीकत पर धरातल पर उतरते हुए दिख रहा है जो कि वीर प्रसूता भूमि झुन्झुनूं सहित पूरी शेखावाटी के लिए लाइफ लाइन अर्थात जीवनदायिनी सिद्ध होगा।

माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार श्रीमती निर्मला सीतारमण का ऐतिहासिक बजट भारत को विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में कारगर साबित होगा। वह दिन दूर नहीं, आज यशस्वी प्रधान मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति जो लागू की है और अभी हाल ही के बजट में जो प्रावधान किये हैं, उससे भारत आर्थिक ही नहीं बल्कि वैश्विक ज्ञान में भी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्रीजी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने कांग्रेस राज के कुशासन एवं जंगल राज के सभी घोटालों का पर्दाफाश करते हुए पूरे देश की आम जनता को उसके हक-हकूक दिलवाने के लिए सुशासन, पारदर्शी जवाबदेही सरकार देते हुए प्रदेश के गांव, गरीब, किसान, महिला, बेरोजगार, उद्यमियों, विद्यार्थियों एवं सभी वर्गों के लिए चिंता करते हुए कार्य करने के लिए संकल्पित है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राज्य अधीनस्थ चयन बोर्ड ने टाइम बाउंड भर्तियों का वार्षिक कलैंडर जारी किया एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग जैसी पवित्र संस्था को कांग्रेस राज में जो भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था, उसका पर्दाफाश किया एवं दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया और लगातार जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हुए एस.ओ.जी. निरंतर जांच कर रही है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी का जो घोषणा पत्र अर्थात, संकल्प-पत्र हम राजस्थान की जनता के बीच लेकर गये हैं, उसका पूरा खाका माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में प्रदर्शित हो रहा है और जो हमारी सरकार के वादे हैं चाहे पंचायती राज एवं शहरी निकायों के पुनर्गठन की बात हो, सड़कों की बात हो, राइजिंग राजस्थान के सभी एम.ओ.यू. की बात हो, हम सभी माननीय मुख्य मंत्रीजी के नेतृत्व में पूरा करेंगे। जैसा कि हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी शर्मा कहते हैं कि हमारी पार्टी जो कहती है, वह करती है और करती वही है जो कहती है। इसी का यह परिणाम है कि हम एक समृद्ध,विकसित और खुशहाल तथा निरोगी राजस्थान की ओर अग्रसर है। हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर सभी को उनका हक दिलाने की ओर लगातार प्रयासरत है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने मुख्य मंत्री महोदय के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले उन विभिन्न माफिया संगठनों के प्रति जीरो टॉलरेंस की

नीति अपनाते हुए कड़ी से कड़ी सज़ा दिलायी है और भविष्य में भी इसी प्रकार इनके खिलाफ हमारी सरकार इनके विरुद्ध कार्यवाही करती रहेगी। अभी हाल ही में हमारे यशस्वी प्रधान मंत्रीजी और हमारे जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल साहब ने, माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी ने राजस्थान में कैच द रेन का जो कार्य प्रारंभ किया है, वह निश्चित रूप से राजस्थान की जनता के लिए एक ऐतिहासिक कदम है।

श्री अध्यक्ष: श्री उदयलाल डांगी।

श्री राजेन्द्र भाम्बू (झुन्झुनू): अभी हाल ही में ही कर्म भूमि से जन्म भूमि की ओर एक ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: श्री उदयलाल डांगी।

श्री उदयलाल डांगी (वल्लभनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आप शुरू करें। हां,आप तो शुरू करो। पांच मिनट ही है, आप शुरू करें। उनका अंकित नहीं। आप बैठिये। उनका अंकित नहीं, आप बोलिये।

श्री राजेन्द्र भाम्बू (झुन्झुनू): 000

श्री उदयलाल डांगी (वल्लभनगर): उनको एक मिनट बोलने दो।

श्री अध्यक्ष: एक मिनट नहीं। आपको मैंने कहा है। माननीय सदस्य, आप बोलिये नहीं तो मैं दूसरे माननीय सदस्य का नाम बोल रहा हूं।

श्री उदयलाल डांगी (वल्लभनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में राजस्थान के विकास की दिशा में उठाये गये कदमों का उल्लेख किया गया है जो यह दर्शाता है कि हम विकसित राजस्थान की ओर अग्रसर है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से आदरणीय विकास पुरुष मुख्य मंत्री महोदय का हार्दिक धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने राजस्थान में एक वर्ष के अल्प कार्यकाल में राजस्थान प्रदेश को विकसित राजस्थान की दिशा प्रदान की है। प्रदेश की सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री के नेतृत्व में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, औद्योगिक क्षेत्र के विकास में नये आयाम स्थापित किये हैं। मुझ साधारण परिवार के किसान पुत्र को वल्लभनगर की जनता ने विधान सभा में भेजा है और माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने मेरी मांग पर पचास वर्षों के रिकार्ड को तोड़ते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र वल्लभनगर में जिला हॉस्पिटल, पॉलिटेक्निक कॉलेज, रीको इंडस्ट्रीज, आरएए कैम्प कोर्ट, वेद विद्यालय, पेयजल के लिए खेजड़ी नाका बांध जैसी मांगों को पहले ही वर्ष में स्वीकृति दी है।

SSY/RTM/07.02.2025/15:50/2o

मैं वल्लभनगर विधान सभा परिवार की ओर से मुख्य मंत्री जी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्य मंत्री भजन लाल जी के नेतृत्व में राजस्थान का समग्र विकास हो रहा है। मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में 2024 में लगभग 60

हजार नियुक्तियां दी हैं और 1 लाख 73 हजार भर्तियों पर अभी काम चल रहा है। हमारी सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को, महिलाओं को सबल करने के लिए प्रधान मंत्री उज्ज्वल योजना के तहत बीपीएल के चयनित 38 लाख 86 हजार से अधिक परिवारों को 450 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध करवा रही है।

साथ ही सरकार किसानों की खुशहाली के लिए वचनबद्ध है। हाल में केन्द्र सरकार के बजट में किसानों की क्रेडिट कार्ड सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख किया गया है। यह किसानों के लिए एक बड़ा फायदा है। यह उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद करेगा। इसके अलावा किसानों के लिए हमारी सरकार ने प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार कर राहत प्रदान की है और आगे इसे बढ़ाकर 12 हजार रुपये भी किया जायेगा।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में सामाजिक और शैक्षणिक विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया है। हमारी सरकार ने 51 राजकीय विद्यालयों का नामकरण अमर शहीदों के नाम पर किया है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के लिए 37 नये राजकीय कॉलेजों की स्थापना की गई है।

इनके अलावा हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। पिछले एक वर्ष में कई मेडिकल कॉलेज खोले हैं। उप जिला हॉस्पिटल, सेटेलाइट हॉस्पिटल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया है। इससे पता चलता है कि मुख्य मंत्री श्री भजन लाल जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास मिशन मोड पर किया जा रहा है।

हमारी सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। आज हमारी सरकार में भरपूर कोयला मिल रहा है। 400, 132 और 33 केवी के सब स्टेशन स्थापित किये जा रहे हैं। हमारी सरकार में हर घर बिजली पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस सरकार के समय हुई पेपर लीक की कई घटनाओं से हमारे नौजवान साथियों का भरोसा परीक्षा प्रणाली से उठ गया था। हमारी सरकार ने आते ही कठोर निर्णय लिये। पेपर लीक तथा नकल माफियाओं पर अंकुश लगाया। यही कारण है कि हमारी सरकार के समय पेपर लीक प्रकरण के कारण एक भी परीक्षा स्थगित नहीं हुई है। यह दर्शाता है कि हमारी सरकार दृढ़ इच्छा शक्ति से युवाओं के भरोसे पर खरी उतरी है।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने ईआरसीपी परियोजना को पूर्वी राजस्थान के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में लिया है। यह परियोजना राजस्थान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी और किसानों व ग्रामीणों के जीवन में सुधार लायेगी। अब किसानों को सिंचाई, पेयजल के लिए आसानी से पानी मिल सकेगा।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

हमारे संभाग में 2 उप चुनाव थे। वहां दोनों जगह कांग्रेस की जमानत जब्त हुई। राजस्थान के उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली। इसी चुनाव ने स्पष्ट कर दिया है कि भजन लाल जी की सरकार ने धरातल पर काम किया है। जनता ने कांग्रेस पार्टी का सूपड़ा साफ कर दिया है। कांग्रेस पार्टी को सिर्फ एक सीट पर ही संतोष करना पडा। अब तो लग रहा है कि कांग्रेस को अगली बार भी विपक्ष में ही बैठना पड़ेगा।

अध्यक्ष महोदय, राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ के निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समिट में 32 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और एमओयू पर हस्ताक्षर किये। हमारी सरकार ने 4 साल में 4 लाख रोजगार देने का वादा किया है। हम रोजगार देंगे। लेकिन कुछ लोगों को इस समिट के इनवेस्टमेंट पर जलन हो रही है। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय को इस समिट के आयोजन के लिए बधाई व धन्यवाद देता हूं। निश्चित ही यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करेगा। मैं पक्ष और विपक्ष के साथ संपूर्ण सदन से अनुरोध करना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी के विकसित राजस्थान के सपने को पूरा करने में सहयोग प्रदान करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः श्री कुलदीप।

श्री कुलदीप (विराटनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया है जिसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं 2 पंक्तियों के साथ अपनी बात को प्रारंभ करुंगा,

'मेरा गौरव है राजस्थान के स्वर्णिम ललाट से,

किसानी से परिचय है मेरा समृद्ध कपाट से,

बुद्ध, जैन, हिन्दू का संगम है, मेरा परिचय है नगर विराट से'।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान का विकास खेत और खलिहान की गलियों से निकलता है। हिन्दुस्तान के नौजवान का जब तक विकास संभव नहीं है, तब तक हमारे देश का, प्रदेश का विकास संभव नहीं है। लेकिन जिस प्रकार से विपक्ष के द्वारा बार-बार कहा जाता है कि राजस्थान में पर्ची की सरकार है, पर्ची की सरकार का जिक्र हमेशा माननीय कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष करते हैं। मैं कुछ नमूने आपके सामने रखूंगा। एक बात और कहना चाहता हूं कि 1952 से लेकर आज 2025 चल रहा है, इतने वर्षों में जितना विकास एक साल में हुआ है, यह रिकार्ड है, मैं डॉक्युमेंट भी देखता रहा हूं। इतना विकास कभी हुआ नहीं है भूतो न भविष्यति।

राजस्थान के किसान का बेटा, ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर आया और राजस्थान का मुख्य मंत्री बना। ऐसे व्यक्ति भजन लाल शर्मा जी को मैं बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। आज जो हालात हैं, विपक्ष जिस प्रकार से वेल में खड़ा होकर नौटंकी कर रहा है, मैं इनको भी कहना चाहता हूं कि राजस्थान की जनता ने आपको, हमको विकास के लिए यहां राजस्थान के मन्दिर में भेजा है। विकास की बात होनी चाहिए। कोई मुद्दा नहीं, किसी प्रकार की व्यवस्था

नहीं, केवल एक बार खड़ा होकर आपको जो प्रदेश के किसान का बेटा है और मुख्य मंत्री के रूप में एक विजन के साथ काम कर रहा है, उनको रोकने के लिए इस प्रकार की हरकत विपक्षी दल कर रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं, अभी मेरे साथी डांगी साहब ने कहा, राजस्थान की ईआरसीपी का जिक्र मैं जरूर करना चाहता हूं। 2017 में यह किसका विजन था? हमारी भाजपा की सरकार थी। वसुंधरा जी मुख्य मंत्री थीं। राजस्थान में ईआरसीपी बनाने का काम हमने किया था। लेकिन 2018 में राजस्थान में सरकार चली गई। मध्य प्रदेश में सरकार चली गई। दोनों प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई। डोटासरा जी, 5 साल तक, 2018 से 2023 के बीच में जितना काम होना चाहिए था, एक रुपये का काम आपकी कांग्रेस की गहलोत सरकार ने काम नहीं किया। झूठे जुमलों के आधार पर राजनीति करते रहे। राजनीतिक रोटियां सेकते रहे। लेकिन 2023 में राजस्थान की जनता ने भाजपा पार्टी को मेंडेट देने का काम किया। मैं तो कहूंगा राजस्थान के भागीरथ के रूप में भजन लाल शर्मा जी प्रदेश के मुख्य मंत्री बने। विजन को लेकर आये हैं। भारतीय जनता पार्टी ने मेनिफेस्टो में कहा था कि हम जो कहते हैं उस बात को पूरा करते हैं।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

भजन लाल शर्मा जी ने मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री जी से बात की। हम बहुत-बहुत अभिनंदन करना चाहते हैं राजस्थान के यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी का। मैं निवेदन करूंगा कि हमारे राजस्थान के भागीरथ भजन लाल शर्मा जी ने मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री से बात करने के बाद राजस्थान में ईआरसीपी लाने का काम किया। जो डोटासरा जी, टीकाराम जी जूली विपक्ष के नेता कहते हैं कि यह पर्ची की सरकार है।

spp/rtm/07.02.2025/16:00/2p

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी एवं शोरगुल)

यह पर्ची की सरकार नहीं, यह राजस्थान के विकास की सरकार है। ..(व्यवधान)..

श्री अध्यक्षः मैं विपक्ष के सभी सदस्यों से अपील करता हूं, मैं सवेरे से आग्रह कर रहा हूं कि वह अपनी हठधर्मिता छोड़कर अपनी सीटों पर जाएं और सदन के नेता का भाषण चुपचाप होने दें। यदि ज्यादा व्यवधान करोगे, फिर मैं अनुशासनात्मक कार्यवाही कड़े मन से करूंगा, मैं किसी दबाव में आने वाला नहीं हूं, साफ बता रहा हूं। अपनी सीटों पर जाइए। 4.00 बजे विपक्ष के नेता का समय तय हुआ है। श्री टीकाराम जूली। ..(व्यवधान).. श्री टीकाराम जूली। अब आप अपनी सीटों पर नहीं जा रहे हैं तो मैं सदन के माननीय नेता से आग्रह करूंगा कि वे अपना उद्बोधन शुरू करें।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मैं सर्वप्रथम उनका आभार व्यक्त करता हूं। माननीय का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 'राष्ट्र प्रथम' 'नेशन फर्स्ट', सहकारी संघवाद, एकात्म मानववाद आदि अवधारणाओं के माध्यम से सभी का पथ प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के विकास की आधारशिला को रेखांकित किया है।

इसके साथ ही माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदीजी द्वारा विकसित भारत 2047 हेतु दिये गये विजन के आधार पर निर्धारित हमारी सरकार की प्राथमिकता के बारे में उल्लेखित करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इसके लिये मैं उनका भी धन्यवाद देता हूं। पक्ष एवं विपक्ष के सभी सदस्यों को, जिन्होंने इस चर्चा में भाग लिया, मैं उनको भी धन्यवाद देता हूं। साथ ही, माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिये आपका भी मैं आभार व्यक्त करता हूं।

कई माननीय सदस्यों ने चर्चा के माध्यम से समालोचना की है। माननीय सदस्यों ने तार्किक रूप से अभिभाषण का पुरजोर समर्थन किया तो कई माननीय सदस्यों ने अभिभाषण की आलोचना भी की है। हमारी सरकार सभी को सकारात्मक दृष्टि से देखते हुए माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण सुझावों का चिंतन-मनन कर राजस्थान के विकास, जनकल्याण व गरीब कल्याण के लिये समावेश करने की कोशिश करेगी। हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर बैठे हुए व्यक्ति तक पहुंचाते हुए प्रदेश को खुशहाल व विकसित बनाने का है। हमारी सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता के साथ वंचित वर्गों के उत्थान के लिये कृत-संकल्प है।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं मुझे इस बात का बड़ा दु:ख हो रहा है कि एक मेरा जैसा व्यक्ति, जो किसान व्यक्ति है, उस परिवार से आता है, लेकिन मुझे आज दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि ऐसे व्यक्ति को, जो एक किसान और मेरे जैसे परिवार से आता है, उसको नहीं बोलने देने के कारण, उनको मौका नहीं देने के लिये यह षड्यंत्र किया गया है। पिछली बार जब हमने देखा था कि वह अच्छे बोले थे, लेकिन यह कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई है, यह अंदरूनी लड़ाई है, यह उस बेटे को, जिसको मौका दिया है, राजस्थान के इतिहास में पहली बार एक ऐसे समुदाय से और एक किसान परिवार से आने वाले व्यक्ति को इस मौके से वंचित करने के लिये यह एक षड्यंत्र रचा गया है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी एवं शोरगुल)

माननीय प्रधान मंत्रीजी एवं केन्द्रीय मंत्री महोदय का भी आभार व्यक्त करता हूं कि केन्द्रीय बजट के लिये हमारे द्वारा प्रदेश के विकास के सम्बन्ध में उठाये गये प्रमुख प्रस्तावों को उनके द्वारा स्वीकार कर इसमें शामिल किया गया है। लक्ष्मणगढ़ से आने वाले हमारे माननीय सदस्य महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से सम्बन्धित चर्चा में 03 फरवरी को बिना सोचे-समझे बोलते हुए जैसाकि उनकी आदत है, कह रहे थे कि केन्द्र के

बजट में राजस्थान का कोई नंबर नहीं आया, कोई नाम नहीं आया। माननीय सदस्य, आपको ध्यान से नहीं सुनने की बीमारी है, क्योंकि आप ध्यान से सुनते नहीं है, मैं उनके साथ सभी माननीय सदस्यों को ध्यान दिलाना चाहता हूं कि प्रदेश के लिये अति-महत्वपूर्ण, और महत्वपूर्ण इसलिए है कि राजस्थान के लिये पानी की आवश्यकता है और इन्होंने जल जीवन मिशन में इनकी सरकार के समय में प्रदेश की दृष्टि से सम्पूर्ण देश में अंतिम पायदान पर खड़ी थी, राजस्थान अंतिम पायदान पर था, क्योंकि इस सरकार के चलते प्रदेश की जनता के घर पीने के जल से वंचित रह जाती, क्योंकि जैसा सब जानते हैं कि जे.जे.एम. में भ्रष्टाचार के साथ-साथ कार्य की गति भी धीमी थी। कैसा उसमें इनका काम था? आप देख रहे हैं। इन्होंने जे.जे.एम. में जिस तरह का घोटाला किया है, वह आप सभी के सामने है।

माननीय अध्यक्षजी, 2025 जल मिशन समाप्ति पर लाखों घर इस योजना का लाभ लेने से चूक जाते। हमारे अनुरोध पर, मैं माननीय अध्यक्षजी, आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह डबल इंजन की सरकार है और यह हमारे अनुरोध पर जे.जे.एम.की अवधि बढ़ाकर, क्योंकि उनको पता था कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने जे.जे.एम. में किसी तरह का काम नहीं किया, सिवाय भ्रष्टाचार के कुछ नहीं किया। हमारी पहल पर 2028 तक इस योजना को बढ़ाने का काम हमारी केन्द्र की सरकार ने किया है। हमारे नेता प्रतिपक्ष कई बार बड़ी संजीदगी से काम लेते हैं, लेकिन आज नेता प्रतिपक्ष की भी कुछ नहीं चली। उनको बोलने से वंचित किया। इतने दबाव में तो मत आओ। इतने दबाव में जिस तरह से काम कर रहे हैं, एक किसान के बेटे को वंचित कर दिया। एक ऐसे बेटे को वंचित कर दिया और बोलने नहीं दिया। यह कांग्रेस आज से नहीं, यह बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के समय से दलितों और पिछड़ों पर अन्याय करती आयी है और वही स्थिति आज सदन में आपके सामने आज पैदा करके बता दिया। अगर आज कोई दूसरा प्रतिपक्ष का नेता होता तो यह कांग्रेस कभी उसको बोलने से वंचित नहीं करती।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वैल में लगातार नारेबाजी एवं शोरगुल)

मैं माननीय प्रधान मंत्रीजी और माननीय केन्द्र वित्त मंत्रीजी को भी धन्यवाद देता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी केन्द्र की सरकार के द्वारा राज्य में पूंजीगत निवेश उपलब्ध करायी जा रही है। सहायता तथा ऊर्जा क्षेत्र के लिये भी दिये गये अतिरिक्त ऋण का महत्व किसी से छिपा हुआ नहीं है। मैं माननीय सदस्यों को याद दिलाना चाहता हूं वर्ष 2020-21 से ही माननीय नेता, प्रतिपक्ष आपकी सरकार के समय से इन दोनों प्रावधानों के अन्तर्गत राज्य को वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे थे। 15वें वित्त आयोग के अंतिम वर्ष होने के कारण इस अवधि में वित्तीय वर्ष में समाप्त होने की संभावना थी। अब तो आप समझ ही सकते हो कि सरकार द्वारा आगामी वर्ष में हमारे अनुरोध पर आपको ध्यान होगा 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि प्राप्त होगी।

jyg/rtm/07.02.25/16.10/2q

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी व व्यवधान)

जूली साहब, नेता प्रतिपक्ष जी, आप कहां डोटासरा जी के चक्कर में आ गये? ये तो आपको तो क्या किसी को नहीं बोलने देंगे। ये तो किसी को भी नहीं बोलने देंगे। मैं तो आपसे यह कहना चाह रहा था कि डोटासरा जी, अगर आप डायरी-पेन लेकर बैठते तो आपको मालूम पड़ता कि एक डबल इंजन की सरकार क्या होती है।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपके माध्यम से यह भी नोट कराना चाहूंगा कि केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सा राशि 75,156 करोड़ रुपये में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गयी है, 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी और 2025-26 में 85,716 करोड़ रुपये आने वाले हैं, आने वाले हैं। अब तो मेज थप-थपा दो, अब तो मेज थप-थपा दो, डोटासरा जी, अब तो मेज थप-थपा दो।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपकी बात को आगे बढ़ाऊं उससे पहले दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भी इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने महाकुम्भ के बसंती मौसम में अपने आम बजट 2025 में ऐतिहासिक घोषणा करके बसंती मौसम को और गुलाबी कर दिया है, और गुलाबी कर दिया है।

माननीय अध्यक्षजी, आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ा दिया। वो दिन दूर नहीं जब हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। राजस्थान में भी मध्य वर्ग, नौकरी-पेशा लोग जिनकी वार्षिक आय 12 लाख रुपये तक है, माननीय अध्यक्ष महोदय, देखिये, राजस्थान में भी जिनकी 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आमदनी है, उनको भी आय कर नहीं देना होगा, कितना बड़ा फायदा हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। नौकरी-पेशा मध्यम वर्ग की आम जन की जेब में जब ज्यादा पैसा आयेगा, ज्यादा पैसा आयेगा तो निश्चित तौर पर ज्यादा खर्च भी होगा, खर्च होगा तो राजस्थान की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। यह अप्रत्यक्ष प्रभाव से निश्चित तौर पर आपके सामने है।

माननीय अध्यक्षजी, राजस्थान में धरती का सीना चीर कर अन्न पैदा करने वाले 77 लाख से अधिक अन्नदाताओं, किसानों के लिए केसीसी की सीमा बढ़ाना, यह मैं कहना चाहता हूं, आज इनको पता था, आज इनको पता था कि केन्द्र की सरकार ने किसानों को बहुत बड़ा तोहफा दिया है।

माननीय अध्यक्षजी, ये किसान विरोधी, मजदूर विरोधी, युवा विरोधी हैं। इन्होंने हमेशा इनके विरोध में काम किया है, ये कभी वापस नहीं आ सकते।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपको भगवान कृष्ण की एक कहानी जरूर सुनाता हूं। एक कालयवन था, कालयवन ने कहा था, भगवान मेरे को वरदान दीजिये कि मैं न आदमी से मरूं न किसी से मैं मरूं नहीं यह मेरे को वरदान दीजिये। भोलेनाथ थे, उन्होंने वरदान दे दिया। अब चूंकि मैं भी क्योंकि ब्रज क्षेत्र से आता हूं, उनकी यह कहानी बड़ी विचित्र है। जब उन्होंने कहा तो मुचुकुंद भगवान को यह वरदान था कि वो सोयेंगे लेकिन उनको कोई

जगायेगा तो वो भस्म हो जायेगा, वो भस्म हो जायेगा। जब वो कालयवन को लेकर भगवान कृष्ण जो रणछोड़ जरूर कहलाये लेकिन उसको लेकर जब वो चले गये और धौलपुर में मुचुकुंद पर आकर उन्होंने, भगवान ने अपनी पीताम्बरी उनको ओढ़ा दी और भगवान बैठ गये लेकिन जैसे ही उन्होंने उस पीताम्बरी को उघाड़ कर उन्होंने कहा कि यह भी कोई ऐसा ही है तो उन्होंने उसमें लात मारी और लात मारते ही कालयवन भस्म हो गया।

माननीय अध्यक्षजी उसी प्रकार ये कांग्रेस भी भस्म होने वाली है, राजस्थान से ही नहीं, पूरे देश से, इनका पाप का घड़ा भर गया, ये कांग्रेस भस्म होने वाली है, यह कोई चलने वाली नहीं है, पूरे देश से, दिल्ली के परिणाम आयेंगे, देख लेना, कांग्रेस जीरो से यदि आगे बढ़ जाये तो देख लेना। इनके ये ही कर्म इनको नीचे ले जाने का काम कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्षजी, प्रदेश में छह लाख गिग वर्कर्स जो लम्बे समय से अपने आप में असहाय जिंदगी जी रहे थे उनको पंजीकृत कर पीएम जन आरोग्य योजना से जोड़ने जैसे क्रांतिकारी निर्णय भी राजस्थान के बेरोजगार को जो गिग वर्कर्स के रूप से काम कर रहा है उसको सौगात देने के लिए आम बजट में प्रावधान किये गये हैं। यह मैं बताना चाहता हूं। माननीय सदस्यों को यह जानकर प्रसन्नता होगी आज जन, कृषक तथा साथ ही निवेशकों और उद्यमियों को राहत देने की शृंखला में आज ही आरबीआई द्वारा 0.25 प्रतिशत रेपो रेट में कमी की गयी है, आज कमी की गयी है।

माननीय अध्यक्षजी, मैं हमारे शासन के आधार पर आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र की उपलब्धियों की बानगी को सदन के सामने प्रस्तुत करूंगा।

मैंने प्रतिपक्ष के नेता एवं अन्य सदस्यों को बड़े जोर-शोर से हमारी कार्य प्रणाली की आलोचना करते हुए सुना है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार के सफर में अभी मात्र एक वर्ष हुआ है, ये तो एक वर्ष का दर्द है अध्यक्षजी, एक वर्ष का दर्द है, एक वर्ष का दर्द है, पांच साल बाद सदन में नजर नहीं आयेंगे, चार साल पहले कह रहा हूं, चार साल पहले कह रहा हूं, ये सदन में नजर नहीं आयेंगे, इनकी संख्या, इनकी संख्या बहुत कम होगी, नजर नहीं आयेंगे, पांच साल बाद, यह मैं आज दावे के साथ कह रहा हूं और मेरी बात को लिख लीजिये, मेरी बात को लिख लीजिये। धारीवाल जी, आप भी लिख लीजिये, मेरी बात को लिख लीजिये, चार साल बाद सदन में नजर नहीं आयेंगे, नजर नहीं आयेंगे, नेता प्रतिपक्ष। ...(व्यवधान)...

माननीय अध्यक्षजी, मैं याद दिलाना चाहता हूं कि हमारी सरकार का सफर अभी एक साल का हुआ है, राजस्थान की जनता ने आपकी विदाई बड़े धूमधाम से की। इसके कारण कई हैं, एक कारण नहीं हैं, एक-दो कारण और भी हैं। बड़े धूमधाम से अभी हाल ही में राज्य के अलग-अलग संभागों में सात उप चुनाव हुए थे, ये अपनी नहीं सुनेंगे, सात उप चुनाव हुए माननीय अध्यक्षजी, इनको दिखा दी, प्रदेश अध्यक्ष को भी जमीन दिखा दी, नेता प्रतिपक्ष को भी दिखा दी, और इनके बड़े नेता हैं उनको भी दिखा दी, कितनी सीट आयी है यह तो बता दो, कितनी सीट आयी दम भरने वालो? अगर ऐसे ही दम भरने वाले होते तो सात में से एक

सीट नहीं आती, मैं कहना चाहता हूं कि एक सीट नहीं आती, डोटासरा जी, कहां चले गये? अध्यक्षजी, कहां चले गये? अभी यहीं थे, नजर नहीं आ रहे, उनको पता था, उनको पता था कि सीटें हम हार जायेंगे, बड़ा-बड़ा गमछा घुमा रहे थे, ये तो बताओ, ये तो बताओ मोरिया किसका बोला? मोरिया किसका बोला, यह तो बताओ भाई? ये गमछा कहां गया? मोरिया किसका बोला? और कितनी बार बोला? और कितनी बार बोला मोरिया? ये राजस्थान की जनता ने आपको आईना दिखाया, यह पूरा आईना है।

माननीय अध्यक्षजी, यह एक जगह का चुनाव नहीं था, यह अलग-अलग जिलों में, यह छह संभागों में चुनाव था, पांच संभागों में, अलग-अलग संभाग है, यह उप चुनाव था, राजस्थान की जनता ने इनको आईना दिखा दिया। इनको मंथन करने की आवश्यकता है, इनको मंथन करने की आवश्यकता है तो इस बात पर है लेकिन आज वो सुनना नहीं चाहते क्योंकि माननीय प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस को सुनना पड़ता इसलिए जूली जी को भी साइड लाइन कर दिया, जूली जी को साइड लाइन कर कर दिया। ...(व्यवधान)...

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने देख लिया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्षः शांतिपूर्वक सुनिये।

MLS/RTM/07.02.2025/16:20/3a

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री):

तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं,
कमाल यह है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।
तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं,
कमाल यह है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।।

ये देख रहे हैं, क्या हो रहा है, फिर भी यकीन नहीं हो रहा है। सपने मत जियो। माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के कुछ साथियों ने हमारी सरकार की घोषणाओं के पूरा होने पर संशय व्यक्त किया है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं और मैं राजस्थान की 8 करोड़ जनता से भी कहना चाहता हूं, आप देख रहे हैं, आप देख रहे हैं और यह राजस्थान की 8 करोड़ जनता भी देख रही है कि किस तरह से इन्होंने राजस्थान की जनता के साथ कुठाराघात किया है।

मैं जिस किसान कौम से आता हूं, मैं उस किसान के दर्द को जानता हूं। इन्होंने उस किसान को 70 साल तक लूटा है, 70 साल तक। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं उस किसान की बात को, यह किसान का बेटा है, यह किसान का बेटा है, इस तरह से नहीं आने वाला है। यह तो और पूरी ताकत के साथ और राजस्थान की जनता ने जिस भाव और भावना से, जिस भाव और भावना से राजस्थान की जनता ने इस किसान के बेटे को दिया है, मैं राजस्थान की 8 करोड़ जनता की बात को पूरा करके रहूंगा, पूरा करके रहूंगा।

मैं आपसे कहना चाहता हूं, एक्शन प्लान को समयबद्ध रूप से पूर्ण करेंगे। मैं अपने विपक्ष के साथियों को यह भी चेताना चाहूंगा कि वे यह नहीं भूलें अध्यक्ष जी, यह पब्लिक है, यह जानती है। यह पब्लिक है, यह जानती है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे।)

श्री अध्यक्षः यह मत करिये डोटासरा जी। डोटासरा जी, यह मत करिये।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): क्या यह सही नहीं है, कांग्रेस के घोषणा पत्र...

श्री अध्यक्षः यह लहराना बन्द करो। बन्द करो।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): क्या यह सही नहीं है, माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष जी, जिस तरह से कांग्रेस के घोषणा पत्र के पृष्ठ 3 पर...

श्री अध्यक्षः सदन के नेता का सम्बोधन सुनिये।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): इनके सबसे बड़े नेता राहुल गांधी ने किसानों से 10 दिन में सम्पूर्ण कर्ज माफी की बात की थी। जब इनका नेता ही असत्य बोलता है, जब इनका नेता ही असत्य बोलता है तो ये असत्य तो बोलेंगे ही, ये तो असत्य बोलेंगे ही। राजस्थान के इतिहास में पहली बार आपके शासन में कर्ज माफी के वादे से ठगे दर्जनों किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो गये। आपने धरती पुत्र किसान के साथ केवल वादा खिलाफी की। यह सिद्ध हो गया कि आपकी सरकार घोर किसान विरोधी है। ये किसानों की बात सुनना नहीं चाहते। ये घोर विरोधी हैं किसानों के और इसके माध्यम से राजस्थान के मेरे किसान भाई देख रहे हैं, आने वाले समय में जवाब भी देंगे, आने वाले समय में जवाब भी देंगे।

हमने आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र 2023 में किसान सम्मान निधि की राशि को दुगना करने का वादा किया था। हमने दुगना करने का वादा किया है किसानों से और हमारी सरकार ने पहले साल में 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये किये हैं। हम घोषणा नहीं, हम जो कहते हैं, घोषणा नहीं करते, हम जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। गत सरकार ने सोचा कि ''खुल जा सिम-सिम'' कहने से विकास हो जायेगा, आप तो कहते थे कि आपके नेता जादूगर हैं। मैं कहना चाहता हूं, जादूगर जी, आप जादूगर हैं, जबकि हम सब जानते हैं कि बिना गीतों के घूघरी नहीं मिलती, ये बिना गीतों के घूघरी लेना चाहते हैं। बिना गीतों के घूघरी नहीं मिलेगी। घूघरी तो गीत गाने से ही मिलेगी। राजस्थान की जनता कुछ देने वाली नहीं है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इनको एक आईना दिखाना चाहता हूं, इनको एक आईना दिखाना चाहता हूं और आईना क्या दिखाना चाहता हूं, ये आईने को देख लें, नहीं तो प्रतिपक्ष के नेता को मैं पूरा बंच भी लाया हूं, पूरा बंच लाया हूं मैं। माननीय अध्यक्ष जी, यह वह घोषणा है, यह वह घोषणा है, इन्होंने 4148 घोषणाएं की थीं 5 साल में। मैं ब्योरेवार भी बता रहा हूं, मैं ब्योरेवार बता रहा हूं। पहले वर्ष 2019-20 में 379 घोषणाएं इन्होंने की थीं बजट

में, लेकिन 57 घोषणाएं इन्होंने पूरी नहीं कीं। 2020-21 में 364 की थीं, 86 घोषणाएं पूरी नहीं कीं। 2021-22 में 951, बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि राजस्थान की जनता को सिर्फ भटकाने का काम करना है। तीसरे साल में 951 घोषणाएं, पूरी कितनी हुईं, 298 पूरी नहीं हुईं। चौथे वर्ष 2023 में 1028 घोषणाएं, 478 पूरी नहीं हुईं। 2023-24 में रिकॉर्डतोड़, ऐसे बांट दिया, ऐसे बांट दिया 2023-24 में, 1426 घोषणाएं, 1002 घोषणाएं पूरी नहीं कीं।

कुल-मिलाकर इन्होंने जो घोषणाएं कीं, वे मैं आपको बताना चाहता हूं। इन्होंने 5 वर्ष में 4148 घोषणाएं कीं और अपूर्ण घोषणाएं आधी थीं 1921, 1921 घोषणाएं आज तक पूरी नहीं कीं। माननीय अध्यक्ष जी, यही नहीं, मैं पूरा लेकर आया हूं, देखो यह रहा पूरा। मैं तो लाया था कि प्रतिपक्ष के नेता को ...(व्यवधान)... मैं ब्रज भूमि से आता हूं भइया, ये आपके जयकारों से मेरे को कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे।)

श्री अध्यक्ष: धारीवाल जी, धारीवाल जी, अपने स्थान पर जाएं। माननीय धारीवाल जी।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष जी, यह बंच मेरे पास है, छबड़ा में 1320 मेगावाट, कालीसिंध में 800 मेगावाट, बाड़मेर में बिजली उत्पादन के प्लांट की कागजी घोषणा की गयी। 71 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना का कार्य प्रारम्भ ही नहीं हुआ। बाड़मेर और झुंझुनूं जिले में 4765 करोड़ रुपये, उदयपुर सम्भाग के जिलों हेतु 4674 करोड़ रुपये, परवन पेयजल योजना के लिए 3523 करोड़ रुपये, आधी सिंचाई परियोजना हवाई घोषणा थी हवाई। एक भी धरातल पर नहीं आयी। माननीय अध्यक्ष जी, 8 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों को खोलना, 5 लाख भूमिहीन किसानों को अनुदान राशि देना, योग्यजन महाविद्यालय बनाना, ऐसी 50 हजार करोड़ रुपये की, माननीय अध्यक्ष जी, 50 हजार करोड़ रुपये की घोषणा, मायने रखती हैं। पूरी कितनी कीं यह देखना पड़ेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी बच्चे को भी समझ आ जायेगी कि सरकार ने 2 वर्ष में मात्र 350-350 घोषणाएं कीं और लास्ट के समय 1500 या 1200 घोषणाएं कीं। करनी ही नहीं थीं। करनी ही नहीं थीं, इसीलिए घोषणाएं कीं। उनको करना ही नहीं था, इसीलिए घोषणाएं कीं। मैं कोटा (उत्तर) से आने वाले माननीय विधायक जी से कहना चाहता हूं। इन्होंने कहा, वैसे ईश्वर की कृपा है, ये गये या इन्होंने वह तस्वीर यहीं से देखी, मुझे पता नहीं है, वह तस्वीर इन्होंने यहां से देख ली या गये। इन्होंने कहा कि महाकुम्भ मण्डपम के आगे एक बोर्ड लगा है और उस बोर्ड में लिखा हैकि 50 से 55 परसेंट तक घोषणा है। इन्होंने कहा। हमने तो सुनी नहीं हैं। हमने तो सुनी नहीं, लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि आपका चश्मा दिया जा सकता है, आपका चश्मा दिया जा सकता है, दृष्टि नहीं दी जा सकती, दृष्टि नहीं दी जा सकती। आपका चश्मा दे सकते हैं, लेकिन दृष्टि नहीं दी जा सकती।

माननीय, ऐसे लोगों को सत्य के दर्शन कराने के लिए भला क्या किया जा सकता है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहूंगा कि हमारी सरकार ...(व्यवधान)... बजट में कुल 1272 बजट घोषणाएं हमने की हैं। हमने बजट

में 1272 घोषणाएं की हैं, जिसमें 297 में, और हमारा बजट माननीय अध्यक्ष जी, जुलाई के महीने में आया था, हमारा जुलाई के महीने में बजट आया था। हमने 1272 घोषणाएं की थीं, लेकिन उनमें से 297 पूर्ण हो चुकीं, 488 बजट घोषणाओं के सम्बन्ध में प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृतियां जारी ही नहीं हुईं।

mkd/rtm/07.02.2025/16:30/3b

बल्कि काम की प्रगति है, 488 पर काम की प्रगति चल रही है। अब इन दोनों को मिलाकर के माननीय धारीवाल जी, इन दोनों को मिलाकर के देख लें कि कितना बजट हमने किया है, कितना नहीं किया है, क्योंकि इसमें मुझे एक याद आ रहा है, थोथा चना, थोथा चना, थोथा चना, हां।

हम गरीब किसान की ओर ध्यान देते हैं, जबकि आपने गरीब किसान की आड़ में राजनीति की है। मैं माननीय सदन को गत सरकार के अन्तिम वर्ष की कार्य प्रणाली, हमारे द्वारा मात्र एक वर्ष की अल्पावधि में किये गये कार्यों का अन्तर स्पष्ट करना चाहूंगा। इनके समय में और हमारे समय में स्कूटी वितरण 4 हजार 232, व 24 हजार 517 कितना अन्तर है, कितना 4 हजार 232, व 24 हजार 517, कितना अन्तर है? टेबलेट वितरण जीरो और हमने किया 88 हजार 800, सोलर पम्प की स्थापना इन्होंने की 1 हजार 200, हमने किया 28 हजार 884, कितना अन्तर है। नहरी तंत्र के माध्यम से सिंचाई सुविधा हेक्टेयर में 12 हजार 492 की थी, हमने 22 हजार 648 की। गोशाला में सहायता 733 करोड़ रुपये दिये, हमने 1148 करोड़ रुपये दिये। गेहूं की खरीद में मैट्रिक टन 4 लाख 38 हजार, हमने 12 लाख 5 हजार दिया। मातृ वन्दन योजना 1 लाख 94 हजार, व 4 लाख 46 हजार, विकास कार्यों के सम्बन्ध में गत सरकार ने कुछ खास करके दिखाया नहीं। हां, कुछ मामलों में उन्होंने राजस्थान को नम्बर वन, नम्बर वन कराने का काम इन्होंने किया है। महिलाओं से दुष्कर्म में नम्बर वन, महिलाओं पर अत्याचार में नम्बर वन, भ्रष्टाचार में नम्बर वन, साम्प्रदायिक दंगों में नम्बर वन, बेरोजगारी से आत्महत्या करने में नम्बर वन, पेट्रोल-डीजल की कीमत में नम्बर वन और मंहगाई में नम्बर वन, बिजली की कीमतों में नम्बर वन। कुछ मामलों में नम्बर दो भी रहे, इंटरनेट बन्द करने में नम्बर दो रहे। इसके बाद यह स्पष्ट होता है कि इन लोगों ने जनता से सीधी जुडी योजनाओं की घोषणाओं में केवल ढोल पीटे, हकीकत में आमजन की भावनाओं से खिलवाड़ किया।

इस सम्बन्ध में कबीर दास का एक दोहा याद आता है, क्योंकि ये वे लोग हैं, ये वे लोग हैं, किसान का बेटा हूं, ये तो वे लोग हैं, पसीना तो मेरे जीवन का स्वरूप है पसीना और यह पसीना मेरा आधार है, यह मेरे जीवन का सोपान है पसीना और ये ही मेरा आधार है, आपकी तरह होटलों में नहीं रुका, आपकी तरह एक-एक साल तक होटलों में नहीं रुका, होटलों में नहीं रुका। यह पसीना एक किसान का बेटा, सो क्या जाने पीर पराई, जाके पैर न फटी बिवाई। यह किसान का बेटा है। पसीना मेरा सोपान है, सोपान।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आज भी कहना चाहता हूं, क्योंकि मैं उस गरीब की, मैं गरीब की भाव और भावना को जानता हूं। कबीर जी का एक दोहा है, दुर्बल को न सताइये, दुर्बल को न सताइये, जाकी मोटी हाय, दुर्बल को न सताइये, जाकी मोटी हाय, मरी खाल कीसांस से लौह भस्म हो जाये, लौह भस्म हो जाये। ये भस्म होने वाले हैं।

मैं एक बात और बताना चाहता हूं, कभी-कभी मेरे ये भाई कहते हैं, ये भाई मेरे ये कहते हैं कि मुख्य मंत्री बड़ा भोला है, सीधा है। मैं कहना चाहता हूं मेरे भाइयों, मैं ब्याज भी किसी का सूद समेत चुकाता हूं, सूद समेत। यह गलतफहमी निकाल देना, मैं सूद समेत चुकता करता हूं। आज तक किसी का नहीं रखा, चिन्ता मत करिये सूद समेत चुकाता हूं और आगे-आगे देखते जाइये, होता है क्या।

किशनपोल से आने वाले माननीय सदस्य कह रहे थे, नजर नहीं आ रहे, कहां गये, बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे, चालू योजनाओं को बन्द किया है। बन्द तो आप करते हैं। हम तो चालू करते हैं, बन्द करने वाली मशीन तो कांग्रेस है, माननीय सदस्य को भ्रमित कर रहे हैं, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार चलाई जा रही योजनाओं को टारगेट करते हुए उन योजनाओं की कमी दूर कर परिष्कृत रूप लिया, जिस अन्तिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति की योजना, हमने स्वास्थ्य बीमा योजना में दायरा बढ़ाया, कैंसर जैसी बीमारियों के शिशुओं के पैकेज को सम्मिलित करते हुए मुख्य मंत्री आयुष्मान योजना, मां योजना हमने लागू की, मां योजना।

आपने पशुओं के लिए क्या किया, हमने पशुओं के लिए राजस्थान के किसान और गरीब के लिए पशु मंगला पशु बीमा योजना हमने की, आपने नहीं की। .... आने वाले माननीय सदस्य ने कहा हमारी योजना को बन्द कर दिया तथा हमारी योजनाओं का नाम बदला दिया।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि हमारी अन्नपूर्णा योजना का नाम किसने बदला, अन्नपूर्णा योजना का नाम किसने बदला, इन्होंने तो वो राजस्थान नाम की जो हमारी नहर थी, राजस्थान नहर के नाम से थी, उसका नाम भी इंदिरा गांधी कर दिया, इंदिरा गांधी कर दिया राजस्थान नहर का नाम भी।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं कोई भी बोलना हो, आपस में एक दूसरे को, निकम्मा किसको कहा, नकारा किसको कहा, भरत सिंह ने क्या-क्या पत्र लिखे, निक्कमा किसको कहा, आज निक्कमे को बुला तो लेते, आज निक्कमा किसको कहा, निक्कमा किसको कहा। विद्याधर जी, इतना जोर मत लगाओ, आप तो पसीने वाले आदमी, आ जायेगा। विद्याधर जी, इतना जोर मत लगाइये, निक्कमा किसको कहा, नकारा किसको कहा, ये तो बता दो।

श्री रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रस्मरथी की कुछ, मैं आपको कहना चाहता हूं, इनको माल खाने की आदत पड़ हुई है, माल खाने की आदत पड़ी हुई है और माल खाने वाले कौन-कौन हैं, ये सूची भी मेरे पास है, वो माल भी बन्द होने वाला है चिन्ता मत

करिये, वो भी मुझे पता है, इतना-इतना पता है कौन माल खाने वाला है, वह भी मुझे पता है। मैं किसान को बेटा हूं, मैं देख रहा हूं कि किसान के पैसे को बर्बाद नहीं होने दूंगा, चाहे कुछ भी हो जाये। आपको माल नहीं खाने दूंगा, आपको माल नहीं खाने दूंगा। किसान, उस गरीब के पास से आया हूं। मैं आपकी मेहरबानी पर नहीं हूं, आपकी मेहरबानी पर नहीं हूं। आप सोचो, आपकी मेहरबानी पर नहीं, राजस्थान की जनता और ये मेरे जनप्रतिनिधि की मेहरबानी से हूं। आपकी मेहरबानी की आवश्यकता भी मुझे नहीं है। आपकी मेहरबानी की आवश्यकता नहीं है और आपको कसम है, अगर आप मेरे ऊपर मेहरबानी करो, आपको कोई मेहरबानी करने की जरूरत नहीं है। यह जीवन ऐसे नहीं जिया जाता, जीवन जिया जाता है ताकत के साथ, जीवन जिया जाता है..। मैं नाश कर रहा हूं, चिन्ता मत करिये, जो आप कह रहे हैं, आप चिन्ता मत करिये, मैं अकेला, आप मेरे से किसी कीमत पर जीत नहीं पाओगे, क्योंकि मेरे पास मुरलीधर है। मैं बंशी वाले ब्रज से आता हूं। आप इन सारी चीजों को छोड़ दीजिये।

Bhs/Rtm/07.02.25/16.40/3c

आप परेशान हो जाओगे। घर में जब जाओगे तो बच्चे कहेंगे आपके क्या हो गया। मेरी तो आदत है मेरे कुछ होने वाला नहीं है। "वसुधा का नेता कौन हुआ? भूखंड विजेता कौन हुआ? अतुलित यश-क्रेता कौन हुआ? नव-धर्म-प्रणेता कौन हुआ? जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रह कर नाम किया।"

माननीय अध्यक्ष महोदय, इनकी आदत है, प्रतिपक्ष के, हमारे विघ्न डालते रहेंगे। हम बिना विचलित हुए किसान और आठ करोड़ जनता के लिए काम करते रहेंगे। मैं एक बात और कहना चाहता हूं, जब लाल कपड़ा दिखाते हैं तो किसको गुस्सा आता है, नन्दी को आता है नन्दी को। मेरे कई साथी कह रहे थे कि आपने ई.आर.सी.पी. का नाम बदल दिया। मैंने कहां से बदल दिया, राजस्थान का 'रा' और मध्य प्रदेश का 'म' तो राम अपने आप हुआ। राम जलसेतु लिंक है मैंने क्या यह तो ऊपर वाले ने बदल दिया और पूर्वी राजस्थान नहर ई.आर.सी.पी. के टिप्पणी के सम्बन्ध में सम्माननीय सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य भूल रहे हैं कि आपने ई.आर.सी.पी. को आपकी कांग्रेस की सरकार यहां थी, मध्य प्रदेश में थी, आपने अटकाने भटकाने का काम किया, आपने जिस तरह से काम किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज मैं कह सकता हूं देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने ई.आर.सी.पी. की डी.पी.आर. भी बनाई और आपने देख लिया होगा कि इस परियोजना में दो महत्वपूर्ण कार्य नवनैरा बैराज, ईसरदा बांध का कार्य हमारी ही पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रारम्भ किया गया था, आपकी कांग्रेस सरकार ने उदासीनता की। मैंने पहले भी सदन में कहा था और आज भी कह रहा हूं कि कांग्रेस ने ई.आर.सी.पी. को चुनावी झुनझुना बनाया था, झुनझुना। जानबूझ कर अटकाया लटकाया और भटकाया।

जानबूझ कर लटकाया। हम जो कहते हैं वो करते हैं की सोच रखने वाली हमारी सरकार ने इस परियोजना का दायरा बढ़ाते हुए राम जल सेतु लिंक परियोजना संशोधित पार्वती कालीसिंध चम्बल के रूप में धरातल पर क्रियान्वित कर संकल्प लिया। हमारी सरकार ने आते ही एक साल के भीतर नवनैरा बैराज के अधूरे कार्य को पूरा कर माननीय प्रधान मंत्री जी के करकमलों द्वारा लोकार्पण भी किया। ...(व्यवधान)... यह तो भजन आपको करना पड़ेगा। यह तो भजन करना पड़ेगा। यह पांच साल नहीं बीस और पच्चीस साल भजन करना पड़ेगा। आपके हाथ में तम्बूरा आने वाला है। आपको भजन करना पड़ेगा। आपका बुढ़ापा सुधर जायेगा धारीवाल जी, बुढ़ापा सुधर जायेगा। भजन का नाम तो आपको दिन में भी करना है और रात में भी लेना पड़ेगा। आ जाइये। रात में भी लेना पड़ेगा इनको। नींद नहीं आयेगी। नींद नहीं आयेगी विद्याधर जी, इनको नींद नहीं आयेगी भजन के बिना। यह मैं दावे के साथ कह रहा हूं। उनका क्या होगा जो रात के अन्धेरे में आते हैं? अध्यक्ष जी, उनका क्या होगा जो रात के अन्धेरे में आते हैं? ...(व्यवधान)... यह मैं आपको कह रहा हूं, नींद नहीं आयेगी। यह भजन का भजन करेंगे दिन में भी करेंगे और रात में भी करेंगे, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, ई.आर.सी.पी. का नाम राम जलसेतु लिंक परियोजना किया इस पर भी प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों को निश्चित ही पीड़ा होगी। यह अपेक्षित भी है क्योंकि जिस पार्टी ने सर्वोच्च न्यायालय में शपथ देकर भगवान श्री राम काल्पनिक बताया, राम सेतु के इतिहास पर प्रश्न चिन्ह लगाये उन्हें भगवान श्री राम वाली जीवनदायी परियोजना गले कैसे उतरेगी।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस अवसर पर मैं जरूर याद दिलाना चाहता हूं कि 144 वर्ष बाद भारत की देव भूमि प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। यशस्वी प्रधान मंत्री जी तथा प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी को विकास के साथ-साथ विरासत भी सुरक्षित रहे, ध्यान में रखना है। अबकी बार पहली बार कुम्भ में राजस्थान मण्डपम बना है। एक शानदार मण्डपम बना है। मेरे देश की क्योंकि हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि विकास भी और विकास के साथ विरासत भी और हमारी संस्कृति और हमारे भाव और भावना, क्यों? क्योंकि इनके भाव और भावना तो देश की संस्कृति जिसमें से खाते हैं जीते हैं उससे इनको कोई मतलब नहीं है। इनकी तो संस्कृति एक परिवार में घुस गई है, एक परिवार में। सिर्फ एक परिवार की बात करते हैं। इनके तो भगवान राम, हनुमान जो भी कुछ हैं वो परिवार ही है उसका भजन किये बिना इनको नींद नहीं आती।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं तो कहता हूं भगवान इनको ठीक प्रकार से ज्ञान दें और ज्ञान दें तो हमारे मण्डपम में आयें और महाकुम्भ का आनन्द लें। हो सकता है उसकी कृपा हो जाये तो अपने जो काम किये हैं उनके प्रायश्चित्त का भी आपको मौका मिल जाये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, दिसम्बर, 2024 में प्रधान मंत्री जी की मौजूदगी में जयपुर में राम सेतु जल संकल्प कलश कार्यक्रम में एम.ओ.ए. चेंज किया गया। हमने पूर्व प्रस्तावित

3510 था, अध्यक्ष जी, ई.आर.सी.पी. का 3510 था और वह हमारा प्रस्तावित था, उसमें कोई फैसला नहीं था। यहां के लोगों ने कहा कि 3510, मैंने कहा हां, आपके यहां वादा किया था 3510 का वादा किया था इसी विधान सभा के अन्दर इन्होंने 3510 का, मैं आपको कहना चाहता हूं कि 4102 एम.सी.एम. जल प्राप्त किया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय सदस्य बार-बार एम.ओ.ए. के बारे में चर्चा करते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि एम.ओ.ए. राज्य के जल संसाधन विभाग के साथही राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण एन.डब्ल्यू.डी.ए. की बेबसाइट पर उपलब्ध है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, अब तो आपने हमारे विधान सभा को भी डिजिटल कर दिया इसलिये खोल करके देख लें। हमसे पूछते हैं, आप खोल करके देख लो बेबसाइट पर दिया हुआ है खोल करके देखो। माननीय सदस्य, आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि एम.ओ.ए. की प्रस्तावना के अनुसार भारत सरकार नदी अन्तरराष्ट्रीय परियोजना इंटर लिंकिंग ऑफ रीवर के राष्ट्रीय महत्व को मानती है। यह परियोजना भारत सरकार की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान का हिस्सा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में यह भी अवगत कराना चाहूंगा कि हमने इस परियोजना की क्रियान्विति हेतु न सिर्फ 9,416 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किये बल्कि धरातल पर कार्य भी प्रारम्भ कर दिये हैं। साथ ही इस योजना को और आगे बढ़ाते हुए 12,064 करोड़ रुपये की पांच अन्य महत्वपूर्ण निविदाएं भी जारी कर दी गई हैं। ये कम नहीं हैं। इन्होंने तो अटकाने का काम किया, लटकाने का काम किया, हमने निविदाएं जारी कर दी।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आजकल सोशल मीडिया, डोटासरा जी, आप सभा में गमछा घुमा कर थिरकते हैं। जनता ने जवाब दे दिया न। एक मैं यह कह रहा हूं कि यमुना का पानी लाऊंगा तो डोटासरा जी को पसीना तो आयेगा। ये यमुना का सत्तर साल में पानी नहीं लेकर आ पाये, हम लेकर के आ रहे हैं और यह बिना पसीने के नहीं आता पानी। बिना पसीने के नहीं आता है पानी। आपने देखा होगा हमारे डोटासरा जी हरियाणा में गये थे लेकिन यह इनका भाग्य है कि जहां ये जाते हैं, डोटासरा जी जहां जाते हैं, गमछा हिलाते हैं, हरवा कर आ जाते हैं। ये जहां गमछा हिलाते हैं वहां हरवा कर आ जाते हैं। एक मैं यह कहना चाहता हूं कि इन्होंने हरियाणा के चुनाव में भी गमछा हिलाया था और हरियाणा का घोषणा पत्र नहीं पढ़ा इन्होंने। उन्होंने वहां क्या किया?

Kas/rtm/07.02.2025/16.50/3d

कांग्रेस द्वारा किये गये घोषणा पत्र में उन्होंने क्या लिखा, जरा उसको तो पढ़ लेते। यमुना जल समझौता, शेखावाटी में यमुना का पानी लाने के लिये नीति बनी थी, कांग्रेस ने कहा हम उसे रद्द करेंगे। अब हरियाणा की जनता का क्या करेंगे, उन्होंने भाजपा को समर्थन दे दिया, पूरा बहुमत भाजपा को दे दिया। अब आप यमुना के पानी को नहीं रोक पाओगे, नहीं रोक

पाओगे, यह भी मैं राजस्थान की जनता को कह रहा हूं।

कांग्रेस के अध्यक्ष राजस्थान की जनता को जरा यह तो बता दें कि वो हरियाणा के उस घोषणा पत्र के साथ थे या वो राजस्थान और शेखावाटी की जनता के साथ थे? यह तो क्लीयर करें कि वो राजस्थान की शेखावाटी जनता की तरफ थे या कांग्रेस के घोषणा पत्र के साथ थे। अब नहीं सुनेंगे, जैसे ही मैं इनकी दुखती रग पर हाथ रखूंगा तो यह ज्यादा करेंगे।

मैं सदन को पुन: आश्वस्त करूंगा कि हरियाणा सरकार, इन्होंने पानी में भी अंतर बताया था, हमने 1917 क्यूसेक पानी के लिये कहा है, हमने कहा है कि 1917 क्यूसेक पानी हमारी सरकार को मिलेगा। ....(व्यवधान).... पर्ची है पढ़ो, पढ़िए, पढ़िए पर्ची, आपको पढ़ाने के लिये बुलाई है, जिससे आइना दिख जाये। आइना देखो, आइना देखो। चाहे आप कितने भी नाराज रहें, आपकी पार्टी कितनी भी रुकावट पैदा कर लें, हम चूरू, सीकर, झुंझुनूं के प्यासे कंठों को, 1 लाख 5 हजार हैक्टेयर प्यासी धरती की प्यास बुझाने का काम करेंगे। ....(व्यवधान).... आ गई, यह पड़ी है इधर, उधर मुंह मत कीजिए, इधर देखिए, इसको देखकर कीजिए। यह रही पर्ची, यह देखो।

सूरतगढ़ से आने वाले माननीय सदस्य द्वारा जल जीवन मिशन घोटाले पर टिप्पणी की गई। जल जीवन मिशन पर आपने टिप्पणी की, चोरी और ऊपर से सीना जोरी, यह नहीं चलेगा, यह नहीं चलने वाला है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि जेजेएम में घोटाला किसने किया? असत्य चिंता व्यक्त करते हुए प्रमाण-पत्रों में भ्रष्टाचार के कारण इस योजना का लाभ जनता को नहीं मिला। अब जल जीवन मिशन योजना में हुए भ्रष्टाचार और घोटाले की जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही तो की जा रही है, किन्तु साथ ही अब हमारा ध्यान इस महती परियोजना के गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्वयन पर भी है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जहां गत सरकार के समय टेंडर में अतिरिक्त प्रीमियम आ रहा था, उस पर भी अब नियंत्रण हो सका। याद है ना आपके समय में कितना अधिक प्रीमियम आने लगा था, 35 प्रतिशत से 40 प्रतिशत हो गया था, अब हमारा 10 से 15, कितना बड़ा अंतर। मैं सदन को सहकारिता विभाग द्वारा दुर्घटना जीवन बीमा हेतु किये गये टेंडर की भी याद दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, इनके समय प्रीमियम की राशि 450 करोड़ रुपये थी और हमारे समय में एक साल बाद भी प्रीमियम कम होकर 269 करोड़ रुपये हो गये। विपक्ष के सदस्य खुद ही बता दें कि 170 प्रतिशत प्रीमियम उनके समय में क्यों आया? क्या ऐसी ही स्थिति इन्होंने सारे विभागों में कर रखी थी, यह जनता भी जानती है और हमें भी पता है।

लक्ष्मणगढ़ से आने वाले माननीय विधायक यह कह कर गुमराह कर रहे हैं कि किसानों को वर्तमान सरकार में पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। मैं कहना चाहूंगा कि इस बार बिजली के लिये कोई आदमी रोड पर नहीं आया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के साथियों को याद दिलाना चाहूंगा कि जहां इनकी सरकार के कार्यकाल के अंतिम वर्ष में मात्र 543 मेगावाट विद्युत उत्पादन में वृद्धि हुई थी। माननीय अध्यक्ष जी, इनके कार्यकाल में बिजली उत्पादन 543 मेगावाट हुई थी, हमारे समय में 2100 मेगावाट से

अधिक, अर्थात इनसे 4 गुना बिजली पैदा हो रही है।

आरडीएसएस में भी गत सरकार ने अपना नाकारापन साबित किया। जैसा कि माननीय सदस्यों को विदित है कि इस वर्ष में प्रदेश में अच्छी वर्षा होने के कारण खेत-खलिहान में अच्छी फसल रही है। इस कारण फसल कटने के बाद विद्युत तंत्र में सुदृढीकरण के कार्य निश्चित रूप से आने वाले समय में और होने वाले हैं। हमारी सरकार ने प्रदेश के लिये नुकसानदेय बैंकिंग व्यवस्था के बिना रबी सीजन में किसानों को बिजली उपलब्ध कराई। यह बैंकिंग करते थे, हमको आगे दिक्कत आती थी। हमने इस बार बैंकिंग नहीं की, हमारे किसानों को कोई परेशानी आने वाली नहीं है। यह हमेशा महंगी बिजली देते थे और सस्ती बिजली खरीदते थे, उसमें भी घोटाला होता था, बिजली में भी घोटाला करते थे। ....(व्यवधान).... सितम्बर, 2023 से पहले की सप्लाई बंद हो गई। हमने इस समस्या के समाधान के लिये अथक प्रयास करते हुए जनवरी, 2024 तक 40 हजार मैट्रिक टन प्रति दिन कोयला प्राप्त करना प्रारंभ कर दिया है। यह क्या करते थे, उस समय इनका जो कोयला आता था, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार और यहां भी कांग्रेस की सरकार, इन दोनों ने मिलकर कोयले में घोटाला किया, घोटाला ही नहीं किया, इनका बिजली उत्पादन देख लीजिए और हमारा देख लीजिए कि हमारा बिजली उत्पादन कितना हो रहा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने नियुक्ति की संख्या पर सवाल उठाया। टोडाभीम से आने वाले सदस्य ने एक भी नौकरी नहीं देने का असत्य राग अलापा। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको कहना चाहता हूं ....(व्यवधान)....

श्री अध्यक्षः नीचे उतरिए, नीचे उतरिए, मैं अभी दोनों सदस्यों को निलंबित करूंगा।

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इन्होंने युवाओं की नौकरी के लिये कहा। हमने राजस्थान के युवाओं से वादा किया है कि पांच साल में चार लाख नौकरी देंगे। इनको दर्द हो रहा है, इनके दर्द हो रहा है। आपने देखा होगा कि 59,236 पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है। ....(व्यवधान).... भर्ती का विवरण डीओपी की वैब साइट पर उपलब्ध है। मेरे भाई, डीओपी की वैब साइट देख लीजिए, मालूम पड़ जायेगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा थोड़ा समय लगाकर हमारी सरकार की पारदर्शिता पब्लिक डोमेन में डाली गई सूचनाओं का अध्ययन कर लें और उसके बाद प्रश्न करें। दी गई नियुक्तियों के अतिरिक्त 1,72,990 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। इन्होंने कभी निकाली थी क्या? जरा गिरेबान में झांक कर देख लीजिए, 81 हजार पदों की भर्ती परिक्षाओं का कलेण्डर जारी किया गया है।

देखिए मेरे भाइयों, मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूं, यहां 4 बार के, 5 बार के, ज्यादा के भी हैं ....(व्यवधान).... रुकने का काम नहीं, यह किसान का बेटा है, इसको कोई फर्क नहीं पड़ता है।

Msk/rtm/07.02.25/1700/3e

आप और जोर से करिये, उसमें मेरे को ज्यादा आनन्द आयेगा। ...(व्यवधान)... आने दो। मेरा यह पसीना तो किसान का गहना है, इसकी चिन्ता मत करिये, मेरे कुछ होने वाला नहीं है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि आप तीन, चार, पांच बार के सदस्य होंगे, लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं, हमारे वरिष्ठ नेता भी वहां बैठे हैं, जो इस सदन में रहे हैं, लेकिन मुझे दुख इस बात का है। डोटासरा जी, मुझे एक बात का दुख है। एक बार एक बात सुन लीजिये कि इस सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भैरोंसिंह शेखावत जी, परसराम मदेरणा जी, गुलाब चन्द कटारिया जी, वसुन्धरा राजे जी, लक्ष्मण सिंह जी, राजेन्द्र राठौड़ जी, राम नारायण चौधरी जी, हरदेव जोशी जी रहे हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ कि धोखे से प्रतिपक्ष के नेता को भी बोलने नहीं दिया गया हो। यह पहली बार हुआ है। मुझे बहुत दुःख है कि आप इनकी चाल में आ गये। जूली जी, मुझे बहुत दुःख है, आप उनकी चाल में आ गये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। डोटासरा जी, आपके कहने से कुछ होने वाला नहीं है। मैं एक बात कहना चाहता हूं, वह मैं यह कहना चाहता हूं कि इनको किसान और गरीब के बेटे से कितनी नफरत है? डोटासरा जी कह रहे थे, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सफाई कर्मी। डोटसरा जी, सफाई कर्मी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से आपकी क्या दुश्मनी है? वे किसान, गरीब, मजदूर के बेटे हैं, अगर उनको नौकरी मिलेगी तो डोटासरा जी, आपको क्या नुकसान होगा? आपका ध्यान तो आरएएस में होगा। आपका ध्यान तो कहीं और होगा। लेकिन उस गरीब के बेटे को आप मौका क्यों नहीं देना चाहते हैं, यह तो मेरे को बता दें।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहता हूं। यह 52 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की वैकेंसी है, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि क्या यह एक साल की है? क्या एक साल में इतनी वैकेंसी निकली? यह इनके पापों का कर्म है, पापों का कर्म। माननीय अध्यक्ष जी, चाहे कुछ भी हो जाये, मैं उसकी हिमायत करता हूं। मैं किसान का बेटा होने के नाते उसकी हिमायत करता हूं। आप कितना भी जोर लगा लीजिये, मैं किसान, मजदूर के उस बेटे को हर कीमत पर राजस्थान में नौकरियां दूंगा। आपसे कुछ नहीं होने वाला है, कुछ करने वाले नहीं हो, उनको नौकरी दूंगा। आप राजस्थान की जनता को कितना ठगेंगे, शर्म नहीं आती। आपने 70 साल में इस राजस्थान को बर्बाद करके रख दिया। आत्मा से कहता हूं, जिस गरीब की दुआ से आप आते हैं, जरा लिहाज करो, यह आठ करोड़ जनता क्या देख रही है। क्या आपका मन कांपता नहीं है? मन में यह नहीं आता कि हम कहां से चुनकर आये हैं? ...(व्यवधान)... कुछ नहीं होने वाला। यह किसान का बेटा है, कुछ नहीं होगा। अगर राजस्थान की जनता के लिए ये जान भी जाये तो परवाह नहीं, राजस्थान की जनता के लिए यह जान जाये, कोई परवाह नहीं। मेरे किसान, मेरे मजदूर, गांव में रहने वाले।

डोटासरा जी, आज भी मुझे मेरे गांव का वह खेत, मेरे गांव की वह गली, मेरे गांव का वह कीचड़, मेरे गांव का गरीब, गाय और भैंस का गोबर, आज भी मेरे जेहन के अन्दर है। मैं

उसको नहीं भूल सकता, चाहे कुछ भी हो। गांव की अंतिम पंक्ति में जो व्यक्ति खड़ा है, उसको नहीं भूलूंगा। चाहे आप कुछ भी करिये। मेरी हमदर्दी अगर किसी के प्रति है, क्योंकि मैं चुनकर आया हूं। मैं सरपंच रहकर यहां इस कुर्सी पर पहुंचा हूं। मेरे को एक-एक रग का पता है, उसके दर्द को मैं जानता हूं। मैं यही कहना चाहता हूं कि किसी को गरीबी नहीं दिखाये। किसी को गरीबी नहीं दिखाये, गरीबी की बहुत बड़ी स्थिति होती है। मेरे भाइयो, आप सदस्य चुनकर आये हो। आप राजस्थान की आठ करोड़ जनता के लिए आये हो और आप यह नाटक सिर्फ एक व्यक्ति को भाषण देने के कारण, आपने यह नाटक किया, यह अच्छी बात नहीं है। यह राजस्थान की जनता देख रही है, आपको माफ करने वाली नहीं है और लिख लें, माननीय अध्यक्ष जी, मैं चार साल पहले कह रहा हूं और इसी कुर्सी से कह रहा हूं। इनमें से चेहरा देख लीजिये, फोटो खिंचवा लीजिये, अगर इनमें से 40 परसेंट लोग भी आ जायें तो आप देख लेना। 40 परसेंट लोग नहीं आयेंगे, क्योंकि जो राजस्थान की जनता, गरीब, किसान, मजदूर, उनकी जब ये नहीं सुन सकते।

आज मैं यह कह सकता हूं कि मैंने पिछले बजट में राजस्थान की 200 विधान सभाओं के लिए पूरा बजट दिया था और मैंने प्रतिपक्ष के नेता को बुलाकर, आप पूछ लीजिये, प्रतिपक्ष के नेता को बुलाकर मैंने कहा, यह शायद राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ होगा। मैंने प्रतिपक्ष के नेता को बुलाया कि भाई जी, आपकी मीटिंग कर लीजिये। आपकी विधान सभा में कौन-कौनसे काम ऐसे हैं, जो जनता के हित के काम हैं। आप मेरे को बनाकर दीजिये, मैं उनको दूंगा, लेकिन इनको जनता के काम की फिक्र नहीं है। इनको एक परिवार की माला फेरना और आराम से होटलों में रहना और आराम से जनता की गाढ़ी कमाई को डकारना है, यह इनकी फितरत में आ गया है। ...(व्यवधान)... जितना आप मेरे को कहेंगे, उतना सुनते जाएंगे।

अध्यक्ष जी, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। जब भर्तियों में शिक्षकों पर ध्यान नहीं दिया। लक्ष्मणगढ़ से आने वाले माननीय सदस्य ने यह भी कहा कि अब तक हुई भर्तियों में शिक्षकों पर ध्यान नहीं दिया। इनको शिक्षक बड़े याद आते हैं। जब लक्ष्मणगढ़ से आने वाले माननीय विधायक, मैं यह कहता हूं, वे उधर चल जाते हैं। जब मैं उनका नाम लेता हूं तो जूली जी को खड़ा कर जाते हैं, आप आगे निकल जाते हैं। बड़े होशियार हैं। आज जूली जी को रोक दिया। लक्ष्मणगढ़ से आने वाले सदस्य बड़े होशियार हैं। जब उनकी बात आती है तो जूली जी को छोड़ जाते हैं, आप धीरे से पीछे निकल जाते हैं। मैं कहना चाहता हूं, शिक्षकों की बात आती है और अगर शिक्षक ट्रांसफर की बात आये तो इनको कैसे रहा जाए? फिर ये कैसे रहें? मैं याद दिलाना चाहता हूं शिक्षकों की बात करने से पहले बिरला ऑडिटोरियम को देख लीजिये कि मुख्य मंत्री के सामने शिक्षकों ने कैसी पीड़ा व्यक्त की। उसको देख लीजिये। इन्होंने कहा, शिक्षक भर्ती नहीं किये। मैं इनको बता देना चाहता हूं। मैं तो जूली जी को देने के लिए एक बंच लाया था। अभी तक हुई 59,236 भर्तियों में 19,033 शिक्षकों की भर्ती हुई। माननीय सदस्य, अब तो ताली बजा दें। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को अवगत

कराना चाहूंगा कि उसमें 19 हजार शिक्षक थे, उसमें 22 हजार 310 पैरामेडिकल स्टाफ, 4 हजार 748 कनिष्ठ लेखाकार, 2 हजार 563 वन कर्मी, 3 हजार 100 से अधिक पुलिस कांस्टेबल, इतनी भर्ती हुई।

mdp/07.02.25/17:10/3I

अब ये कह रहे हैं कि किनको भर्ती दी? मैं चश्मा तो बदलवा सकता हूं लेकिन दृष्टि नहीं दे सकता। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि प्रदेश में उपजे हताशा के माहौल को दूर करते हुए हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि भर्तियां नियमित रूप से निकालें, परीक्षाएं समय पर हों, सफल अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति मिले। हमने भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता और सुगमता से सुनिश्चित कर युवाओं के मन में आशा का संचार किया है।

माननीय अध्यक्ष जी, कई महत्वपूर्ण कदम हमने उठाएं हैं। वह कदम हमने इसलिए उठाएं हैं कि उनको ठीक प्रकार से कर सकें। इन्होंने कुछ नहीं किया। इन्होंने सिवाय लूट के दूसरा काम कुछ नहीं किया। कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सी.ई.टी.) की मान्यता अवधि में वृद्धि कर तीन वर्ष हमने किया। परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए बॉयो-मेट्रिक प्रणाली लागू की गयी। साथ ही पात्रता के लिए रिक्तियों के 15 गुना शब्द हटाकर कट ऑफ मार्क्स किया हमने, जिससे उनको बार-बार पेपर नहीं देना पड़े।

अब मैं इनकी दुखती रग पर आ रहा हूं, क्योंकि इन्होंने किसान और राजस्थान के युवाओं के साथ जिस तरह का धोखा किया। भाई, मैं एक बात कह रहा हूं, ये कहते-कहते तो सचिन जी ने पूरे चार साल निकाल दिए, भरत सिंह कुंदनपुर जी ने क्या कहा था, यह ध्यान नहीं है। हेमाराम जी ने क्या कहा था? ये सारी चीजें याद कर लीजिए। आपकी सरकार पेपर लीक की सरगना सरकार है। माननीय अध्यक्ष जी, पेपर लीक की पूरे देश के अन्दर सरगना सरकार थी राजस्थान में। आप लोग पेपर लीक की बात करते हैं। ये हमसे बात करते हैं, उलटा चोर कोतवाल को डांट रहा है। भाई, आपके जो कुकर्म थे, उन कुकर्म वालों को आपने कुछ नहीं किया। हमने तो उनको पकड़ा। आप किस मुंह से पेपर लीक की बात कर रहे हैं, जबकि आपके कार्यकाल में पेपर लीक माफिया सक्रिया रहा, जिसके कारण लाखों प्रतिभावान युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पूरे पांच साल युवाओं में निराशा, असंतोष, हताशा का वातावरण रहा। इन्होंने उन युवाओं को इतना परेशान किया। हमारी सरकार ने निर्णय कर पेपर लीक मामले में एस.आई.टी. गठित की। इनको ये पता नहीं है कि हमने 15 दिसम्बर को शपथ ली थी और 16 दिसम्बर को हमने एस.आई.टी. गठित की और एस.आई.टी. का रिजल्ट आया, 264 अपराधी बंद हैं और अभी आने वाला है, चिंता मत कीजिए, मैं छोड़ने वाला नहीं हूं। कई लोग आने वाले हैं। मैं तो क्लीयर कर रहा हूं कि आप फिर कहेंगे कि ये क्या हो गया? चिंता मत कीजिए, भगवान कृष्ण की भूमि से आता हूं, कोई चिंता मत कीजिए, एक-एक का चुकता होगा। जो भ्रष्टाचार में डूबे हैं, बिलकुल आएंगे, बिलकुल आने वाले हैं, रात के अंधेरे में भी नहीं सुनने वाला हूं, चिंता मत कीजिए।

माननीय अध्यक्ष जी, इन्होंने एक बड़ी अच्छी बात की, टी.वी. पर एक नाटक आता था पहले, क्या नाम था मुंगेरी, क्या आता था? मुंगेरी लाल के हसीन सपने। इन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार आयेगी, इन्होंने कहा और खुशफहमी भी प्रकट की कि हम चार साल बाद सत्ता में आएंगे। मुंगेरी लाल के सपने देखने वाले विपक्ष के माननीय सदस्यों को पुराना शेर याद दिलाना चाहूंगा जो शायद इन जैसों के लिए ही कहा गया है-

हमको मालूम है जन्नत की हकीकत,

लेकिन दिल के बहलाने को गालिब ये ख्याल भी अच्छा है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि ये चार साल क्या, ये बीस साल में भी राज में आने वाले नहीं हैं। मेरी इन सभी को राय है कि ऐसे ख्याल अपने दिल से निकाल ही दें, क्योंकि प्रदेश की जनता बहुत समझदार है और अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है। जनता चार साल बाद इनको उधर 'ना पक्ष' में ही बैठाएगी और उधर उनकी संख्या, जैसा मैंने कहा, कम होगी।

हम राज्य की अर्थव्यवस्था को हमारे शासनकाल में ही, हमने कहा है कि हम अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डालर तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्प है। इसलिए आपने देखा होगा, कई लोगों ने मेरे से कहा कि राइजिंग राजस्थान लोग अंतिम साल में करते हैं। मैंने कहा हम पहले साल में करेंगे क्योंकि हमें राजस्थान की जनता ने जो विश्वास दिया है, उस विश्वास के साथ काम करेंगे। हमारे युवाओं को हम रोजगार देंगे। राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर विकास की आधारशिला हमने रखी।

हमारे द्वारा प्रदेश को निवेश के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर लाने के लिए एम.एस.एम.ई. एक्सपोर्ट, आप देखते जाना, कभी इन्होंने नीति नहीं बनायी। नीति से इनको डर लगता है, क्योंकि नीति बनाएंगे तो हम फंस जाएंगे, इसलिए कभी नीति नहीं बनायी। हम नीति बनाकर काम करते हैं। हमने एम.एस.एम.ई. एक्सपोर्ट, टैक्सटाइल, डेटा सेंटर और निवेश संवर्द्धन नियमों से दस से अधिक नीतियां लागू की हैं। इस कारण निवेशकों द्वारा हमारी सरकार द्वारा स्थापित निवेश के वातावरण में विश्वास दिखाते हुए 11,600 से अधिक एम.ओ.यू. हस्ताक्षर कर 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को मजबूती प्रदान की है। राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ ही हमारे युवाओं को रोजगार के नवीन अवसर भी प्राप्त हो सकेंगे।

प्रदेश के प्रत्येक जिले को आगे आने का अवसर व अपनी अलग पहचान मिल सकेगी। इस दृष्टि से हमारे 'पंच गौरवं', अध्यक्ष जी, हर जिले में 'पंच गौरवं' शायद इनकी कल्पना ही नहीं थी, शायद ये सोच ही नहीं सकते थे। ये सोच इसलिए नहीं सकते थे कि कभी-भी इनके अन्दर विकास की अवधारणा नहीं आती है। इनके अन्दर योजना आती है 'लूटो खाओ योजना। 'लूटो खाओ योजना' लाते हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमने हर जिले में 'पंच गौरवं' की स्थापना की है। उस जिले में किस तरह से क्या-क्या हमारे 'पंच गौरवं' हैं, उसकी स्थापना के प्रस्तावों में शीघ्र ही धरातल पर काम किया है। प्रथम समीक्षा में ही आपने देखा

होगा हमने राइजिंग राजस्थान में कहा कि हमारे राजस्थान के जो प्रवासी भाई हैं, वे हमारे पूरे देश में भी हैं और दुनिया में भी हैं। उनका सहयोग हमें बहुत अच्छी तरह मिलता है। हमने कहा प्रवासी भाईयों का हम हर 10 दिसम्बर को सम्मेलन करेंगे और हमने ये भी किया।

Ans/rtm 17.20 3g 07.02.2025

हमारे एमओयू धरातल पर उतरे, इसकी हर महीने समीक्षा होगी। दिसम्बर में हुआ, एक महीने बाद 11 जनवरी को हमने समीक्षा की, 10 हजार करोड़ रूपये से अधिक, जमीन पर भी आने का काम हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं। विपक्ष ने हमारे द्वारा आयोजित विश्व स्तरीय आयोजन राइजिंग राजस्थान की भी आलोचना कर डाली। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों की याद दिलाना चाहूंगा। उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में आलोचना जरूरी है परन्तु आलोचना केवल विरोध करने के लिए नहीं हो। आलोचना यदि विरोध करने के लिए हो तो वह देश का नुकसान करती है, वह देश का भला नहीं कर सकती।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

विपक्ष की इस आलोचना से विपक्ष की मंशा झलकती है कि आप राजस्थान के विकास से भी खुश नहीं है। विपक्ष का यह रवैया खिसियानी बिल्ली नोचने जैसा है। कुछ होता नहीं है, खिसियानी बिल्ली क्या करेगी, खम्भों को नोचेगी, यह खम्भों को नोचने का काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान)... अभी दो घंटे लगेंगे। चिन्ता मत कीजिए, आराम से रहिए। मैं तो दिन भर काम करने वाला हूं, किसान हूं। चिंता मत कीजिए, दो घंटे चलेगा। दो घंटे चलेगा, आराम से करूंगा।

माननीय अध्यक्ष जी, प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को राज वित्त आयोग के अंतर्गत 2024-2025 में 3 हजार 800 करोड़ रुपये, 2023-24 में 1 हजार 400 करोड़ रुपये रोके जाने बाबत मनगढ़ंत बात कही गई। इस सम्बन्ध में सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि माननीय सदस्य सदन को गुमराह कर रहे हैं। सदन में असत्य बोल रहे हैं।

इनकी सरकार की वास्तविकता से मैं सदन को अवगत कराना चाहूंगा। गत कांग्रेस सरकार राज्य वित्त आयोग की राशि, 2180 करोड़ की देनदारियां हम पर छोड़कर गई थी। 2180 करोड़ की देनदारी हम पर छोड़कर गए थे, हमने उक्त देनदारी 2180 रूपये सहित 04 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हमारी सरकार आने के बाद पंचायती राज संस्थाओं को जारी किया।

मैं एक बात कह रहा हूं। प्रतिपक्ष के नेता, एक बात तो सुन लो। अगर आपकी इतनी भी

चलती है, आप सदन के प्रतिपक्ष के नेता हैं तो इतना सुन लो, आपकी संख्या सदन में कितनी है और अब कितनी है, जरा गौर कर लो। आपके साथी कहां गये, आधे तो छोड़कर चले गये और आधे रात के अंधेरे में चले जाएंगे। आपको पता नहीं है, क्योंकि जिनके काले कारनामें होते हैं वह कभी सामना नहीं कर सकते, सामना नहीं कर सकते।

गत सरकार के कार्यकाल में पूरे प्रदेश में अराजकता फैली हुई थी। ज़िलों में किसी का कोई नियंत्रण नहीं था। फलस्वरूप आपका हर एक एमएलए, एक नेता अपने क्षेत्र का सीएम बना बैठा था। हर जगह अराजकता, भ्रष्टाचार, गुंडाराज फैला हुआ था। चाहे वह रिफाइनरी हो, रिफाइनरी वाले कहां गये। रिफाइनरी वालो को ढूंढ लो कहां गये, मैं कुछ कहता अब नहीं कहूंगा, वह सदन में मौजूद नहीं है इसलिए नहीं कहूंगा। रिफाइनरी वालों को देख लो कहां है।

निर्माण कार्यों की योजना में ठेके देने की योजना में क्रियान्विती को हर जगह तथाकथित मिनी सीएम का बोलबाला था। आपकी सरकार पांच वर्ष तक अपनी इस कार्य प्रणाली के चलते रिफाइनरी का पूरा नहीं कर पाई। हमने आते ही इस काम को गति, इसमें आने वाली बाधाओं को दूर करने का काम किया। अभी कुछ समय पूर्व रिफाइनरी का मौका देखकर आया हूं, मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम रिफाइनरी को वर्ष 2025 में प्रारम्भ करेंगे। मैं एक बात और कहना चाहता हूं, हमारे रिफानरी में से काफी प्रकार के प्रोडक्ट निकलने वाले हैं। हमने अभी-अभी रॉ इंण्डस्ट्रीयल एरिया डवलपमेंट किया है और उसको डवलप करके जैसे ही हमारी रिफाइनरी चालू हो उससे पहले हमारे लोगों को रोजगार मिले, वहां उद्योग आये, इस काम को भी हमने आगे बढ़ाने का काम किया है।

गत सरकार के कार्यकाल में जो कानून व्यवस्था थी, हमने पूरे राज्य में अराजकता को खतम कर कानून का राज स्थापित किया। प्रदेश में संगठित अपराधों की रोकथाम हेतु एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया। प्रदेश में बढ़ते हुए साइबर अपराधों को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा रणनीति की प्रभावी कार्यवाही शुरू कर दी है।

माननीय अध्यक्ष जी, अब हमारी मुख्य प्राथमिकता मातृ शक्ति को समुचित सुरक्षा, प्रदेश में अमनचेन स्थापित करना, प्रभावी पुलिसिंग के लिए 19 नये पुलिस थाने सृजित किए गये। महिला सुरक्षा के लिए 250 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट गठित की गई, इस सम्बन्ध में उठाये गये कदम से राज्य में महिलाओ के विरूद्ध हो रहे अपराधों में प्रभावी कमी आई। बूंदी से आने वाले माननीय सदस्य ने महिलाओं पर अत्याचार बढ़ने की बात बोलकर सदन को गुमराह किया।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि गत सरकार के अंतिम वर्ष, हमारी सरकार के प्रथम वर्ष में महिला अत्याचार की तुलनात्मक स्थिति इस प्रकार है। नेता प्रतिपक्ष जी ने भी कहा और बूंदी से आने वाले विधायक ने भी कहा, यह दुरुस्त हो जाए जरा मैं भी कह लूं। यह जो बात रखते है तो हवा में रखते हैं। दुष्कर्म के साथ हत्या मामले में 7.32 प्रतिशत की कमी आई है। दहेज मृत्यु के मामलों में 6.08 की कमी आई है। दहेज मृत्यु के मामलों में 6.08 प्रतिशत की कमी आई है, दुष्कर्म

बालिका मामले में 2.87 प्रतिशत की आई है। दहेज उत्पीड़न के मामले में 22.84 प्रतिशत की कमी आई है। छेड़छाड़ के मामले में 8.63 की कमी आई है। इस प्रकार कुल महिला अत्याचार मामले में 10.61 प्रतिशत की कमी आई है। इनको आइना देखने का है, आपके उसमें क्या था। कई सदस्य खड़े हैं। हमारे विपक्ष के वरिष्ठ माननीय सदस्य ने तो महिलाओं के साथ इस तरह की वार्ता की, सरकार के समय हमारे राज्य को मर्दों का प्रदेश बताकर। मर्दों का प्रदेश बताकर इनकी पूरी सरकार की मानसिकता, संवेदनहीनता का परिचय दिया था। ...(व्यवधान)... मैं इनको एक-एक बात का जवाब देना चाहता हूं। पूरा जवाब देकर जाऊंगा।

महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय, अंग्रेजी माध्यम विद्यालय विगत कांग्रेस सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से अंग्रेजी माध्यम के उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने के नाम पर विद्यार्थियों के साथ धोखा करने का काम किया। इन विद्यालयों में ना तो अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक पदस्थापित किए गये और ना ही विद्यालय में मूलभूत संरचना का निर्माण किया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई योजना खोलनी हो जिसमें काम नहीं करना हो वह योजना महात्मा गांधी के नाम से आती है, अगर थोड़ा बहुत करना पड़े तो वह एक परिवार के नाम से आती है। देखिये, इनकी मानसिकता इस तरह की है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं इन्होंने यह कहा 3532 विद्यालयों को कोई सम्बल राशि उपलब्ध नहीं कराई गई।

VPS-RTM-07.02.2025-17.30-3h

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

उनको सम्बल राशि उपलब्ध नहीं करवायी गयी जिससे विद्यालय दयनीय हालत में संचालित होते रहे। कई पदों को स्वीकृत किये बिना ही गत सरकार द्वारा इन विद्यालयों का संचालन किया जाता रहा है। क्या मुझे यह भी याद दिलाना पड़ेगा कि उस समय गत सरकार में शिक्षा मंत्री कौन थे? यह तो पता है? क्या मुझे यह भी याद दिलाना पड़ेगा कि उस गत सरकार में शिक्षा मंत्री कौन थे? उन्होंने क्या किया? मैं इनके इस सम्बन्ध में भी चिंता दूर कर देता हूं कि हमारी सरकार सभी आवश्यक, हमारी सरकार सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाते हुए बच्चों के भविष्य के निर्माण की दृष्टि से हिंदी तथा साथ ही अंग्रेजी माध्यम में शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध करवायेगी। हमारी सरकार अंग्रेजी और हिंदी, दोनों में व्यवस्था करेगी, यह मैं आपको बताना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षजी, विद्या सम्बल योजना के सम्बन्ध में भी माननीय सदन में भ्रम फैलाने का हमारे विपक्ष के साथियों ने पूर्ण प्रयास किया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं समझ पाया कि उनमें जानकारी का अभाव है या असत्य बोलकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं? इन्होंने यह कहा कि हमने गेस्ट फैकल्टी हटा दी जिससे महाविद्यालयों में शिक्षा पर दुष्प्रभाव पड़ा है जबकि वस्तुस्थिति इसके एकदम भिन्न है क्योंकि जब भी चुनाव

आते हैं, जब भी चुनाव आते हैं तो इनको हमेशा असत्य और लूट, इन्होंने 70 साल में इस देश को लूटने का काम किया है। इन्होंने 70 साल में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के आधार पर जाति-पात में बांटकर काम किया। जाति-पात में बांटने का काम किया इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं, माननीय अध्यक्ष महोदय, कि सच तो यह है कि वर्तमान सत्र 2024-25 में 2783 गेस्ट फैकल्टीज को महाविद्यालयों में अध्यापन कार्य हेतु लगाया गया है जबकि इनके समय में वर्ष 2023-24 में विद्या सम्बल योजना के अन्दर मात्र 1571 ही थे, तो अब आप ही देख लीजिए कि कितना अंतर आया है? इसमें कितना अंतर आया है? हमारी सरकार नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में संचालित नीतियों और निर्णयों में आवश्यक सुधार करके उनको प्रभावी रूप से लागू करेगी।

माननीय अध्यक्षजी, मैं एक और निवेदन करना चाहता हूं कि जहां तक अवैध बजरी खनन का मामला है, यह भी आपके ध्यान में आया होगा कि बजरी खनन और जब मैं बजरी खनन का नाम लेता हूं, बजरी खनन का नाम लेता हूं तो मेरे विपक्ष के नेताओं के मन में, विपक्ष के नेताओं के मन में सांप दौड़ने लग जाते हैं, सांप। जब खनन का नाम आता है तो अरे भाई, ऐसा क्या हो जाता है? यह राजस्थान की जनता को हिसाब तो देना पड़ेगा। हिसाब तो देना पड़ेगा। एक-एक पाई का देना पड़ेगा। यह किसान का बेटा है, यह खींचना भी जानता है, यह अन्दर से भी खींचना जानता है, चिंता मत करिये। आपकी आवाज मेरी आवाज को कम करने वाली नहीं है। देखते जाइये, अब मेरी भी आवाज बढ़ती जायेगी, मेरा वॉल्यूम बढ़ता जायेगा। मैं वह नहीं हूं, पहचानने में गलती कर रहे हो, मैं वह नहीं हूं जो आप जान रहे हो, मैंने कहा कि मैं ब्याज सहित, ब्याज सहित देने वाले में हूं, आपकी यह गलतफहमी भी निकल जायेगी कि मुख्य मंत्री कैसा है? आपको यह भी मालूम पड़ जायेगा। मैं इसीलिए इन विषयों पर आ रहा हूं और जितनी आप आवाज करोगे, उससे ज्यादा आवाज मेरी होगी, यह उसकी मर्जी है। आपका वॉल्यूम बढ़ाने में बारबार डोटासराजी यूं कर रहे हैं और मेरे लोग मेरे से यूं कर रहे हैं। यह अंतर है। मेरे लोग यूं कर रहे हैं। डोटासराजी यूं कर रहे हैं और मेरे लोग मेरे से यूं कर रहे हैं। यह अंतर है।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

अनेक माननीय सदस्य: राजस्थान का एक ही लाल भजन लाल, भजन लाल।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा अपनी-अपनी सीटों से नारे लगाये गये।)

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्षजी, यह बात मैंने इसलिए कही है और यह बात मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि इनकी समझ में यह आ जानी चाहिए कि यह भजन लाल की आवाज नहीं है, यह आठ करोड़ जनता की आवाज है, आठ करोड़ जनता की आवाज है। यह आठ करोड़ जनता की आवाज आप से दबने वाली नहीं है। आप जितनी जोर से सब बोलेंगे तो साथ ही ईश्वर मेरे को इतनी ताकत देगा और आपके सुर से मेरा ज्यादा ही रहेगा, कम रहने वाला नहीं है, कम रहने वाला नहीं है।

माननीय अध्यक्षजी, मैं बजरी खनन की बात कर रहा था। जहां तक अवैध बजरी खनन

का मामला है, यह समस्या आप की ही पैदा की हुई है। खनन बजरी के 100 हैक्टेयर तक के खनन पट्टे आवंटित करने का फैसला आप ही की सरकार के तत्कालीन मंत्री महोदय ने छह महीने लटकाये रखा, छह महीने लटकाये रखा और उसके विरोध में एक विधायक यहां यह तख्ती बांध कर आये थे। तख्ती बांध कर आये थे। अरे, जब क्यों नहीं बोले? क्यों नहीं कहा? उस कारण से बजरी के अवैध खनन को बढ़ावा मिला। माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस समस्या को प्राथमिकता से लिया। हमारी सरकार द्वारा नई एम-सैंड नीति लाकर नदियों की बजरी निर्भरता में कमी लायी जा रही है। हमारी बजरी के अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम हेतु कार्यवाही कर इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल, बंद मत हो भाई, चलते रहो। बंद क्यों हो रहे हो? बंद मत हो। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 3622 प्रकरण दर्ज किये हैं। इनके अंतर्गत 2763 वाहन व मशीनरी जब्त की गयी तथा 437 प्रकरणों में एफ.आई.आर. सम्बन्धित थानों में दर्ज करवायी गयी तथा 23.82 करोड़ रुपये राशि वसूल की गयी। 23.82 करोड़ रुपये राशि भी वसूल की गयी। माननीय सदस्यों को जानकर यह प्रसन्नता होगी कि हमारे प्रयासों के फलस्वरूप आज मेजर मिनरल के 48 ब्लॉक, माइनर मिनरल के 607 ब्लॉक तथा बजरी के 101 ब्लॉक की नीलामी के साथ आज राजस्थान प्रदेश, हमारा प्रदेश सम्पूर्ण देश में अग्रणी राजस्थान है। पहले नम्बर पर है। पहले नम्बर पर राजस्थान है। खनिज क्षेत्र में राजस्थान में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मैं एक बात और कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यह राजस्थान की जनता को, यह राजस्थान की जनता को झुठलाकर, उनको सपने दिखाकर, माननीय अध्यक्षजी, मैं एक बात कहना चाहता हूं, कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा जिलों एवं सम्भाग, जिले एवं सम्भाग के पुनर्गठन के विषय में सदन की कार्यवाही में व्यवधान डाला। उन्होंने जनता के सामने अपने अंतिम वर्ष में झुनझुने के रूप में बिना गुणावगुण के आधार पर जल्दबाजी में नये जिले एवं सम्भाग बनाये। मैं विपक्षी सदस्यों से यह पूछना चाहूंगा कि तीन जिले तो आपकी मूल रिपोर्ट में भी नहीं थे। लास्ट के तीन देखे हैं न? यह तो उनकी मूल रिपोर्ट में ही नहीं थे लेकिन फिर भी बना दिये। फिर भी आपने आचार-संहिता लगने से ठीक पहले चुनावी राजनीति के तहत तो इनकी घोषणा की। आपने गुटबाजी और चहेतों को खुश करने के लिए गांव को नगरपालिका, नगरपालिका को रातों रात जिला बिना दिया। यदि आपने बगरू से आने वाले माननीय सदस्य की बातें ध्यान से सुनी होती तो आपको यह मुद्दा उठाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

SSY/RTM/07.02.2025/17:40/3j

हमारे बगरु से आने वाले माननीय सदस्य ने इस विषय की स्पष्टता की लेकिन आपकी समझ में नहीं आया। माननीय सदस्यों को याद होगा कि वर्ष 1956 में प्रदेश में 26 जिले होते थे। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको कहना चाहता हूं और इनको आइना भी दिखाना

चाहता हूं, इसको राजस्थान की 8 करोड़ जनता भी देख रही है, मैं आइना दिखाना चाहता हूं कि 67 वर्षों में 26 जिले होते थे। 67 वर्षों में मात्र 7 नये जिलों का गठन किया गया। जिसमें से भी केवल एक जिला जब कांग्रेस की सरकार थी, तब बना था। बाकी जिले हमने बनाने का काम किया। 67 साल में एक जिला कांग्रेस ने बनाया, बाकी जिले हमने बनाने का काम किया।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे इतना कहना चाहता हूं कि नये जिलों का गठन किसने किया? केवल एक जिला आपने गठित किया। पहले 4 साल नींद से जागते, एक बात बताओ अध्यक्ष जी, अगर इनको जिले और संभाग बनाना था तो जब सरकार आई तभी उसको बनाते। सरकार आई तब भी बना सकते थे। लेकिन इन्होंने क्या देखा, आचार संहिता लगने से थोड़े दिन पूर्व इन्होंने एक साथ 17 जिले बना दिये। 17 जिले बनाने का राजनीति से प्रेरित होकर निर्णय किया। आपकी अदूरदर्शिता के चलते आपने जहां-जहां जिले बनाये वहां-वहां जनता ने आपको रास्ता बता दिया। आपको नकार दिया। आप 2 जीते, 2 जीते, आपको नकार दिया। जहां भी जिले बनाये जनता ने जवाब ठूंसकर दिया कि चलिये, यह वोट की राजनीति करते-करते इतने दिन हो गये, अभी भी बाज नहीं आ रहे। जनता ने चुनाव में नहीं कहा? बाज नहीं आये। आप कब तक जनता को बहकाओगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर, रेशनल के आधार पर, विधि के आधार पर परीक्षण कर जिला और संभागों का पुनर्गठन किया है। हमने जिन नॉर्म्स के आधार पर निर्णय लिया उसमें मैं माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहता हूं क्योंकि हम नियम बनाकर के काम करते हैं। हम ऐसे ही काम थोड़े करते हैं। हम राजस्थान की जनता का हित देखते हैं। जिले का हित देखते हैं। आपकी तरह नहीं, इनको तो यह कह दो कि हमको चंद्रमा पर प्लॉट चाहिए हम आपको वोट दे देंगे, माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह उनको भी आश्वस्त कर देंगे कि हां, हम आपको चंद्रमा पर प्लॉट दे देंगे। कांग्रेस इसमें भी नहीं चूकेगी। चंद्रमा पर प्लॉट देने की भी हां कर देंगे।

हमने जनसंख्या मरू क्षेत्र के लिए 6 लाख, जनजाति क्षेत्र के लिए 4 लाख, अन्य क्षेत्रों के लिए 9.5 लाख, क्षेत्रफल राष्ट्रीय औसत 4242 स्कवायर किलोमीटर अथवा जनसंख्या घनत्व, एनसीआर जैसी विशेष परिस्थिति, तहसिलों की संख्या मरू क्षेत्र के लिए 4, जनजाति क्षेत्र के लिए 4, अन्य क्षेत्रों के लिए 6, इन्होंने कुछ बनाया क्या? एक विधान सभा, एक पंचायत को जिला बना दिया। यह क्या स्थिति है? पोपाबाई का राज है क्या जो आप कहेंगे वही हो जायेगा? ऐसा नहीं चलेगा। यह राजस्थान की जनता सब जानती है। राज चलेगा तो कानून से चलेगा] नियम से चलेगा।

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि

सदन का समय आज की कार्यसूची समाप्त होने तक के लिए बढ़ाया जाय।

(स्वीकृत)

श्री सभापति: सदन का समय आज की कार्यसूची पूर्ण होने तक बढ़ाया गया।

अभिभाषण

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद-विवाद

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष जी, आपने देखा होगा कि सामाजिक पेंशन के बारे में कोटा उत्तर से आने वाले माननीय सदस्य ने सदन में कहा कि 4-5 महीने से सामाजिक पेंशन नहीं मिल रही है। माननीय सदस्य द्वारा बताये गये तथ्य पूर्णतया असत्य हैं। माननीय सदस्य शायद अपनी सरकार के कार्यकाल की बात कर रहे हैं। जहां दिसम्बर, 2023 से पूर्व 3-4 महीने की सामाजिक सुरक्षा पेंशन बकाया रहती थी। हमने ना केवल सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1 हजार रुपये से बढ़ाकर 1150 रुपये कर दिया तथा आपकी सरकार द्वारा बकाया छोड़ी गई पेंशन का भी भुगतान किया। इसका जैतारण से आने वाले मेरे साथी ने जवाब दिया। अगर उनका जवाब आप तसल्ली से सुन लेते तो शायद आपको इस प्रश्न की आवश्यकता नहीं होती। माननीय सदस्य, जो उन्होंने उत्तर दिया अगर आपने उनकी बात ध्यान से सुनी होती, हालांकि यह बात अलग है कि आपको अपने अलावा किसी दूसरे की बात सुनने की आदत नहीं है] आपकी गलत फहमी उसी समय दूर हो गई होती और आप सदन का बहुमूल्य समय जाया नहीं करते।

अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को आपके माध्यम से, माननीय सदस्यों द्वारा गलत बयानबाजी, सदन को गुमराह करने का प्रयास किया गया, उसमें अवगत कराना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने दिसम्बर, 2024 तक देय पेंशन भुगतान कर दिया। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार द्वारा इस वित्तीय वर्ष में माह अप्रैल, 2024 से लेकर जनवरी, 2025 तक 10552 करोड़ रुपयों की राशि का भुगतान किया गया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को विश्वास दिलाना चाहूंगा, मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि राजस्थान की जनता से हमने जो वादे किये हैं, हमने एक रोड मैप बनाया है, इन्होंने कभी रोड मैप नहीं बनाया है, रोड मैप इसलिए नहीं बनाया कि इन्होंने कभी राजस्थान की जनता का दर्द महसूस नहीं किया। हमने सबसे पहले रोड मैप बनाया। हमने देखा कि राजस्थान की 8 करोड़ जनता के लिए क्या आवश्यक है। हमने कहा सबसे पहले पानी की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राजस्थान की 8 करोड़ जनता को कहना चाहता हूं कि हमने पहला मिशन पानी का लिया। चाहे हमारी ईआरसीपी की योजना हो, राम जल सेतु योजना हो, चाहे हमारा यमुना समझौता हो या इंदिरा गांधी नहर में हनुमानगढ़, गंगानगर से लेकर के बीकानेर, बीकानेर से लेकर के नागौर, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर तक की हमारी योजना हो, उसमें हमने पैसा भी मंजूर किया और उसमें पानी बढ़ाने का काम भी हमारी सरकार ने किया। चाहे हमारी बेवाज स्कीम हो, जिसका आधा पानी अरब सागर की

तरफ जाता था, वहां टनल बनाकर के एनिकट के माध्यम से राजस्थान को हमारा पानी मिले, चाहे हमारी माही डैम योजना हो, चाहे हमारी ब्रह्मणी की योजना हो, हमने पूरे राजस्थान को देखते हुए पानी की योजना सबसे पहले बनाई।

तीसरा हमारा था कि हमारी राजस्थान में बिजली की व्यवस्था कैसे हो, हमने बिजली की व्यवस्था की। हमने आते ही दोनों योजनाओं में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये का एमओयू किया और उसके माध्यम से हम कह सकते हैं, किसान से हमने वादा किया कि हम 2027 तक किसान को दिन में बिजली देंगे। उद्योग को बिजली देंगे] उपभोक्ता को बिजली देंगे। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि राजस्थान की जनता की जो हमसे आशा और उम्मीद थी, हम 2027 तक किसान को आपूर्ति करेंगे। आपके माध्यम से मैं यह भी कहना चाहता हूं।

तीसरा हमारा विषय था कि राजस्थान के युवाओं को हम कैसे रोजगार दे सकते हैं? हम राजस्थान में उद्योग कैसे स्थापित कर सकते हैं? सरकारी तौर पर हमने पहले दिन कहा कि हमारी सरकार आते ही हम 5 साल में 4 लाख नौकरियां देंगे। आपके सामने 60 हजार के लगभग नौकरियां हमने दे दी हैं। 1 लाख 72 हजार नौकरियों की वैकेंसी हैं। उनमें से हमने 81 हजार नौकरियां घोषित भी कर दी हैं। पहली बार कैलेंडर बना होगा, हमारे युवा भाई, बहनों को कि उस दिन आपकी विज्ञप्ति निकलेगी, उस दिन आपको पेपर देना है, उस दिन आपका रिजल्ट आयेगा और उस दिन आपको नियुक्ति पत्र मिलेगा। शायद राजस्थान में पहली बार उन युवाओं के लिए हुआ है।

माननीय अध्यक्ष जी, यही नहीं मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चाहे हमारी ईआरसीपी योजना हो, यमुना जल समझौता हो, चाहे हमारी बिजली की योजना हो और चाहे हमारी राइजिंग राजस्थान की योजना हो।

spp/rtm/07.02.2025/17:50/3k

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में लगातार नारे एवं शोरगुल)

देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में यह हमारी डबल इंजन की सरकार है। यह डबल इंजन की सरकार रुकने वाली नहीं है और मैं एक बात कहता हूं यह डबल इंजन की सरकार है इसके आगे जो आएगा वह टकराएगा और वो टकराएगा, उसका परिणाम क्या होगा, यह भी आप जानते हो। डबल इंजन की सरकार है। और इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमने राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एम.ओ.यू.किये हैं। हमने कहा है कि निजी क्षेत्र में 6 लाख नौकरियां हम युवाओं को देंगे। हमने नीतियां बनाते हुए इस काम को आगे बढ़ाया है और आपके माध्यम से हम कहना चाहते हैं कि हम इनके किसी भी बहकावे में आने वाले नहीं है। निश्चित रूप से संकल्प पत्र के साथ राजस्थान की जनता को हमने जो वादा किया है, हम राजस्थान की जनता को हम

विश्वास दिलाते हैं कि हम पूरे संकल्प-पत्र को पूरा करेंगे।

अभी मैं कहना चाहता हूं कि हमें अभी एक साल हुआ है और इस एक साल के अन्दर हमने संकल्प-पत्र में जो वादे किये थे, वह 50 से 55 प्रतिशत तक हमने और हमारी सरकार ने पूरा करने का काम देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में किया है। मैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश राजस्थान की 8 करोड़ जनता देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। राजस्थान आगे बढ़ रहा है और राजस्थान की जनता को हमने जो कहा है, निश्चित रूप से हम उसमें आगे बढ़ेंगे।

मैं एक बात और कहना चाहता हूं। वैसे तो मेरे पास अभी बहुत कुछ है। माननीय अध्यक्षजी, बहुत कुछ है मेरे पास, मैं यही कह रहा था कि जैसे-जैसे समय आएगा, मेरा वोल्यूम बढ़ता जाएगा और अब मेरा वोल्यूम बढ़ता ही जा रहा है। मन तो यह रहा है कि मैं इसको पढ़ूं। मन तो कर रहा है लेकिन समय भी हो रहा है। मैं आपको कहना चाहता हूं हमें देख लीजिए एक साल में कितना काम कर लिया। दो साल में तो यह अंतर बहुत हो जाएगा। तीन साल बाद उससे ज्यादा बढ़ेगा। चार साल बाद उससे ज्यादा बढ़ेगा। लेकिन मैं अभी एक साल का अंतर बता रहा हूं और वह अंतर सुन लीजिए।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा वेल में लगातार नारे एवं शोरगुल)

सोलर पम्प सैट की स्थापना आपके समय में 1,200, अंतर भी देख लेना, हमारे समय में एक साल में 33 हजार 629, बिजली उत्पादन क्षमता में 540 मेगावाट इनके समय में और हमारे समय में 2 हजार 171 मेगावाट, गेहूं की खरीद, यह किसान की बात करते हैं। शर्म नहीं आती किसान की बात करते समय और यह किसान की बात करते हैं। गेहूं की खरीद 4 लाख मीट्रिक टन की है और हमने किया 12 लाख मीट्रिक टन। नहरी तंत्र के विकास के लिये, नहरी तंत्र के माध्यम से सिंचाई सुविधा 12 हजार 492 हैक्टेयर इनके थे और हमारे हैं 30 हजार 804 हैक्टेयर में। यह नमूना दे रहा हूं मैं। सारी बताऊंगा तो समय लग जाएगा, यह तो नमूना है। यह मैंने किसान के लिये कहा। माननीय महिलाओं के लिये, हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी कहते हैं कि अगर इन चार लोगों का विकास होगा तो हमारे प्रदेश का विकास होगा, हमारे देश का विकास होगा। 2047 का भारत विकसित भारत बनेगा। महिला, युवा, किसान और मजदूर। मैंने अभी किसान का बताया अब महिलाओं का सुनिए। अस्पताल में उपलब्ध करायी गयी सोनोग्राफी मशीन इनकी मात्र 3 थी अध्यक्षजी, एक साल में 3 मशीन और हमने 51 मशीनें दी हैं। स्कूली छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण इनका जीरो, हमने 10 लाख वितरित की हैं। गार्गी पुरस्कार में इनकी बालिकाओं की संख्या थी 67 हजार 554 और हमारी संख्या है 92 हजार 86, प्रधान मंत्री मातृ वंदन योजना में दी गयी सहायता राशि 39 करोड़ रुपये थी और हमारी 188 करोड़ रुपये है।

जिन युवाओं के सपने इन्होंने कुचले थे, उनका मैं कहना चाहता हूं राजकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण इन्होंने 21 किये हैं, हमने अब तक 113 कर दिये। विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण में इनका जीरो, हमने 88 हजार 800 दिये हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति उत्तर

मैट्रिक छात्रवृत्ति से लाभान्वित छात्र थे इनके 16 हजार 529 और हमने 85 हजार 572 किये हैं। गरीब, विभिन्न परियोजनाओं में निर्माण श्रमिक इनके थे 2 लाख और हमारे हैं 4 लाख। प्रधानमंत्री आवास शहरी के लाभार्थी 7 हजार 456 इनके थे और हमारे 86 हजार 215, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के तहत नवीन स्वीकृतियां, देखिये, आवास देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी देते हैं, लेकिन इनकी आदत देखिये। इन्होंने 70 साल में असत्य ही बोला है तो इनको अपनी असत्य की कहानी याद आती है। जनता के बीच में जाओगे तो वह धरातल पर ला देगी। अभी-अभी तो ला ही दिया है। सात सीटों में से एक को छोड़ दिया फिर भी असत्य को नहीं समझ रहे हो। प्रधान मंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत इनका जीरो, माननीय अध्यक्षजी, उस गरीब के प्रति इनकी बात देख लीजिए। ग्रामीण आवास में पिछले एक साल में जीरो और हमने 2 लाख आवास बनाये हैं। हमारा 2 लाख और इनका जीरो था। ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय भूखण्ड आवंटन, इनके थे 5 हजार 639 और हमारे 17 हजार 110 हैं। डांग मगरा में मेवात क्षेत्र में विकास के लिये 17 करोड़ रुपये खर्च किये और हमने 48 करोड़ रुपये खर्च किये। मैं आपको बता दूं कि काम कैसे किया जाता है।

सड़कों का उन्नयन एवं नवीकरण 16 हजार 174 किलोमीटर हुआ था इनके टाइम में और हमारा 23 हजार 162 किलोमीटर हुआ। निर्मित नवीन सड़कों की लम्बाई 4 हजार 173 किलोमीटर थी इनकी और हमारी 9 हजार 600 किलोमीटर है। मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण इनका हुआ 2 हजार 221 किलोमीटर और हमारी 4 हजार 736 किलोमीटर है। सड़कों से जोड़े गये गांव सिर्फ 537 गांव इनके और हमारे 1 हजार 69 गांव हैं।

अध्यक्षजी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं राजस्थान की जनता को सांसद और विधायक निधि की एक आस होती है। हमारे ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच को भी आस होती है कि उनका काम हो। इसलिए मैं सांसद क्षेत्रीय विकास योजना का व्यय भी बताना चाहता हूं। इनके समय था 86 करोड़ रुपये और हमारा 141 करोड़ रुपये है। विधायक स्थानीय क्षेत्रीय विकास योजना में इनका 575 करोड़ रुपये था और हमारा 1 हजार 07 करोड़ रुपये है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यही कहना चाहता हूं और सदन को मैं विश्वास दिलाना चाहूंगा कि प्रदेश के चंहुमुखी विकास के लिये कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी और प्रदेश की खुशहाली के लिये सतत् प्रयास जारी रहेंगे।

jyg/rtm/07.02.25/18.00/3I

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री भजन लाल शर्मा (मुख्य मंत्री): जारी...

माननीय अध्यक्षजी, मैं कहना चाहूंगा,

'सच्चे मन से कर्म कर, विकास की राह चलना है,
हर मुद्दे का हल ढूंढ, हर दिन आगे बढ़ना है।
पल-पल आगे बढ़े प्रदेश हमारा,

हमें ना है रुकना, ना थकना है।'

माननीय अध्यक्षजी, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि कितनी भी कोशिश करें, ये आवाज बढ़ती जायेगी, और भी बढ़ती जायेगी।

अंत में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि इस कांग्रेस ने बाबा साहब के साथ कैसा काम किया। मैं इतना ही कहना चाहता हूं, आज मुझे निश्चित रूप से बड़ी पीड़ा है, मुझे बहुत पीड़ा है। मेरा वो भाई, जो गांव, गरीब, किसान, खेत से आता है और वो विपक्ष के नेता के रूप में है, उसे बोलने का मौका नहीं दिया और इन्होंने चालबाजी करके उसको बोलने से रोका, निश्चित रूप से मुझे इस बात की पीड़ा है।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपके माध्यम से राजस्थान की जनता को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। आप सभी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, माननीय सभी साथियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षजी, प्रतिपक्ष के नेताओं को भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं, और इनको यही कहना चाहता हूं कि आप चिंता मत करिये, आप हमेशा विपक्ष को ताकत मानते हैं, आपकी जो आदत है, निश्चित रूप से उसके अनुसार करिये।

माननीय अध्यक्षजी, मैं आपके माध्यम से माननीय राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर धन्यवाद देता हूं और निश्चित रूप से आपको धन्यवाद देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द। जय भारत। जय राजस्थान।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का पारण

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि कैलाश चन्द वर्मा सदस्य विधान सभा द्वारा राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव स्वीकार किया जाये?

(स्वीकृत)

धन्यवाद प्रस्ताव स्वीकार किया गया।

सदन की बैठक बुधवार, दिनांक 19 फरवरी 2025 के प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 18.01 बजे बुधवार, दिनांक 19 फरवरी 2025 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)
